



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 305]

नई दिल्ली, बुधवार, सितम्बर 5, 2018/भाद्र 14, 1940

No. 305]

NEW DELHI, WEDNESDAY, SEPTEMBER 5, 2018/BHADRA 14, 1940

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(व्यापार उपचार महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 5 सितम्बर, 2018

अंतिम जांच परिणाम

विषय : चीन जन. गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यात किये गये 'एलॉय स्टील की सीधी लंबाई वाले छड़ और रॉड' के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच।

फा.सं. 6/10/2017- डी जी ए डी.—समय-समय पर यथा संशोधित सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे आगे अधिनियम भी कहा गया है) और समय-समय पर यथा संशोधित सीमा शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन और संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे आगे नियमावली भी कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए,

क. मामले की पृष्ठभूमि

- मै. जे एस डब्ल्यू स्टील लिमि., मै. जॉयसवाल निको इंडस्ट्रीज लिमि., मै. सनफ्लैग आयरन एंड स्टील कं. लिमि., मै. उषा मार्टिन लिमि., मै. गरडाउ स्टील इण्डिया प्रा. लिमि. और मै. वर्धमान स्पेशल स्टील लिमि. (जिन्हें आगे 'आवेदक' या 'याचिकाकर्ता' भी कहा गया है) ने इस अधिनियम और पाटनरोधी नियमावली के अनुसार चीन जन. गण. (इसके पश्चात संबद्ध देश के रूप में भी संदर्भित) के मूल के अथवा वहां से निर्यात किये गये 'एलॉय स्टील की सीधी लंबाई वाले छड़ और रॉड' (इसके बाद संबद्ध वस्तुओं के रूप में भी संदर्भित) के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच प्रारंभ करने के लिए निर्दिष्ट प्राधिकारी के समक्ष आवेदन संयुक्त रूप से प्रस्तुत किया है और संबद्ध वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क को लगाये जाने के लिए जांच आरंभ करने का अनुरोध किया है।

3. प्राधिकारी ने आवेदकों द्वारा प्रस्तुत पर्याप्त प्रथम दृश्य साक्ष्य के आधार पर दिनांक 22 सितंबर, 2017 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की जिसे भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया गया, ताकि इस नियमावली के नियम 6(1) के अनुसार "संबद्ध देश" के मूल के अथवा वहां से निर्यातित "संबद्ध वस्तुओं" के आयातों के संबंध में कथित पाटन की मौजूदगी, मात्रा और प्रभाव का निर्धारण करने के लिए तथा पाटनरोधी शुल्क की उस राशि की सिफारिश करने के लिए जिसे यदि लगाया जाए तो वह घरेलू उद्योग को हुई 'क्षति' को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा, के लिए पाटनरोधी जांच आरंभ की जा सके।

ख. प्रक्रिया

4. नीचे वर्णित प्रक्रिया का पालन किया गया है :

- क. प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के उप-नियम (5) के अनुसार जांच की शुरुआत करने से पहले आवेदन प्राप्त करने के बारे में भारत में चीन जन. गण. के दूतावासों को सूचित किया।
- ख. प्राधिकारी ने भारत में चीन जन. गण. के दूतावास, संबद्ध देश के ज्ञात उत्पादकों/ निर्यातकों और संबद्ध संबद्ध वस्तुओं के ज्ञात आयातकों/ प्रयोक्ताओं/ संघों को आवेदक द्वारा उपलब्ध कराए गए पत्रों के अनुसार आवेदन की अगोपनीय पाठ और जांच आरंभन संबंधी अधिसूचना की प्रति भेजी और उनसे अनुरोध किया गया कि वे पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(2) के अनुसार जांच के आरंभन के बारे में पक्षकारों को सूचना देते हुए पत्र को जारी किये जाने के 40 दिनों के भीतर लिखित रूप में अपने दृष्टिकोण से अवगत करायें। आवेदन की एक प्रति जब भी अनुरोध किया गया अन्य हितबद्ध पक्षकारों को उपलब्ध कराई गई थी।
- ग. भारत में चीन जन. गण. के दूतावास से भी यह अनुरोध किया गया था कि वे निर्धारित समय सीमा के भीतर अपने देश के उत्पादकों/ निर्यातकों को अपना उत्तर प्रस्तुत करने के लिए सलाह दें।
- घ. प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(4) के अनुरूप संबद्ध देश में निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों को संगत सूचना प्राप्त करने के लिए निर्यातक की प्रश्नावली भेजी।

1. हनहुई कं. लिमि.
2. डालियन डॉगफेई स्पेशल स्टील प्रॉडक्ट्स कं. लिमि.
3. डॉगबेई स्पेशल स्टील ग्रुप कं. लिमि.
4. डॉगुगुएन यूआंग इम्पो./ एक्स. ट्रेडिंग कं.
5. फोशन री जिन लियन हे ट्रेडिंग कं.
6. फूशंग होंगचेंग स्पेशल स्टील कं. लिमि.
7. हुआंगशी बाओई मेटेरियल कं. लिमि.
8. हुआंगशी चेनगक्यूअन मेटेल मेटेरियल
9. हुआंगशी फूड सटील कं. लिमि.
10. हुआंगशी पिनएक्सिसन इंड. कं. लिमि.
11. हुबेई जियफेंग मेटालूरजी इंड. एंड ट्रेडिंग कं. लिमि.
12. हुबेई राइजिंग टेक्नोलॉजी कं. लिमि.
13. जियांगइन डॉगटे स्टील ट्रेडिंग कं. लिमि.
14. सरकल फोर मेटेल मेटेरियल्स कं. लिमि.
15. डालियन केम इम्पो. एंड एक्स. ग्रुप कं. लिमि.
16. डॉगुआन युगआंग इम्पो./ एक्स. ट्रेडिंग कं. लिमि.
17. हेये स्पेशल स्टील कं. लिमि.
18. हुआंगशी बेटर इंटरनेशनल ट्रेड कं. लिमि.
19. हुआंगशी टेडॉंग मेटेरियल टेक्नोलॉजी कं. लिमि.
20. जियांगसू रॉंगशान स्पेशल स्टील कं. लिमि.
21. जियांगसू झूहॉंग फॉगिंग कं. लिमि.
22. जियांगइन होंगटेंग मेशीनरी कं. लिमि.
23. जियांगइन झिंगचेंग स्पेशल स्टील वर्क्स कं. लिमि.

24. वक्सी फूहॉग स्पेशल स्टील कं. लिमि.
25. वक्सी इन'ल ट्रेड डेवेलपमेंट कं. लिमि.
26. डाये जियांग मेटालूरजी कं. लिमि.
27. हुआग्शी चैनक्यूआन मेटेल मेटेरियल कं. लिमि.
28. हुआग्शी जिरुई इंड. कं. लिमि.
29. हुआग्शी झॉगजिंग स्पेशल कं. लिमि.
30. किलू स्पेशल स्टील कं. लिमि.
31. शेनझेन न्यूवोरिजिन स्पेशल स्टील कं.
32. शेनझेन आनटच बिजनेस सविर्स
33. शागांग ग्रुप इंक.
34. तिअनजिन किनबेंग इंड. कं. लिमि.
35. यांगझाउ डान ड्रिलिंग टूल्स कं. लिमि.
36. साँगटिन ऑयरन स्टील कं. लिमि. हेबेई ऑयरन एंड स्टील ग्रुप
37. बायोस्टील कं. लिमि.

ड. निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों ने निर्धारित प्रपत्र में निर्यातक की प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया :

1. बेंगांग स्टील प्लेट्स कं. लिमि.
2. बरविल रिसॉसिस लिमि.
3. बेनक्सी ऑयरन एंड स्टील हाँग काँग लिमि.
4. हेंगहॉउ कोजेनरेशन (हाँग काँग) कं. लिमि.
5. डाये स्पेशल स्टील कं. लिमि.
6. जियांगसू सी पी झिंगचेंग स्पेशल स्टील कं. लिमि.
7. जियांसू टेफू झिंगचेंग स्पेशल टाइप मेटेरियल कं. लिमि.
8. जियांगइन झिंगचेंग स्पेशल स्टील वर्क्स कं. लिमि.
9. शेंगडॉंग शाँगआंग जुनेंग स्पेशल स्टील कं. लिमि.
10. जियांसू योंगआंग ग्रुप कं. लिमि.
11. जियांगसू शांगांग ग्रुप हुयेगेंग स्पेशल स्टील कं. लिमि.
12. अदलर स्टील लिमि.
13. जियांगसू लिहुई ऑयरन एंड स्टील कं. लिमि.
14. बी एंड एल इंटरनेशनल इन्वेस्टमेंट कं. लिमि.
15. जी पी ग्लोब कोरपोरेशन
16. जी एस ग्लोब कोर. एंड जिंदल एस ए डब्ल्यू
17. जेनेथ स्टील ग्रुप कं. लिमि.
18. सिनोमेटेरियल इंटरनेशनल कं. लिमि.
19. जेनसिस रिसॉसिस कं. लिमि.
20. टॉपटिप होल्डिंग प्रा. लिमि.
21. जेनेथ स्टील ग्रुप (शंघाई) कं. लिमि.
22. शी गेंग जिंग चेंग इक्यूपमेंट डेवेलपमेंट एंड मेनिफेक्चरिंग कं. लिमि.
23. शिझिहुआंग ऑयरन एंड स्टील कं. लिमि.
24. जियांगसू लियानफेंग एनर्जी इक्यूपमेंट कं. लिमि.
25. शानडॉंग ऑयरन एंड स्टील कं. लिमि.

च. भारत में संबद्ध वस्तुओं के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं को पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना उपलब्ध कराने के लिए प्रश्नावलियां भेजी गई थीं :

1. एडिसन एंड कं. लिमि.
2. एलॉय स्टील इण्डिया एजेंसी

3. अलमस स्टील एंड एलॉय प्रा. लिमि.
4. अरकाय नेशनल इंजीनियरिंग एंड फाउंडरी कं.
5. बेनगल स्टील कारपोरेशन
6. भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमि.
7. बिपीको इंडस (टूल्स) प्रा. लिमि.
8. बिरला प्रिसिसन टेक्नोलॉजी लिमि.
9. सी. बी. मशीनरी सॉल्यूशन
10. डी. बी. इंजीनियरिंग (प्रा.) लिमि.
11. डेयवन इंडिया ऑटो पार्ट्स प्रा. लिमि.
12. डी टी इंड. लिमि.
13. धर्मा इंटरनेशनल
14. डी एम सन्स मेटल प्रा. लिमि.
15. डोसी इंटरप्राइज
16. डोजको (इण्डिया) प्रा. लिमि.
17. इलगी इक्यूपमेंट्स लिमि.
18. इम्पायर स्टील्स
19. इस्ट टूल स्टील प्रा. लिमि.
20. फार्गे-कास्ट एलॉय प्रा. लिमि.
21. गोयल स्टील कं.
22. हाई-टेक इंजीनियर्स प्रा. लिमि.
23. इण्डिया सेह प्रिसिसन मेटल प्रा. लिमि.
24. आई पी रिंग लिमि.
25. जलधारा स्माल टूल्स प्रा. लिमि.
26. कोमल इंटरप्राइजेज
27. लाब्धी इंटरनेशनल
28. लामिना सस्पेंशन प्रॉडक्ट लिमि.
29. महावीर इंजीनियरिंग वर्क्स
30. मासकोट स्टील सेंटर
31. मोहिन्दर एजेंसीज
32. नेशनल इंजीनियरिंग इंड. लिमि.
33. ओम स्टील इंटरप्राइजिज
34. ओरबिट बियरिंग्स इंडिया प्रा. लिमि.
35. आरबिट बियरिंग्स इण्डिया प्रा. लिमि.
36. प्रिसिसन पंचेज एंड डाईज
37. राने ट्रव स्ट्रीरिंग सिस्टम प्रा. लिमि.
38. रोलेक्स रिंग्स प्रा. लिमि.
39. ग्लोवटेक स्टील प्रा. लिमि.
40. एस. एम. स्टील्स
41. साटवीका ट्रेडिंग कं.
42. साधु फॉरिंग लिमि.
43. साई दीपा राक्स ड्रील्स प्रा. लिमि.
44. साक्षी स्टील -एन- एलॉय

45. संदीप इम्पेक्स प्रा. लिमि.
46. सत्कुल इंटरप्राइजेज लिमि.
47. सेवन स्टार स्पेशियलिटी स्टील
48. श्री इंटरप्राइजेज
49. एस एस बी एलॉय एंड स्टील (प्रा.) लिमि.
50. स्टार इम्पेक्स
51. स्टोर्स सप्लाई इण्डिया एजेंसी
52. सुभद्रा रिंग्स प्रा. लिमि.
53. सुमन मेटालॉय्स
54. टेक्नोकॉफ्ट इंटरप्राइजेज
55. टी जी के स्पेशल स्टील प्रा. लिमि.
56. तिरथ एग्रो टेक्नोलॉजी प्रा. लिमि.
57. तुराखिया इंटरनेशनल प्रा. लिमि.
58. यूनाइटेड स्टील कॉरपोरेशन
59. यूरो फेरी प्रा. लिमि.
60. विजन विनिजया प्रा. लिमि.
61. विप्रो इंटरप्राइजेज प्रा. लिमि.
62. युवराज हाइजिन प्रॉडक्ट्स लिमि.

छ. निम्नलिखित आयातक/ प्रयोक्ता ने निर्धारित प्रपत्र में आयातक की प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया :

1. नेशनल इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज लिमिटेड

ज. उन पक्षकारों जिन्होंने प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया द्वारा समय समय पर अनुरोध भी किये गये थे। इन पक्षकारों के अलावा निम्नलिखित हितबद्ध पक्षकारों से भी टिप्पणियां प्राप्त हुई थी :

1. चाईना चेम्बर ऑफ इंटरनेशनल कॉमर्स (सी सी ओ आई सी)
2. श्री इंटरप्राइजेज
3. सेवन स्टार स्पेशियलिटी स्टील
4. ओम स्टील एंड फॉरजिंग्स
5. लाब्दी इंटरनेशनल
6. कोम इंटरप्राइजेज
7. फॉर्जे कास्ट एलॉय प्रा. लिमि.
8. एस्सार स्टील सप्लाई
9. डोसी इंटरप्राइज
10. चेम्पियन डीलर्स (मुम्बई) प्रा. लिमि.
11. भगवती स्टील कारपोरेशन
12. तुराखिया इंटरनेशनल प्रा. लिमि.
13. टेक्नोकॉफ्ट इंटरप्राइजेज
14. संदीप इम्पेक्स प्रा. लिमि.
15. एलॉय टील (इण्डिया) एजेंसी
16. देवकीनंदन जे गुप्ता मेटल्स एल एल पी
17. इम्प्राइज स्टील्स
18. आई पी रिंग्स लिमिटेड
19. मस्कोट स्टील सेंटर

20. स्टार इम्पेक्स
21. ओम स्टील इंटरप्राइजेज
- झ. प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य का अगोपनीय पाठ इन हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निरीक्षण के लिए खुली रखी गई एक सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध कराया। सभी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किये गये अनुरोधों पर वर्तमान जांच परिणाम में विचार किया गया है। कुछ अनुरोध उन पक्षकारों से प्रकटन विवरण जारी किए जाने के बाद जांच के अंतिम चरण में प्राप्त हुए थे, जिनहोंने पूरी जांच के दौरान हितबद्ध पक्षकारों के पत्र दायर नहीं किए अथवा जांच में भाग नहीं लिया। प्राधिकारी ने उन पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों की भी जांच की है।
- ञ. भाग लेने वाले उत्पादकों/ निर्यातकों से प्राप्त प्रश्नावली के उत्तर की वृहत संख्या होने के कारण, प्राधिकारी ने संबद्ध देश के उत्तर देने वाले पक्षकारों द्वारा निर्यातों की मात्रा के सबसे बड़े प्रतिशत को लेकर इस नियमावली के नियम 17(3) के परंतुक के संबंध में नमूने का सहारा लिया। तदनुसार, 21 दिसंबर, 2017 को, प्राधिकारी ने निम्नलिखित उत्पादकों को सूचित किया जो वर्तमान जांच के उद्देश्य से नमूने लिए गए उत्पादकों का हिस्सा बनेंगे। ये निम्नलिखित हैं :

उत्पादक देश	उत्पादक	निर्यातक	उत्तर देने वाले उत्पादकों/ निर्यातकों द्वारा किये गये कुल निर्यातों के प्रतिशत के रूप में आपूर्ति की गई मात्रा
(1)	(2)	(3)	(4)
चीन जन. गण.	बेनगांग स्टील प्लेट्स कं. लिमि.	बेंकसी आयरन एंड स्टील हॉग कॉग लिमि.;	40.26%
	डाये स्पेशल स्टील कं. लिमि.;	बरविल रिसोसिस लिमि.;	
	जियांगसू सी पी जिंगचेंग स्पेशल स्टील कं. लिमि.	हॉगझाउ कोजेनेरेशन (हॉग कॉग) कं. लिमि .	21.97%
		डाये स्पेशल स्टील कं. लिमि.	
		जिनागइन जिंगचेंग स्पेशल स्टील वर्क्स कं. लिमि.	

- ट. शेष उत्पादकों/ निर्यातकों जिन्होंने पूर्ण उत्तर प्रस्तुत किया है, को नमूने न लिये गये सहयोगी उत्पादकों/ निर्यातकों के रूप में माना गया है।
- ठ. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग सहित हितबद्ध पक्षकारों से पी सी एन के संबंध में उनकी लागत संबंधी सूचना को प्रस्तुत किये जाने के संबंध में सूचना की भी मांग दिनांक 18 जनवरी, 2018 के अधिसूचना के माध्यम से की है ताकि उचित तुलना की जा सके। इसके बाद, पी सी एन वार सूचना दिनांक 12 मार्च, 2018 के अधिसूचना के माध्यम से मांगी गई थी।
- ड. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर उपलब्ध कराई गई सूचना की जांच गोपनीयता के दावे के पर्याप्त होने के संबंध में की गई थी। संतुष्ट होने पर प्राधिकारी ने जहां भी आवश्यक हुआ गोपनीयता के दावे को स्वीकार किया है और इस प्रकार की सूचना पर गोपनीय के रूप में विचार किया गया है और इसे अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकट नहीं किया गया है। जहां भी संभव हुआ, गोपनीय आधार सूचना उपलब्ध कराने वाले पक्षकारों को निर्देश दिया गया था कि गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना का पर्याप्त अगोपनीय पाठ उपलब्ध करायें।
- ढ. इसके अलावा, आवेदकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों से उस सीमा तक सूचना मांगी गई थी जिस सीमा तक उसे आवश्यक समझा गया।
- ण. जहां कहीं किसी हितबद्ध पक्षकार ने सूचना देने से इनकार किया है अथवा अन्य प्रकार से वर्तमान जांच की अवधि के दौरान आवश्यक सूचना उपलब्ध नहीं कराई है अथवा जांच में बहुत अधिक बाधा उत्पन्न की है, प्राधिकारी ने इस प्रकार के पक्षकारों को असहयोगी के रूप में माना है और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर जांच परिणाम रिकार्ड किया है।
- त. क्षति रहित कीमत (इसके पश्चात 'एन आई पी' के रूप में संदर्भित) की गणना पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध III और सामान्य रूप से स्वीकार की गई लेखांकन सिद्धांतों (जी ए ए पी) के आधार पर घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना के आधार पर भारत में संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन की लागत और उसका निर्माण करने एवं बिक्री करने की लागत के आधार पर की गई है। इसे उस प्रकार से तय किया गया है जिससे की इस बात का पता लगाया जा सके की

- क्या पाटन मार्जिन के तुलना में कम पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगा।
- थ. आवेदक घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना का सत्यापन प्राधिकारी द्वारा उस सीमा तक किया गया था जिस सीमा तक उसे आवश्यक माना गया और आवश्यक संशोधन, जहां कहीं भी लागू हो, के साथ केवल इस प्रकार की सत्यापित सूचना पर भरोसा किया गया।
- द. 1 अप्रैल, 2016 से आरंभ होकर 31 मार्च, 2017 तक (12 महीने) (इसके पश्चात 'जांच की अवधि' अथवा 'पी ओ आई' के रूप में संदर्भित) के लिए जांच की गई थी। क्षति के विश्लेषण के संदर्भ में प्रवृत्तियों की जांच में 2013-14, 2014-15, 2015-16 तक की अवधि और जांच की अवधि को शामिल किया गया है।
- ध. याचिकाकर्त्ताओं ने वाणिज्यिक सूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डी जी सी आई एंड एस) से लिये गये लेन देन वार आयात संबंधी आंकड़ों पर विश्वास करते हुए संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के पाटन का आरोप लगाते हुए याचिका प्रस्तुत की थी। प्राधिकारी ने उस पर विश्वास किया है।
- न. जांच की अवधि के दौरान दिये गये तर्कों और विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत कराई गई सूचना को वर्तमान जांच के लिए महत्वपूर्ण मानते हुए और आवश्यक साक्ष्य दिये जाने की सीमा तक प्राधिकारी द्वारा उपयुक्त रूप से विचार किया गया है।
- प. पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(6) के अनुसार, प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पक्षकारों को दिनांक 4 जून, 2018 को आयोजित एक सुनवाई में अपने दृष्टिकोण मौखिक रूप से प्रस्तुत करने के लिए अवसर भी प्रदान किया। मौखिक सुनवाई के दौरान मौजूद रहने वाले सभी पक्षकारों से अनुरोध किया गया था कि वे मौखिक रूप व्यक्त किये गये दृष्टिकोणों को लिखित अनुरोध के रूप में प्रस्तुत करें। इन पक्षकारों को यह सलाह दी गई थी कि ये विरोधी पक्षकारों द्वारा व्यक्त किये गये दृष्टिकोणों के लिखित अनुरोधों की प्रतियां प्राप्त करें और यह भी अनुरोध किया गया था कि वे 18 जून, 2018 तक अपने प्रति उत्तर प्रस्तुत करें।
- फ. लिखित अनुरोधों और प्रत्युत्तर अनुरोधों में दिए गए तर्कों तथा विभिन्न पक्षकारों से समय-समय पर प्राप्त पत्रों पर वर्तमान जांच परिणाम में विचार किया गया है।
- ब. नियमावली के अनुसार प्राधिकारी ने 8 अगस्त, 2018 को जारी प्रकटन विवरण सभी द्वारा हितबद्ध पक्षकारों को वर्तमान जांच के अनिवार्य तथ्य प्रकट भी किए और उन्हें सलाह दी कि वे 20 अगस्त, 2018 तक प्रकटन विवरण और अपनी टिप्पणियां दायर करें। घरेलू उद्योग और अन्य हितबद्ध पक्षकारों एवं कुछ अन्य पक्षकारों से प्राप्त टिप्पणियों को संगत समझी जाने वाली सीमा तक वर्तमान जांच परिणाम में हल कर दिया गया है।
- भ. अमरीकी डालर से भारतीय रुपए में परिवर्तन के लिए विनिमय दर सीमा शुल्क आंकड़ों के अनुसार 67.96 भारतीय रुपए के रूप में जांच की अवधि के लिए माना गया है।
- म. इस अधिसूचना में, *** गोपनीय आधार पर किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा दी गई सूचना और इस नियमावली के अंतर्गत प्राधिकारी द्वारा इस प्रकार से विचार की गयी सूचना का द्योतक है।

घ. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु

5. विचाराधीन उत्पाद के कार्यक्षेत्र के संबंध में घरेलू उद्योग और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किये गये अनुरोधों का सारांश नीचे दिया गया है :

अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किया गया अनुरोध

6. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किया गया अनुरोध नीचे दिए गए अनुरोध है :
- क. हितबद्ध पक्षकारों यह दावा किया है कि 1:6 के कटौती अनुपात के साथ 140 मिमी. से अधिक त्रिज्या का हॉट रॉलड राउण्ड को बाहर किया जाना चाहिए। केवल 5 भारतीय उत्पादकों नामतः मै. जे एस डब्ल्यू स्टील लिमि., मै. उषा मार्टिन लिमि., कल्याणी कारपेंटर स्पेशल स्टील लिमि., जॉयसवाल निको इंडस्ट्रीज लिमि., आर. एल. स्टील एंड एनर्जी लिमि. 140 मिमी. से अधिक त्रिज्या वाले हॉट रॉलड राउण्ड छड़ों को उत्पादन कर सकते हैं। भारत में कोई भी अन्य उत्पादक के पास 140 मिमी. से अधिक त्रिज्या वाले छड़ों का उत्पादन करने की क्षमता नहीं है। इन 5 उत्पादकों के मामले में भी उनमें से अधिकांश 1:6 जो प्रयोक्ता उद्योग द्वारा अपेक्षित मूल मापदंड है, की कटौती अनुपात के साथ अच्छी गुणवत्ता वाली छड़ों का उत्पादन कर सकते हैं।
- ख. 141 मिमी. 210 मिमी. के आकारों का उत्पादन भारत के कुल एलॉय स्टील उत्पादन का 5 प्रतिशत से अधिक नहीं है। किसी भारतीय मिल के पास 210 मिमी. से अधिक त्रिज्या का उत्पादन करने की क्षमता नहीं है।

- ग. हितबद्ध पक्षकारों ने यह दावा किया है कि सी टी एच 7228, सी टी एच 7214 और सी टी एच 7215 के अंतर्गत पड़ने वाले एस ए ई 52100 और एस ए ई 8720 ग्रेड के संबद्ध वस्तुओं को घरेलू उत्पादकों की उसका उत्पादन करने की और मांग संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने की क्षमता नहीं होने के कारण बाहर किया जाना चाहिए। उत्पादकों के पास उत्पादन और परीक्षण के लिए कुछ सुविधाएं जैसे इनगॉट रूट सुविधा, आर एच डीग्रासिंग सुविधा, ऑटो अल्ट्रासोनिक परीक्षण सुविधा, ऑटो एडी करेंट परीक्षण सुविधा नहीं है। इस प्रकार से घरेलू उत्पादकों और चीन जन. गण. में उत्पादकों द्वारा उत्पादित माल अलग अलग हैं।
- घ. यह भी दावा किया जाता है कि इन ग्रेडों पर कीमत में कोई क्षति नहीं हुई है क्योंकि एस ए ई 52100 और एस ए ई 8720 ग्रेडों की आयात कीमत आवेदक द्वारा अनुमान लगाये गये क्षति रहित कीमत से अधिक है।
- ङ. एक हितबद्ध पक्षकार द्वारा यह भी दावा किया गया है कि ग्रेड एस ए ई 52100 का फॉज्ड स्टील भारत में उचित कीमतों पर उपलब्ध नहीं है और निश्चित रूप से इसका उत्पादन और आपूर्ति याचिकाकर्ता द्वारा नहीं की जाती है। पक्षकार ने यह भी दावा किया है कि किसी भी घरेलू उद्योग के पास फार्जिंग प्रेस की सुविधा नहीं है।
- च. सीधी लंबाई के फॉज्ड एलॉय स्टील छड़ें और रॉड को बाहर किया जाना चाहिए। विचाराधीन उत्पाद में इस उत्पाद को जोड़ने से घरेलू उद्योग की औसत कीमत में वृद्धि होती है। हालांकि, चीन जन. गण. से आयातों की बहुत अधिक मात्रा नहीं है जो औसत आयात की कीमतों पर प्रभाव नहीं डालता है।
- छ. हितबद्ध पक्षकारों ने माइक्रो एलॉयिंग तत्वों अर्थात् क्रोमियम, बोरन और टाइटेनियम जो कार्बन स्टील ग्रेड (इसके बाद 'कार्बन स्टील ग्रेड' अथवा 'कार्बन स्टील' के रूप में संदर्भित) हैं, को जोड़ने के साथ कुछ कार्बन स्टील ग्रेडों को बाहर किये जाने का दावा किया है। चीन के सभी निर्यातक माइक्रो एलॉयिंग तत्वों अर्थात् क्रोमियम (0.30 प्रतिशत से 0.40 प्रतिशत तक), बोरन (0.0008 प्रतिशत से 0.0010 प्रतिशत तक) और टाइटेनियम (0.05 प्रतिशत से 0.07 प्रतिशत) को जोड़ने के साथ कार्बन स्टील का निर्यात करता है। यद्यपि इन माइक्रो एलॉयिंग को जोड़ने से स्टील के आवश्यक गुणों में परिवर्तन नहीं आता है बल्कि सीमा शुल्क के उद्देश्य से यह एलॉय स्टील बन जाता है और एच एस एन कोड 7228 के अंतर्गत पड़ता है। इस कारण से कार्बन स्टील ग्रेडों को विचाराधीन उत्पाद के कार्यक्षेत्र से बाहर किया जाना चाहिए। चूंकि इन कार्बन स्टील ग्रेडों की कीमत अपेक्षाकृत कम है और उनके आयात की मात्रा अपेक्षाकृत अधिक है, औसत आयात की कीमत में विपथन है। चूंकि, कार्बन स्टील ग्रेड नॉन एलॉय स्टील होते हैं और ये कम कीमत वाले उत्पाद हैं अतः यह अनुरोध किया जाता है कि कार्बन स्टील ग्रेडों को विचाराधीन उत्पाद के कार्यक्षेत्र से बाहर किया जाना चाहिए ताकि सही औसत आयात कीमत तय की जा सके। प्राधिकारी को अवश्य ही इन ग्रेडों के लिए एक पृथक पी सी एन बनाना चाहिए जो इस संबंध में इन आंकड़ों को उचित रूप से प्रदर्शित किये जाने की अनुमति देगा।
- ज. टूल और डाय स्टील के लिए परिभाषित बर्हिगमन सही नहीं है। इस बर्हिगमन को लागू बी आई एस मानक आई एस 3748 के अनुसार परिभाषित किया जाना चाहिए।
- झ. यह भी दावा किया गया है कि समग्र 'टूल और डाय स्टील' को बाहर किया जाना चाहिए क्योंकि भारत में उसका निर्माण नहीं किया जाता है।
- ञ. हितबद्ध पक्षकारों ने एलॉय स्टील छड़ों को बाहर किये जाने का दावा किया है जिसे आगे हॉट ड्रॉन, कोल्ड ड्रॉन, कोल्ड एक्सट्रूडेड, पील्ड बार, सरफेस मशीन, पॉलिस्ड और ब्राइट बार्स को आगे प्रसारित किया जाता है। इन सभी उत्पादों में हॉट रॉल्ड बार्स अथवा फाज्ड बार्स को आगे इस प्रकार से प्रसारित करना शामिल है कि यह आगे इस उत्पाद का मूल्यवर्धन करे और उनका मूल्य हॉट रॉल्ड/ फाज्ड बार्स की तुलना में अधिक है।
- इन मूल्यवर्धित उत्पादों का आयात चीन जन.गण. से नहीं किया जाता है परंतु उनका आयात चीन जन.गण. को छोड़कर अन्य देशों से किया जाता है और इस कारण से चीन से बाहर से मूल की औसत कीमत चीन के मूल के सामग्री की तुलना में अधिक है। भारतीय उत्पादन आंकड़ों में इसे शामिल करने से घरेलू तौर पर उत्पादन किये गये छड़ों की औसत कीमत में वृद्धि होती है। इन उत्पादों से संबंधित आंकड़ों को भारतीय उत्पादन संबंधी आंकड़ों से बाहर किया जाना चाहिए ताकि सही तस्वीर प्राप्त हो सके। केवल कुछ याचिकाकर्ता इस उत्पाद का उत्पादन करते हैं और वह उत्पादन बहुत कम मात्रा में होता है।
- ट. यह अनुरोध किया जाता है कि यह सिद्ध करने का दायित्व की घरेलू और आयात किये गये सामान पाटनरोधी करार के संबंध में समान हैं, हमेशा घरेलू उद्योग पर था।

घरेलू उद्योग द्वारा किया गया अनुरोध

7. घरेलू उद्योग द्वारा किया गया अनुरोध नीचे दिये गये अनुसार है :

- क. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद (पी यू सी) सीधी लंबाई में एलॉय छड़ें और राइस हैं चाहे वह हॉट रॉलड, हॉट ड्रोन, कोल्ड ड्रॉन, कोल्ड एक्सट्रूडेड, पील्ड बार, सरफेस मशीन, पालिस्ड, ब्राइट बार, फाज्ड हों अथवा नहीं।
- ख. निम्नलिखित उत्पादों को इस जांच के कार्यक्षेत्र से बाहर किया जाता है :
- अनियमित रूप से वोउन्ड क्वाइल में बार और रॉड ;
 - हाई स्पीड स्टील अर्थात् अन्य संघटकों सहित अथवा उनके बिना वाले अलॉय स्टील , कम से कम तीन संघटकों में से दो अर्थात् मोलीब्डेनम (एमओ), टंगस्टन (डब्ल्यू) और वेनाडियम (वी) जिनकी संयुक्त मात्रा भार से 7 प्रतिशत या अधिक, कार्बन 0.6 प्रतिशत अधिक तथा क्रोमियम 3 से 6 प्रतिशत हो;
 - टूल एवं ड्राई स्टील : इस श्रेणी में निम्नलिखित तीन संयोजनों के कोई भी स्टील शामिल हैं :

i)	कार्बन $\geq 0.50\%$ क्रोमियम $\geq 1.0\%$ निम्नलिखित में से किसी भी तत्व के संयोजन में
(a)	निकिल $\geq 1.0\%$
(b)	मोलीब्डेनम $\geq 0.2\%$
(c)	वानाडियम $\geq 0.2\%$
ii)	कार्बन $\geq 0.30\%$ टंगस्टन $\geq 0.40\%$ के संयोजन में
iii)	कार्बन $\geq 0.30\%$ मैंगनीज $\geq 1.0\%$ और क्रोमियम $\geq 1.0\%$ निम्नलिखित में से किसी भी तत्व के संयोजन में
(a)	निकिल $\geq 1.0\%$
(b)	मोलीब्डेनम $\geq 0.2\%$
(c)	वानाडियम $\geq 0.2\%$
- iv. खोखली ड्रिल बार और रॉड ;
- v. क्रोमे इलेक्ट्रोप्लेटेड बार एवं रॉड ;
- vi. कंक्रीट पुनर्वर्लन के लिए प्रयुक्त रिब/ग्रूव/इन्डेंटेशन वाले पुनर्वर्लन बार;
- vii. स्टेनलैस स्टील बार;
- ग. घरेलू उद्योग ने अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दिये गये बाहर किये जाने संबंधी दावे का खंडन किया है। घरेलू उद्योग पुनः दोहराता है कि इसके पास संबद्ध वस्तुओं का निर्माण करने की क्षमता है। इसके अलावा, घरेलू उद्योग ने जांच की अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद के कार्यक्षेत्र के अंतर्गत आने वाली वस्तुओं की आपूर्ति भी की है।
- घ. 1:6 के कटौती अनुपात के साथ 140 मिमी. से अधिक त्रिज्या वाले हॉट रॉलड राउण्ड छड़ों को बाहर करने के लिए दावों के संबंध में, घरेलू उद्योग नियमित रूप से आपूर्ति करता है और जांच की अवधि के दौरान 1:6 के कटौती अनुपात के साथ 140 मिमी. से अधिक त्रिज्या वाले हॉट रॉलड राउण्ड छड़ों की आपूर्ति की थी।
- ङ. एस ए ई 52100 और एस ए ई 8720 ग्रेडों को बाहर करने के लिए दावों के संबंध में, हितबद्ध पक्षकारों का यह दावा कि घरेलू उद्योग उसकी आपूर्ति नहीं कर पाया है और उसकी आपूर्ति करने में सक्षम नहीं है, का कोई आधार नहीं है। इस संबंध में आपूर्ति किये गये साक्ष्य को घरेलू उद्योग के साथ साझा नहीं किया गया था और इसका खंडन नहीं किया जा सका। घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया है कि घरेलू उद्योग के संघटकों में से एक संघटक द्वारा डिलीवरी नहीं करने की छुट्ट पुट घटनाएं उत्पाद के कार्यक्षेत्र से किसी विशेष श्रेणी को बाहर किये जाने के लिए आधार नहीं हो सकता है।
- च. चीन जन. गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यात किये गये 'एलॉय और नॉनएलॉय स्टील का वॉयर रॉड' के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच में उक्त हितबद्ध पक्षकार द्वारा समान मुद्दे उठाये गये थे और उसे प्राधिकारी द्वारा इन आधारों पर अस्वीकार किया गया था कि घरेलू उद्योग एस ए ई 52100 और एस ए ई 8720 के समतुल्य ग्रेडों का निर्माण कर रहा है।
- छ. सीधी लंबाई में फॉज्ड एलॉय स्टील छड़ों और रॉड्स को बाहर किये जाने से संबंधित दावों के बारे में, घरेलू उत्पादक नियमित रूप से उसकी आपूर्ति करते हैं और जांच की अवधि के दौरान भी उसकी आपूर्ति की थी। इस कारण से यह दावा अस्वीकार किये जाने लायक है। इसके अलावा, फॉज्ड स्टील के स्थान पर रॉलड स्टील छड़ों और रॉड्स का उपयोग किया जा सकता है।

- ज. घरेलू उद्योग इस तर्क पर कठोरता से आपत्ति करता है कि माइक्रो एलॉयिंग तत्वों अर्थात् क्रोमियम (0.30 प्रतिशत से 0.40 प्रतिशत तक), बोरन (0.0008 प्रतिशत से 0.0010 प्रतिशत तक) और टाइटेनियम (0.05 प्रतिशत से 0.07 प्रतिशत) को जोड़ने के साथ कार्बन स्टील ग्रेडों में कार्बन स्टील की विशेषताओं में कोई परिवर्तन नहीं होता है। घरेलू उद्योग यह अनुरोध करता है कि सीमा प्रशुल्क अनुसूची के अध्याय 72 के नोट के अनुसार, उल्लिखित अनुपातों में वजन के द्वारा उपयुक्त माइक्रो एलॉयिंग तत्वों में से कोई एक तत्व भी एलॉय स्टील है। इसके अलावा, चीन जन. गण. के उत्पादक स्वयं इन उत्पादों को 'एलॉय' स्टील के निर्यात के कारण मूल्यवर्धित कर में छूट प्राप्त करने के लिए एलॉय स्टील के रूप में इन उत्पादों की घोषणा करते हैं क्योंकि मूल्यवर्धित कर में छूट नॉनएलॉय स्टील के निर्यात पर उपलब्ध नहीं है। इस कारण से हितबद्ध पक्षकारों के उपर्युक्त तर्कों में कोई दम नहीं है।
- झ. आई एस 3748 द्वारा यथा परिभाषित टूल और डाय स्टील को बाहर करने के दावे के संबंध में, घरेलू उद्योग का अनुरोध नीचे दिये गये अनुसार है :
- टूल और डाय स्टील की परिभाषा जैसा आई एस 3748 में दिया गया है बहुत व्यापक है जो ओवर लेपिंग रासायनिक संरचना वाले अनेक ग्रेडों को शामिल करता है। घरेलू उद्योग ने विश्वास करते हुए टूल और डाय स्टील जिसके आयातों से घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं होती है, की उन रासायनिक संरचनाओं को बाहर किया है।
 - इसके अलावा, स्टील गुणवत्ता नियम आदेश में भी टूल और डाय स्टील को आई एस 3748 का पालन करने की अपेक्षा नहीं है। इस कारण से प्रयोक्ता उद्योग बैचमार्क मानक के रूप में आई एस 3748 पर विचार नहीं करता है और कोई भी भारतीय उत्पादक तथा निर्यातकों ने आई एस 3748 के अंतर्गत लाईसेंस नहीं लिया है। टूल और डाय स्टील की वाणिज्यिक विनिर्देशन हैं जिनका उल्लेख आई एस 3748 में भी नहीं किया गया है, क्योंकि इस मानक को अद्यतित नहीं किया गया है। इसके अलावा, टूल और डाय स्टील का उत्पादन और आपूर्ति रासायनिक संरचना के आधार पर किया जाता है।
 - घरेलू उद्योग नियमित रूप से आपूर्ति करता है और जांच की अवधि के दौरान टूल और डाय स्टील की उन सभी रासायनिक संरचनाओं की आपूर्ति की थी जिसे प्रत्यक्ष तौर पर याचिका में बाहर नहीं किया गया है।
- ञ. एलॉय स्टील छड़ों जिन्हें आगे हॉट ड्रोन, कोल्ड ड्रॉन, कोल्ड एक्सट्रूडेड, पील्ड बार, सरफेस मशीन, पालिस्ट, ब्राइट बार्स की तरह प्रसारित किया जाता है क्योंकि उनका आयात चीन जन. गण. से नहीं किया जाता है, को बाहर किये जाने के लिए दावे के संबंध में, घरेलू उद्योग का यह अनुरोध है कि लेन देन वार आयात संबंधी आंकड़ों से यह स्पष्ट है कि इन उत्पादों का आयात चीन जन. गण. से किया जाता है। हितबद्ध पक्षकारों के उपर्युक्त तर्क में कोई दम नहीं है।
- ट. पी सी एन के दावों के संबंध में, यह नोट किया जाता है कि उक्त दावे केवल आयातकों द्वारा किये गये थे और वह भी उन आयातकों द्वारा जो आयातक की प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत नहीं कर पाये थे। इस प्रकार के दावों की वैधानिकता पर प्रश्न उठाया जा सकता है।
- ठ. 210 मि. मी. से अधिक त्रिज्या वाले हॉट रॉलड राउण्ड छड़ों को बाहर किये जाने के लिए दावे के संबंध में, घरेलू उद्योग यह स्वीकार करता है कि याचिकाकर्ताओं ने जांच की अवधि के दौरान 210 मि. मी. से अधिक त्रिज्या वाले हॉट रॉलड राउण्ड छड़ों का उत्पादन नहीं किया है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

- वर्तमान जांच में अधिसूचना संख्या फाइल संख्या 6/10/2017 – डी जी ए डी के माध्यम से अधिसूचित दिनांक 22 सितंबर, 2017 के जांच शुरुआत सूचना में परिभाषित विचाराधीन उत्पाद (पी यू सी) सी जी लंबाई में एलॉय बार्स एंड रॉड्स चाहे वह हॉट रॉलड, हॉट ड्रान, कोल्ड ड्रान, कोल्ड एक्सट्रूडेड, पील्ड बार, सरफेस मशीन, पॉलिस्ट ब्राइट बार, फॉज्ड हैं। इस उत्पाद की आपूर्ति विभिन्न क्रॉस सेक्शनों, आकारों, डायमेनसन चाहे वह अनिलड, सामान्यीकृत, टेम्पर्ड, हिट ट्रीटेड हो अथवा नहीं, में किया जा सकता है।
- इस उत्पाद का फार्जिंग, ऑटोमोबाइल, ऑटो कम्पोनेट, क्रेक साफ्ट, स्प्रिंग, गियर, फास्टनर, ट्रांसमिशन साफ्ट, सीमेंट प्लांट, पावर प्लांट, टरबाइन, शिप निर्माण, रेलवे, पूंजीगत सामान, मशीनरी, उपकरण, सामान्य इंजीनियरिंग, निर्माण मशीनरी और कई अधिक अंत उपयोग प्रयोगों सहित लेकिन वहीं तक सीमित नहीं विभिन्न क्षेत्रों और खंडों में अंतिम उपयोग मिल सकता है।
- विचाराधीन उत्पाद को सीमा प्रशुल्क अधिनियम 1975 की प्रशुल्क मद 7228 के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है। हालांकि, विचाराधीन उत्पाद के आयातों को प्रशुल्क शीर्षक 7214 और 7215 के अंतर्गत भी देखा गया है। सीमा शुल्क वर्गीकरण सांकेतिक मात्र है और यह किसी भी प्रकार से वर्तमान जांच के कार्यक्षेत्र पर बाध्यकारी नहीं है।

11. निम्नलिखित उत्पादों को जांच प्रारंभन के समय इस जांच के कार्यक्षेत्र से बाहर कर दिया गया था :

- i. अनियमित रूप से वोल्ड क्वाइल में बार और रॉड ;
- ii. हाई स्पीड स्टील अर्थात् अन्य संघटकों सहित अथवा उनके बिना वाले अलॉय स्टील, कम से कम तीन संघटकों में से दो अर्थात् मोलीब्डेनम (एमओ), टंगस्टन (डब्ल्यू) और वेनाडियम (वी) जिनकी संयुक्त मात्रा भार से 7 प्रतिशत या अधिक, कार्बन 0.6 प्रतिशत अधिक तथा क्रोमियम 3 से 6 प्रतिशत हो;
- iii. टूल एवं ड्राई स्टील : इस श्रेणी में निम्नलिखित तीन संयोजनों के कोई भी स्टील शामिल हैं :

i)	कार्बन $\geq 0.50\%$ क्रोमियम $\geq 1.0\%$ निम्नलिखित में से किसी भी तत्व के संयोजन में :
	(a) निकिल $\geq 1.0\%$
	(b) मोलीब्डेनम $\geq 0.2\%$
	(c) वानाडियम $\geq 0.2\%$
ii)	कार्बन $\geq 0.30\%$ टंगस्टन $\geq 0.40\%$ के संयोजन में
iii)	कार्बन $\geq 0.30\%$ मैंगनीज $\geq 1.0\%$ और क्रोमियम $\geq 1.0\%$ निम्नलिखित में से किसी भी तत्व के संयोजन में
	(a) निकिल $\geq 1.0\%$
	(b) मोलीब्डेनम $\geq 0.2\%$
	(c) वानाडियम $\geq 0.2\%$

- iv. खोखली ड्रिल बार और रॉड ;
 - v. क्रोम इलेक्ट्रोप्लेटेड बार एवं रॉड ;
 - vi. कंक्रीट पुनर्वर्तन के लिए प्रयुक्त रिब/ग्रूव/इन्डेंटेशन वाले पुनर्वर्तन बार;
 - vii. स्टेनलैस स्टील बार;
12. उपर्युक्त वर्हिगमनों के अलावा, घरेलू उद्योग ने यह भी स्वीकार किया है कि याचिकाकर्ता 210 मि. मी. से अधिक त्रिज्या वाले हॉट राल्ड राउण्ड छड़ों का उत्पादन नहीं करते हैं। तदनुसार, निर्दिष्ट प्राधिकारी ने विचाराधीन उत्पाद के कार्यक्षेत्र से इसे बाहर करने के लिए इसे उपयुक्त माना है।
13. बर्हिगमन के लिए कई अन्य दावे भी हितबद्ध पक्षकार द्वारा प्रस्तुत किये गये हैं जिसका खंडन पर्याप्त साक्ष्य के साथ घरेलू उद्योग द्वारा किया गया है।
14. विशिष्ट रूप से प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि याचिकाकर्ताओं द्वारा आपूर्ति करने में असमर्थता के आधारों पर एस ए ई 52100 और एस ए ई 8720 ग्रेडों को बाहर करने के दावे को कायम नहीं रखा जा सकता है। इस संबंध में घरेलू उद्योग ने जांच की अवधि के दौरान उक्त वस्तुओं के साक्ष्य लाये हैं। इसके अलावा, चीन जन. गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यात किये गये 'एलॉय अथवा गैर एलॉय स्टील का वॉयर राड' में इस प्राधिकारी के जांच परिणाम में यह देखा गया था कि घरेलू उद्योग एस ए ई 52100 और एस ए ई 8720 के समतुल्य ग्रेडों का निर्माण कर रहा है। तदनुसार प्राधिकारी एस ए ई 52100 और एस ए ई 8720 ग्रेडों को हटाने का अनुरोध रद्द करते हैं।
15. प्राधिकारी सीधी लंबाई में फॉज्ड एलॉय स्टील बार्स और राड्स को बाहर किये जाने के संबंध में दावे को भी नोट करते हैं। हालांकि, घरेलू उत्पादकों द्वारा उक्त उत्पादों के उत्पादन और बिक्री के संबंध में दिये गये साक्ष्य को देखते हुए विचाराधीन उत्पाद से उसे हटाने के अनुरोध को रद्द किया जाता है।
16. माइक्रो एलॉयिंग तत्वों वाले कार्बन स्टील के ग्रेडों को बाहर किये जाने के संबंध में चूंकि वह 'एलॉय स्टील' नहीं हैं, प्राधिकारी नोट करते हैं कि ऐसे उत्पादों की पहचान भारतीय प्रशुल्क में 'एलॉयज' के रूप में की गई है और इस कारण से उसे बाहर करना संभव नहीं है। यह नोट किया जाता है कि सीमा शुल्क अनुसूची का अध्याय 72 का नोट 1 (एफ) प्रत्यक्ष रूप से यह उल्लेख करता

है कि माइक्रो एलॉयिंग तत्वों वाले कार्बन स्टील को एलॉय स्टील के रूप में माना जायेगा और यह एच एस एन 7228 के अंतर्गत आयेगा जो 'एलॉय स्टील' से संबंधित है। प्राधिकारी इस संबंध में प्रत्यक्ष और निर्धारित वर्गीकरण से अलग हटने का कोई कारण नहीं पाते हैं। तदनुसार, माइक्रोएलाइंग संघटकों से युक्त कुछ कार्बन ग्रेड स्टील को हटाने का अनुरोध रद्द किया जाता है।

17. प्राधिकारी ने आई एस 3748 द्वारा दी गई परिभाषा के अनुसार बी आई एस मानकों के संबंध में टूल और डाय स्टील को बाहर करने के लिए दावे पर भी विचार किया है। हालांकि, यह नोट किया जाता है कि याचिकाकर्ताओं ने विचाराधीन उत्पाद के कार्यक्षेत्र से उन टूल और डाय स्टील के ग्रेडों को पहले ही अलग कर दिया था जिनका उत्पादन उनके द्वारा नहीं किया जा रहा है। हालांकि, हितबद्ध पक्षकार इस प्रकार के दावे का समर्थन करने के लिए किसी साक्ष्य को उपलब्ध कराये बिना सभी टूल और डाय स्टील को पूर्ण रूप से बाहर करने की मांग कर रहे हैं। तदनुसार प्राधिकारी यह नोट करते हैं टूल और डाय स्टील जिनका निर्माण घरेलू उद्योग द्वारा नहीं किया जा रहा है, को पहले ही विचाराधीन उत्पाद से बाहर कर दिया गया है। विभिन्न रासायनिक सम्मिश्रणों के टूल और डाय स्टील की आपूर्ति के संबंध में साक्ष्य जांच की अवधि के दौरान याचिकाकर्ताओं द्वारा दिए गए थे और प्राधिकारी द्वारा उनका सत्यपन किया गया था। इसके मद्देनजर, प्राधिकारी टूल और डाय स्टील के संबंध में उसे हटाने के अनुरोध को पूर्णतः रद्द करते हैं। तथापि, प्राधिकारी द्वारा जारी जांच की शुरुआत की सूचना में उल्लिखित रासायनिक सम्मिश्रणों के टूल और डाय स्टील विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र से हटाए गए रहते हैं।
18. एलॉय स्टील छड़ों जिसे और आगे हॉट ड्रान, कोल्ड ड्रान, कॉल्ड एक्सट्रूडेड, पील्ड बार्स, सरफेस फिनिस्ड, पॉलिस्ड और ब्राइट छड़ों जैसे की तरह प्रसाधित किया जाता है, को बाहर किये जाने के लिए दावे पेश किये गये थे और उन्हें इस आधार पर पेश किया गया था कि उनका आयात चीन जन. गण. से नहीं किया जाता है। हालांकि, अधिकारी के पास उपलब्ध आयात संबंधी लेन देन को देखते हुए वह सही नहीं है। लेन देन वार आयात आंकड़ों का भौतिक सत्यापन यह दर्शाता है कि इस प्रकार के सामानों का आयात चीन से जन. गण. से किया जा रहा है। इस कारण से प्राधिकारी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा पेश किये गये दावे को अस्वीकार करते हैं।
19. तदनुसार प्राधिकारी यह मानते हैं कि वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद (पी यू सी) 'सीधी लंबाई में एलॉय बार्स और राइस चाहे वह हॉट राइस, हॉट ड्रान, कोल्ड ड्रान, कोल्ड एक्सट्रूडेड, पील्ड बार्स, सरफेस मशीन्ड, पॉलिस्ड, ब्राइट बार्स, फॉज्ड हो अथवा नहीं' है। तथापि, इस जांच के क्षेत्र से निम्नलिखित उत्पादों को हटाया जाता है।

i. अनियमित रूप से वोउन्ड क्वाइल में बार और रॉड ;

ii. हाई स्पीड स्टील अर्थात् अन्य संघटकों सहित अथवा उनके बिना वाले अलॉय स्टील , कम से कम तीन संघटकों में से दो अर्थात् मोलीब्डेनम (एमओ), टंगस्टन (डब्ल्यू) और वेनाडियम (वी) जिनकी संयुक्त मात्रा भार से 7 प्रतिशत या अधिक, कार्बन 0.6 प्रतिशत अधिक तथा क्रोमियम 3 से 6 प्रतिशत हो;

iii. टूल एवं डाय स्टील : इस श्रेणी में निम्नलिखित तीन संयोजनों के कोई भी स्टील शामिल हैं :

(i) (कार्बन $\geq 0.50\%$ क्रोमियम $\geq 1.0\%$ निम्नलिखित में से किसी भी तत्व के संयोजन में: (a) निकिल $\geq 1.0\%$ (b) मोलीब्डेनम $\geq 0.2\%$ (c) वानाडियम $\geq 0.2\%$
(i) कार्बन $\geq 0.30\%$ टंगस्टन $\geq 0.40\%$ के संयोजन में
(ii) कार्बन $\geq 0.30\%$ मैंगनीज $\geq 1.0\%$ और क्रोमियम $\geq 1.0\%$ निम्नलिखित में से किसी भी तत्व के संयोजन में: (a) निकिल $\geq 1.0\%$ (b) मोलीब्डेनम $\geq 0.2\%$ (c) वानाडियम $\geq 0.2\%$

iv. खोखली ड्रिल बार और रॉड ;

- v. क्रोमे इलेक्ट्रोप्लेटेड बार एवं रॉड ;
- vi. कंक्रीट पुनर्वलन के लिए प्रयुक्त रिब/ग्रूव/इन्डेंटेशन वाले पुनर्वलन बार;
- vii. स्टेनलैस स्टील बार;
- viii. 210 एमएम डायामीटर से अधिक वाले हॉट रोलड राउंड बार।

ड. घरेलू उद्योग और उसका स्थान

अन्य हितवद्ध पक्षकारों द्वारा किया गया अनुरोध

20. अन्य हितवद्ध पक्षकारों द्वारा किया गया अनुरोध नीचे दिये गये अनुसार है :

- क. एक हितवद्ध पक्षकारों द्वारा यह दावा किया गया था कि याचिकाकर्ता संबद्ध वस्तुओं के कुछ उत्पादकों का नाम बताने में असफल रहे हैं और इस कारण कुल भारतीय उत्पादन और उसके हिस्से का आकलन सही रूप में नहीं किया गया था। आगे यह दावा किया गया था कि भारत में विचाराधीन उत्पाद की विक्री कर रहे अनेक कंपनियों का नाम सूची से गायब है।

घरेलू उद्योग द्वारा किया गया अनुरोध

21. घरेलू उद्योग द्वारा किया गया अनुरोध नीचे दिये गये अनुसार है :

- क. वर्तमान याचिका मै. जे एस डब्ल्यू स्टील लिमि., मै. जॉयसवाल निको इंडस्ट्रीज लिमि., मै. सनफ्लैग आयरन एंड स्टील कं. लिमि., मै. उषा मार्टिन लिमि., मै. गरडाउ स्टील इण्डिया प्रा. लिमि. और वर्धमान स्पेशल स्टील लिमि. द्वारा दायर की गई थी।
- ख. याचिकाकर्ता संबद्ध वस्तुओं के किसी निर्यातक अथवा आयातक से संबंधित नहीं है और नही याचिकाकर्ताओं ने संबद्ध वस्तुओं का आयात किया है।
- ग. याचिका का समर्थन तीन अन्य उत्पादकों अर्थात् कल्याणी कारपेंटर, स्पेशल स्टील प्रा. लिमि., कल्याणी स्टील लिमि. और आर एल स्टील और एनर्जी लिमि. द्वारा भी किया गया है।
- घ. विचाराधीन उत्पाद के कुल भारतीय उत्पादन में याचिकाकर्ता का हिस्सा जांच की अवधि के दौरान 64 प्रतिशत है। इसके अलावा, समर्थकों के साथ साथ याचिकाकर्ताओं का हिस्सा संबद्ध वस्तुओं के कुल भारतीय उत्पादन का 87 प्रतिशत है।
- ड. तदनुसार, याचिकाकर्ता स्पष्ट रूप से इस स्थान की आवश्यकता को पूरा करता है और इस प्रकार से पाटनरोधी नियमावली के नियम 5(3) के साथ पठित नियम 2(ख) के संबंध में संबंधित उत्पाद के लिए भारत में 'घरेलू उद्योग' होता है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

22. पाटन रोधी नियमावली का नियम 2(ख) में घरेलू उद्योग को निम्नानुसार परिभाषित किया गया है:—

“(ख) ‘‘घरेलू उद्योग’’ का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा ऐसे उत्पादकों से हैं जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा भाग बनता है सिवाए उस स्थिति के जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटन वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित होते हैं अथवा वे स्वयं उसके आयातक होते हैं, तो ऐसे मामले में ‘‘घरेलू उद्योग’’ पद का अर्थ शेष उत्पादकों के संदर्भ में लगाया जा सकता है।

- 23. संबद्ध आवेदन मै. जे एस डब्ल्यू स्टील लिमि., मै. जॉयसवाल निको इंडस्ट्रीज लिमि., मै. सनफ्लैग आयरन एंड स्टील कं. लिमि., मै. उषा मार्टिन लिमि., मै. गरडाउ स्टील इण्डिया प्रा. लिमि. और वर्धमान स्पेशल स्टील लिमि. द्वारा दायर किया गया है। उक्त आवेदन का समर्थन तीन उत्पादकों कल्याणी कारपेंटर, स्पेशल स्टील प्रा. लिमि., कल्याणी स्टील लिमि. और आर एल स्टील और एनर्जी लिमि. द्वारा भी किया गया है।
- 24. हितवद्ध पक्षकारों में से एक पक्षकार ने भारत में कुल उत्पादन और भारत के कुल उत्पादन के प्रतिशत के रूप में घरेलू उद्योग के हिस्से से संबंधित मुद्दे को उठाया है। यह दावा किया गया था कि कुछ निर्माताओं को भारत में कुल उत्पादन का निर्धारण करते समय विचार नहीं किया गया था और इस कारण से घरेलू उद्योग के हिस्से को बढ़ा चढ़ाकर पेश किया गया है। हालांकि, ‘भारत में कुल उत्पादन’ से संबंधित आंकड़ों पर विचार संयुक्त योजना समिति जो इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अधिकारिक रूप में अधिकार प्राप्त संस्था है, के आंकड़ों के आधार पर भारतीय लौह एवं इस्पात उद्योग के संबंध में आंकड़े संकलित करने के लिए किया गया था। संयुक्त योजना समिति द्वारा रखे गये आंकड़ों में भारत में सभी इकाईयों की अलग अलग निर्माण क्षमता

शामिल नहीं है बल्कि यह अलग अलग समय अवधि के लिए भारत में समग्र उत्पादन और खपत को बनाये रखता है। इस कारण से प्राधिकारी ने यह नोट किया कि कुल उत्पादन से संबंधित आंकड़े सही थे और इसमें हितबद्ध पक्षकार द्वारा नाम लिये गये सभी निर्माताओं से संबंधित आंकड़े शामिल थे।

25. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि याचिकाकर्ताओं का भारतीय उत्पादन का 64 प्रतिशत है और समर्थकों के साथ भारतीय उत्पादन का 87 प्रतिशत होता है। इस कारण से वर्तमान जांच के उद्देश्य से प्राधिकारी यह मानते हैं कि याचिकाकर्ता मै. जे. एस. डब्ल्यू. स्टील लिमि., मै. जॉयसवाल निको इंडस्ट्रीज लिमि., मै. सनफ्लैग आयरन एंड स्टील कं. लिमि., मै. उपा. मार्टिन लिमि., मै. गरडाउ स्टील इण्डिया प्रा. लिमि. और वर्धमान स्पेशल स्टील लिमि. नियम 5(3) के संबंध में स्थान की आवश्यकता को पूरा करता है और इस कारण से इसे पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) के संबंध में घरेलू उद्योग होने के लिए विचार किया गया है।

ड गोपनीयता

अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किया गया अनुरोध

26. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किया गया अनुरोध नीचे दिये गये अनुसार है :

- क. घरेलू उद्योग ने इस याचिका के खंड VI (लागत संबंधी सूचना) में दी गई विभिन्न सूचना को गोपनीय रखकर याचिका में अत्यधिक गोपनीयता बनाये रखी है।
- ख. कच्चे माल का कोई विवरण, विभिन्न उत्पादों में कच्चे माल की लागत के वितरण का आधार और कच्चे माल की अंतरण कीमत याचिकाकर्ता द्वारा नहीं दी गई है।
- ग. घरेलू उद्योग में अपने प्रदर्शनों, लागत संबंधी आंकड़ों, कार्यशील पूंजी, सावधि ऋण पर ब्याज, ह्रास, डब्ल्यू आई टी का ब्यौरा और विविध आय के ब्यौरे के संबंध में अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया है।
- घ. याचिका का अगोपनीय पाठ उसमें निहित आरोपों की एक उचित समझ की अनुमति नहीं देता है। हितबद्ध पक्षकारों के बचाव के अधिकारों का उपयोग पूर्ण रूप से नहीं किया जा सका क्योंकि इस याचिका में दिये गये आंकड़ों का बहुत बड़ा हिस्सा अगोपनीय पाठ में उचित रूप से सूचीबद्ध नहीं है।

घरेलू उद्योगों द्वारा किया गया अनुरोध

27. घरेलू उद्योग द्वारा किया गया अनुरोध नीचे दिये गये अनुसार है :

- क. बैंगंग स्टील प्लेट्स कं. लिमि. (बैंगंग प्लेट्स) (उत्पादक और निर्यातक) जो चीन जन. गण. में एक सार्वजनिक सूचीबद्ध कंपनी है, ने शेयर होल्डरों, संबंधित पक्षकारों, भारत में निर्यात के लिए वितरण के माध्यमों और घरेलू बिक्री, उपयोग किये गये कच्चे माल के नाम के संबंध में अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया है। इसके अलावा, बैंगंग प्लेट्स उन पक्षकारों के नाम का उल्लेख नहीं कर पाया है कि इसका उस एजेंसी से करार है। संबंधित पक्षकारों की भागीदारी के अभाव में, प्राधिकारी को बैंगंग को असहयोगी के रूप में अवश्य बर्ताव करना चाहिए। इसके अलावा, बैंगंग प्लेट्स की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तावली के उत्तर के अगोपनीय पाठ के साथ संलग्न नहीं किया गया है यद्यपि यह चीन जन. गण. में सार्वजनिक सूचीबद्ध कंपनी है।
- ख. बेनक्सी आयरन एंड स्टील हाँग काँग लिमि. (बेनक्सी एच के), बरविल रिसोर्सिस लिमि. ("बरविल"), हाँगझाउ कोजनरेशन (हाँग काँग) कंपनी लिमि. ("हाँगझाउ कोजनरेशन"), जियांगगिंग झिगचेंग स्पेशल स्टील वर्क्स कं. लिमि. ("झिगचेंग स्पेशल स्टील वर्क्स कं. लिमि.") और डाये स्पेशल स्टील कं. लिमि. ("डाये") ने भारत में निर्यात के लिए वितरण के माध्यम के संबंध में सूचना के बारे में अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया है। यह स्पष्ट नहीं है कि क्या भारत निर्यात के लिए वितरण के मामले में शामिल सभी पक्षकारों ने वर्तमान जांच में भाग लिया है। इस श्रृंखला में शामिल किसी पक्षकार के भाग न लेने की स्थिति में, इन कंपनियों को असहयोगी माना जाना चाहिए। यह भी नोट किया जाता है कि परिशिष्ट 3क, अगोपनीय पाठ में बेनक्सी हाँग काँग ने बिक्री कीमत और कारखानागत कीमत के समान होने का दावा किया है। इसकी जांच की जानी चाहिए।
- ग. झिगचेंग स्पेशल स्टील एंड जियांगसू सी पी झिगचेंग स्पेशल स्टील कंपनी लिमि. ("सी पी स्पेशल स्टील") ने गोपनीय के रूप में संबंधित पक्षकारों की सूची का दावा भी किया है यद्यपि उक्त सूचना कंपनी की वेबसाइट पर आसानी से उपलब्ध है। इन पक्षकारों ने परिशिष्ट 5 से 9 को भी पूर्णरूप से गोपनीय होने के रूप में दावा किया है और कोई अगोपनीय पाठ उसके लिए उपलब्ध नहीं कराया गया है।

- घ. इसके अलावा, कई अन्य प्रमुख कंपनियों के नाम होलिंग कंपनी सी आई टी आई सी ग्रुप, नामतः जियांग्दन झिंगचेंग स्पेशल कंपनी लिमि. हुबेई झिये स्टील कं. लिमि., डाये स्पेशल स्टील कं. लिमि., और किंगडाउ स्पेशल स्टील कं. लिमि., टांगलिंग टायफू स्पेशल मेटेरियल कं. लिमि., और यांगहाउ टायफू स्पेशल मेटेरियल कं. लिमि. की वेबसाइट पर सूचीबद्ध है। निर्दिष्ट प्राधिकारी से यह अनुरोध किया जाता है कि वे इस बात की जांच करें कि इनमें से कितने ग्रुप कंपनियां भारत में संबद्ध वस्तुओं का निर्माण, घरेलू बिक्री और निर्यात करने में शामिल हैं।
- ड. झिंगचेंग स्पेशल स्टील को नमूने परिणाम में व्यापारी के रूप में वर्गीकृत किया गया है। हालांकि, कंपनी की प्रश्नावली का उत्तर यह दर्शाता है कि यह निर्माण में भी शामिल है। प्राधिकारी से यह अनुरोध किया जाता है कि वे इस बात को स्पष्ट करें कि क्या यह पक्षकार संबद्ध वस्तुओं का एक उत्पादक भी है और क्या यह उसकी बिक्री घरेलू तौर पर और भारत सहित विदेशी बाजारों में भी करता है।
- च. घरेलू उद्योग ने यह सुनिश्चित करने के लिए सत्यापन के दौरान इन उत्पादकों/ निर्यातकों द्वारा पी सी एन की सूचना की छानबीन करने के लिए अनुरोध किया गया है कि निर्यातकों द्वारा पाटन अथवा क्षति मार्जिन को कम करने के लिए कोई गलत घोषणा नहीं की गई है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

28. सूचना की गोपनीयता के संबंध में पाटन-रोधी नियमावली के नियम-7 में निम्नानुसार व्यवस्था है:—

(1) नियम 6 के उपनियमों (2), (3) और (7), नियम 12 के उपनियम (2), नियम 15 के उपनियम (4) और नियम 17 के उपनियम (4) में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी जांच की प्रक्रिया में नियम 5 के उपनियम (1) के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों के प्रतियां या किसी पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर निर्दिष्ट प्राधिकारी को प्रस्तुत किसी अन्य सूचना के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी उसकी गोपनीयता से संतुष्ट होने पर उस सूचना को गोपनीय मानेंगे और ऐसी सूचना देने वाले पक्षकार से स्पष्ट प्राधिकार के बिना किसी अन्य पक्षकार को ऐसी किसी सूचना का प्रकटन नहीं करेंगे।

(2) निर्दिष्ट प्राधिकारी गोपनीय अधिकारी पर सूचना प्रस्तुत करने वाले पक्षकारों से उसका अगोपनीय सारांश प्रस्तुत करने के लिए कह सकते हैं और यदि ऐसी सूचना प्रस्तुत करने वाले किसी पक्षकार की राय में उस सूचना का सारांश नहीं हो सकता है तो वह पक्षकार निर्दिष्ट प्राधिकारी को इस बात के कारण संबंधी विवरण प्रस्तुत करेगा कि सारांश करना संभव क्यों नहीं है।

(3) उप नियम (2) में किसी बात के होते हुए भी यदि निर्दिष्ट प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट है कि गोपनीयता का अनुरोध अनावश्यक है या सूचना देने वाला या तो सूचना को सार्वजनिक नहीं करना चाहता है या उसकी सामान्य रूप में या सारांश रूप में प्रकटन नहीं करना चाहता है तो वह ऐसी सूचना पर ध्यान नहीं दे सकते हैं।

29. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर उपलब्ध कराई गई सूचना की जांच गोपनीयता के दावे के पर्याप्त होने के संबंध में की गई थी। संतुष्ट होने पर प्राधिकारी ने जहां भी आवश्यक हुआ गोपनीयता के दावे को स्वीकार किया है और इस प्रकार की सूचना पर गोपनीय के रूप में विचार किया गया है और इसे अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकट नहीं किया गया है। जहां भी संभव हुआ, गोपनीय आधार सूचना उपलब्ध कराने वाले पक्षकारों को निर्देश दिया गया था कि गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना का पर्याप्त अगोपनीय पाठ उपलब्ध करायें। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि कोई सूचना जो सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध है को गोपनीय के रूप में नहीं माना जा सकता है। प्राधिकारी ने सार्वजनिक फाइल के रूप में विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किये गये साक्ष्यों का अगोपनीय पाठ उपलब्ध कराया।

च. विविध मुद्दे

अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किया गया अनुरोध

30. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किया गया अनुरोध नीचे दिये अनुसार है :

- क. कुछ याचिकाकर्ता संरक्षणवादी उपाय के रूप में आदतन पाटनरोधी शुल्क का उपयोग कर रहे हैं। पाटनरोधी शुल्क उक्त उत्पादकों द्वारा कथित रूप से उत्पादित अनेक वस्तुओं पर पहले से ही लागू है। इस प्रकार से या तो ऐसा मामला है कि याचिकाकर्ताओं को शुल्क लगाये जाने के बावजूद उनके द्वारा उत्पादित वस्तुओं पर क्षति हो रही है और यह कि उसके द्वारा अनेक उत्पादों पर मौजूदा पाटनरोधी शुल्क के कारण कोई क्षति नहीं उठानी पड़ी है। इस कारण से प्राधिकारी को क्षति और कारणात्मक संबंध का आकलन करने के लिए गैर संबद्ध आयातों के कारण क्षति को अवश्य ही

अलग करना चाहिए। विकल्प के तौर पर जहां गैर संबद्ध आयातों के संबंध में कोई क्षति नहीं हुई है, प्राधिकारी को उन शुल्कों को रद्द करना चाहिए जो लागू हैं।

- ख. याचिकाकर्ताओं ने अपूर्ण आयात आंकड़े उपलब्ध कराये हैं और लेन देन वार आंकड़ों के न होने को देखते हुए, हितबद्ध पक्षकार के द्वारा की गई चतुराई को पकड़ पाने में सक्षम नहीं हैं।
- ग. चूंकि आयातक ने यह अनुरोध किया है कि पी सी एन को कुछ मुद्दों विशेषकर भारत में आ रहे उत्पादों के उपयुक्त आंकड़ों को पकड़ पाने के मुद्दे का समाधान करने के लिए अवश्य संशोधित किया जाना चाहिए। पक्षकार ने टाइप के आधार पर (फाज्ड हॉट रोल और आगे प्रसारित), आकार के आधार पर (140 मि. मी. से कम 140 मि. मी. से अधिक 210 मि. मी. से कम और 210 मि. मी. से अधिक), क्रोमियम और टाइटेनियम के स्तर के आधार पर (क्रोमियम का स्तर 0.30 प्रतिशत से 0.40 प्रतिशत और टाइटेनियम का स्तर 0.05 प्रतिशत से 0.09 प्रतिशत तक प्रतिबंधित) मानदंड को शामिल करने का अनुरोध किया। यह अनुरोध किया गया था कि यदि पी सी एन को इस आधार पर विकसित किया जाये तब यह 'एलॉय स्टील' के रूप में परिभाषित सभी कार्बन स्टील ग्रेडों के लिए आयात के साथ भारतीय उत्पादन के लिए आंकड़ों की तुलना हो पायेगी।
- घ. चूंकि, भारतीय उत्पादकों की कीमतों में जांच की अवधि के बाद वृद्धि हुई है अतः प्राधिकारी को पाटनरोधी शुल्कों की आवश्यकता का फिर से मूल्यांकन करना चाहिए। पिछले 14 महीने में भारतीय मिलों द्वारा कार्बन और एलॉय स्टील ग्रेडों में महत्वपूर्ण कीमत वृद्धि हुई है। यद्यपि अत्यधिक कीमत वृद्धि हुई है, फिर भी भारतीय मिलों के उत्पादन और क्षमता उपयोग में बहुत अधिक सुधार हुआ जिसके फलस्वरूप उनके ई बी आई टी ए में व्यापक सुधार हुआ। डी जी ए डी आसानी से जे पी सी से इन आंकड़ों को प्राप्त कर सकते हैं और इस कारण से इसका फिर से मूल्यांकन करने की स्पष्ट आवश्यकता है कि क्या भारतीय मिलों को कोई क्षति हुई है और इस कारण से क्या वर्तमान परिदृश्य में किसी पाटनरोधी कार्यवाही की कोई आवश्यकता है।
- ङ. पाटनरोधी शुल्क लगाना सार्वजनिक हित में नहीं होगा। ऐसा इसलिए है कि क्योंकि भारतीय घरेलू उद्योग के पास पहले से ही सीमा शुल्क के रूप में 10 प्रतिशत का संरक्षण मिला हुआ है और ए डी डी लगाना आवश्यक नहीं होगा। इस प्रकार का ए डी डी चीन जन. गण. से होने वाले आयातों को केवल रोकेगा जो वर्तमान जांच में एकमात्र संबद्ध देश है।
- च. अन-उपयुक्त संरक्षणवादी उपायों से घरेलू उद्योग को संरक्षण नहीं मिल सकता है और यह दीर्घ अवधि तथा मौलिक हित को नुकसान भी पहुंचा सकता है। यह घरेलू उद्योग को उत्पादन प्रौद्योगिकी और कार्य क्षमता में सुधार लाने के लिए अनिच्छुक बना सकता है। इसके अलावा, बढ़ती हुई कीमतों के कारण डाउन स्ट्रीम उद्योग संकुचित हो जायेगा और मांग में समग्र गिरावट आयेगी। अन-उपयुक्त संरक्षण से वास्तव में एक अनुचित प्रतियोगी वातावरण बनेगा और इससे एलॉय स्टील उद्योग के भारतीय सीधी लंबाई के छड़ों और राइस तथा डाउन स्ट्रीम प्रयोक्ताओं के बीच संबंध और अधिक खराब हो जायेंगे।
- छ. यदि प्राधिकारी क्षति को पाते हैं तब पाटनरोधी शुल्क संदर्भ कीमत आधार पर लगाया जाना चाहिए। यदि शुल्क संदर्भ कीमत आधार पर लगाया जाता है तब यह सुनिश्चित होगा कि भारतीय मिलों को धारा 232 जैसे किन्हीं कारणों से भविष्य में चीन की मिलों द्वारा कोई पाटन का भय नहीं होगा। इसके साथ ही यदि कोई पाटन नहीं हुआ हो तब प्रयोक्ता उद्योग के पास चीन से अपने कच्चे माल को भेजने का एक विकल्प होगा तथा भारतीय निर्माताओं द्वारा अनुचित कीमत में वृद्धि प्रतिबंधित होगी।

घरेलू उद्योग द्वारा किया गया अनुरोध

31. घरेलू उद्योग द्वारा किया गया अनुरोध नीचे दिये अनुसार है :

- क. वर्तमान जांच में, अनेक आयातकों ने विभिन्न अनुरोध प्रस्तुत किये हैं। हालांकि, केवल नेशनल इंजीनियरिंग इंड. लिमि. ने आयातक की प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है। इस प्रकार से, अन्य आयातकों से प्राप्त टिप्पणियां अस्वीकार किये जाने के लायक हैं और इस प्रकार के पक्षकारों को असहयोगी के रूप में माना जाना चाहिए।
- ख. पी सी एन तथा उसके निर्माण से संबंधित विभिन्न दावों के संबंध में, घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया है कि न तो भाग लेने वाले निर्यातक और न ही घरेलू उद्योग जिनके आंकड़े जांच के अध्यक्षीन होंगे, ने निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा निर्धारित पी सी एन के साथ कोई मुद्दा उठाया है। आयातकों के आंकड़े पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन की जांच के लिए महत्वपूर्ण नहीं हैं। वास्तव में, अधिकांश कथित आयातकों ने कोई सूचना, आंकड़े अथवा प्रश्नावली का उत्तर भी प्रस्तुत नहीं किया है। इस कारण से, आयातकों द्वारा पी सी एन के संबंध में किये गये दावे को अस्वीकार किया जाना चाहिए।

- ग. घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया है कि उत्पादकों/ निर्यातकों द्वारा रिपोर्ट किये गये पी सी एन की निकटता से जांच सत्यापन की दौरान की जानी चाहिए क्योंकि पाटन/ क्षति मार्जिन को कम करने के उद्देश्य से निर्यातकों द्वारा पी सी एन की गलत घोषणा की संभावना थी। इसके साथ ही निर्यातकों के निर्यात आंकड़ों का सत्यापन डी जी सी आई एंड एस के लेन देन वार आयात आंकड़ों से किया जाना चाहिए जिससे कि उनके द्वारा किये गये प्रकटन की सत्यता की जांच की जा सके।
- घ. संदर्भ कीमत के आधार पर शुल्क लगाये जाने के संबंध में दावों के बारे में, घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया है कि संदर्भ कीमत आधारित शुल्क केवल उन मामलों में उपयुक्त हैं जहां संबद्ध वस्तुओं और इसके प्रमुख कच्चे माल की कीमतें स्थिर हैं जो इस वर्तमान जांच में मामला नहीं है। इसके अलावा चूंकि विचाराधीन उत्पाद में विभिन्न ग्रेडों के उत्पाद शामिल होते हैं अतः एकमात्र संदर्भ कीमत आधारित शुल्क इस उत्पाद के उच्च श्रेणी और निम्न श्रेणी में बहुत अधिक कीमत अंतर का समाधान करने में सक्षम नहीं होगा। तदनुसार, घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि शुल्क के निर्धारित रूप के उपयोग से इन उपायों की प्रभाविता सुनिश्चित होगी क्योंकि यह कीमत में हेर फेर अथवा इसके बचने के उपाय की संभावना को कम करेगा।

प्राधिकारी द्वारा जांच

32. प्राधिकारी ने सभी पक्षकारों द्वारा किए गए आवेदनों को उपयुक्त माने जाने पर जांच की है। यद्यपि केवल एक आयातक ने आई क्यू आर प्रस्तुत किया है, सभी पक्षकारों द्वारा किये गये अनुरोध को दर्ज कर लिया गया है और उस पर विचार उपयुक्त स्थानों पर इस वर्तमान जांच परिणाम में किया गया है।
33. पी सी एन के वर्गीकरण से संबंधित दावों के संबंध में, सभी हितबद्ध पक्षकारों से इनपुट्स प्राधिकारी द्वारा मंगायें गये थे। चूंकि किसी भी उत्पादक/ निर्यातक अथवा घरेलू उद्योग द्वारा कोई आपत्ति नहीं पाई गई थी अतः प्राधिकारी ने पी सी एन को यथाप्रस्तावित के रूप में मानने की कार्यवाही की। यह भी नोट किया जाता है कि चूंकि पी सी एन वर्गीकरण का उपयोग याचिकाकर्ताओं और विदेशी उत्पादकों/ निर्यातकों द्वारा उपलब्ध कराये गये आंकड़ों पर विचार करने के लिए किया गया था। अतः प्राधिकारी किसी आयातक से इनपुट के आधार पर पी सी एन में परिवर्तन करने के लिए इसे उपयुक्त नहीं माना। तब वास्तव में संबंधित पक्षकारों ने प्रस्तावित पी सी एन पद्धति पर कोई आपत्ति नहीं की थी।
34. पाटनरोधी शुल्क और उसके रूप की आवश्यकता के संबंध में पक्षकारों द्वारा किये गये दावे के संबंध में, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि इन दावों पर विचार किया गया है। पाटनरोधी शुल्क की आवश्यकता पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन, जिसका निर्धारण प्राधिकारी द्वारा किया गया है, के द्वारा दर्शाया जायेगा। शुल्क के उपयुक्त रूप (संदर्भ कीमत शुल्क अथवा शुल्क का निर्धारित रूप) के लिए अनुरोध के संबंध में, यह नोट किया जाता है कि शुल्क का रूप जिसे शुल्क के परिकल्पित उद्देश्य, यदि लगाया गया हो, को प्राप्त करने के लिए उपयुक्त पाया गया है, अपनाया जायेगा।
35. आयात आंकड़ों के प्रावधान के संबंध में, प्राधिकारी नोट करते हैं कि दिनांक 15 मार्च, 2018 के व्यापार सूचना संख्या 7/2018 में यह प्रावधान है कि एक लिखित अनुरोध के आधार पर प्राधिकारी डी जी सी आई एंड एस से लेन देन वार आयात आंकड़े प्राप्त करने के लिए बोनाफाइड आवेदक को अधिकृत करेंगे। अतः कोई भी हितबद्ध पक्षकार को प्राधिकार प्राप्त करने के बाद डी जी सी आई एंड एस के लेन देन वार आयात आंकड़ों की सॉफ्ट कॉपी प्राप्त कर सकता था, आवेदन को प्रस्तुत करते समय डी जी ए डी को आवेदक / याचिकाकर्ता उद्योग द्वारा प्रस्तुत आयात आंकड़ों (प्रसाधित/ रूपांतरित आंकड़े) की हार्ड कॉपी भी यथानिर्धारित घोषणा/ वचन दिये जाने के बाद हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्राप्त की जा सकती थी। इस कारण से हितबद्ध पक्षकारों के लिए विश्लेषण हेतु लेन देन वार आंकड़े प्राप्त करने के लिए प्राधिकारी से अधिकरण प्राप्त करना होगा। किसी भी हितबद्ध पक्षकार से ऐसे कोई अनुरोध प्राप्त नहीं हुए।
36. इस दावे के संबंध में कि घरेलू उद्योग की कीमतों में जांच की अवधि के बाद वृद्धि हुई है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि मूल जांच में, जांच अवधि के पश्चात के आंकड़े विचाराधीन नहीं हैं। प्राधिकारी ने अपने आकलन में जांच की अवधि के अनुसार प्रस्तुत किये गये आंकड़ों पर ध्यान केंद्रित किया है।

छ. बाजार अर्थव्यवस्था बर्ताव (एम ई टी), सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन

निर्यातकों, आयातकों, प्रयोक्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किया गया अनुरोध

37. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा एम ई टी, सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के संबंध में किये गये और प्राधिकारी द्वारा संगत माने गये विभिन्न अनुरोधों की जांच और उसका समाधान नीचे दिये गये अनुसार किया गया है :

- क. यह कि डब्ल्यू टी ओ में चीन के प्रवेश किये जाने से संबंधित प्रोटोकॉल के संबंधित प्रावधानों के अनुसार, उत्पादक/निर्यातक के लिए सामान्य मूल्य का आधार इसकी घरेलू बिक्री और संबद्ध वस्तुओं की लागत होना चाहिए क्योंकि एन एम ई बर्ताव के लिए 15 वर्षों की अवधि 11 दिसंबर, 2016 को समाप्त हो गई।
- ख. यह कि डब्ल्यू टी ओ के चीन अभिगम नयाचार के संगत प्रावधानों के अनुसार, एनएमई उपचार के लिए 15 वर्षों की अवधि के रूप में संबद्ध सामानों की घरेलू बिक्री और लागत के आधार पर उत्पादक/निर्यातक के लिए सामान्य मूल्य होना चाहिए। भारतीय जांचकर्ता प्राधिकारी से अनुरोध है कि वे इस मामले के लिए मूल्य के आधार पर नयाचार के प्रावधानों में निर्दिष्ट प्राधिकारी का प्रयोग न करें जिसमें इस पर ध्यान न दिया जाए कि वे चीन जन.गण. को बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश मान रहे हैं अथवा नहीं।
- ग. 'संधि का पालन करना' अंतर्राष्ट्रीय कानून के अंतर्गत एक मौलिक सिद्धांत और दायित्व है जिसका अभिप्राय यह है कि कोई भी पक्षकार राजनीतिक दृष्टिकोणों से अंतर्राष्ट्रीय संधियों के अंतर्गत अपने दायित्वों से नहीं बचेगा और भेद-भाव पूर्ण कार्यवाही के साथ चीन के उपक्रमों को मानने के लिए घरेलू कानूनों जो अनुचित, अन्यायोचित और अतार्किक हैं, का बहाना नहीं बनायेगा। इस प्रकार से भारत को चीन के पूर्ण बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे को मानने के लिए संगत करारों के अंतर्गत अपने दायित्वों को अवश्य पूरा करना चाहिए और चीन जन. गण. के विरुद्ध पाटनरोधी जांचों में 'प्रतिनिधि देश' दृष्टिकोण के उपयोग को कानूनी रूप से रोकने के लिए संगत घरेलू विनियमों में संशोधन करना चाहिए। चीन के प्रवेश प्रोटोकॉल की धारा 15 संगत प्रावधान है जो सभी सदस्य देशों को प्रतिनिधि देश दृष्टिकोण के उपयोग को रोकने के लिए निर्देश देता है।

घरेलू उद्योग द्वारा किया गया अनुरोध

38. जांच की अवधि के दौरान एम ई टी, सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा किये गये और प्राधिकारी द्वारा संगत माने गये विभिन्न नीचे दिये गये अनुसार हैं :

- क. यद्यपि चीन जन. गण. का लोकतांत्रिक गणराज्य के प्रवेश पर प्रोटोकॉल की धारा 15(क)(ii) 11 दिसंबर, 2016 को समाप्त हो गई, फिर भी चीन जन. गण. को वर्तमान जांच में एक गैर बाजार अर्थव्यवस्था के रूप में माना जाना चाहिए। यह सिद्ध करने का दायित्व कि सहयोगी उत्पादकों द्वारा रिपोर्ट किये गये लागतें और कीमतें बाजार की कीमतें दर्शाती हैं, चीन जन. गण. के ऐसे सहयोगी उत्पादकों पर है। ऐसा इसलिए हुआ है क्योंकि जांच की अवधि का एक बहुत बड़ा हिस्सा (लगभग 9 महीने) 11 दिसंबर, 2016 के पहले था। प्राधिकारी ने दिसंबर, 2016 के बाद समाप्त की गई जांचों में भी चीन जन. गण. के विरुद्ध हाल में किये गये जांचों में चीन जन. गण. सतत् रूप में एक गैर बाजार अर्थव्यवस्था माना है। प्रवेश प्रोटोकॉल की धारा 15(क)(ii) के समाप्त होने के कानूनी प्रभाव के मुद्दे डब्ल्यू टी ओ की निपटान निकाय के समक्ष विचाराधीन है और डब्ल्यू टी ओ के भीतर अधिकांश सदस्य देशों ने अभी यह नहीं माना है कि धारा 15(क)(ii) की समाप्ति का मतलब चीन जन. गण. के लिए एक बाजार अर्थव्यवस्था में स्वतः परिवर्तन है।
- ख. इस सत्य पर विचार करने के लिए पर्याप्त कारण है कि चीन जन. गण. में उत्पादक संबद्ध वस्तुओं को पाटित कर रहे हैं। ये उत्पादक विचाराधीन उत्पाद की बिक्री उन कीमतों पर करते आ रहे हैं जो उत्पादन की लागत से कम है और उनकी घरेलू कीमतें भारत में निर्यात कीमत की तुलना में अपेक्षाकृत बहुत अधिक है।
- ग. चीन का कोई उत्पादक बाजार अर्थव्यवस्था दर्जे को पूरा नहीं करता है। डब्ल्यू टी ओ के किसी देशों में संगत मानदंडों का नवीनतम विस्तृत मूल्यांकन के आधार पर चीन के उत्पादकों को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा नहीं दिया है।
- घ. यदि उत्तर देने वाले चीन के निर्यातक इस नियमावली के अंतर्गत निर्धारित मानदंडों के अनुरूप नहीं होते हैं, तब निर्दिष्ट प्राधिकारी से यह अपेक्षित है कि वह इस नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के अनुसार सामान्य मूल्य का निर्धारण करे।
- ङ. चीन जन. गण. के किसी भी उत्पादक / निर्यातक में बाजार अर्थव्यवस्था बर्ताव का दावा नहीं किया गया है। वास्तव में नमूना लिये गये उत्पादकों में से एक उत्पादक, बेंगांग स्टील प्लेट्स कं. लिमि. में अपने उत्तर के भाग क(6) में विशेष रूप से इस बात का उल्लेख किया गया है कि यह बाजार अर्थव्यवस्था दर्जे का दावा नहीं करता है। इसके अलावा, नमूना लिये गये अन्य उत्पादक/ व्यापारी, जियांग शिंगचेंग स्पेशल स्टील वर्क्स कं. लिमि. और जियांगसू सी पी शिंगचेंग स्पेशल स्टील कं. लिमि. ने परिशिष्ट 1, घरेलू बिक्री के लिए पी सी एन वार सूचना उपलब्ध नहीं कराई है, जिसका आशय यह है कि वे अपनी घरेलू बिक्री आंकड़ों के आधार पर सामान्य मूल्य का दावा नहीं कर रहे हैं। तदनुसार, सी सी ओ आई सी को प्रस्तुत करने में कोई दम नहीं है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

39. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि वर्तमान जांच में प्राधिकारी द्वारा जारी की गई जांच आरंभन नोटिस के परिणामस्वरूप निम्नलिखित कंपनियों ने निर्यातक की प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है :

- क. बेंगांग स्टील प्लेट्स कं. लिमि.
- ख. बरविल रिसोर्सिस लिमि.
- ग. बेनक्सी ऑयरन एंड स्टील हॉग कॉग लिमि.
- घ. हेंगहॉउ कोजेनरेशन (हॉग कॉग) कं. लिमि.
- ङ. डाये स्पेशल स्टील कं. लिमि.
- च. जियांगसू सी पी जिंगचेंग स्पेशल स्टील कं. लिमि.
- छ. जियांगसू टेफू जिंगचेंग स्पेशल टाइप मेटेरियल कं. लिमि.
- ज. जियांगइन जिंगचेंग स्पेशल स्टील वर्क्स कं. लिमि.
- झ. शेंगडॉंग शॉउग्रांग जुनेंग स्पेशल स्टील कं. लिमि.
- ञ. जियांगसू योंगआंग ग्रुप कं. लिमि.
- ट. जियांगसू शांगआंग ग्रुप हुयेगेंग स्पेशल स्टील कं. लिमि.
- ठ. अदलर स्टील लिमि.
- ड. जियांगसू लिहुई ऑयरन एंड स्टील कं. लिमि.
- ढ. बी एंड एल इंटरनेशनल इन्वेस्टमेंट कं. लिमि.
- ण. जी पी ग्लोब कोरपोरेशन
- त. जी एस ग्लोब कोर. एंड जिंदल एस ए डब्ल्यू
- थ. जेनेथ स्टील ग्रुप कं. लिमि.
- द. सिनोमेटेरियल इंटरनेशनल कं. लिमि.
- ध. जेनसिस रिसोर्सिस कं. लिमि.
- न. टॉपटिप होल्डिंग प्रा. लिमि.
- प. जेनेथ स्टील ग्रुप (शंघाई) कं. लिमि.
- फ. शी गेंग जिंग चेंग इक्यूपमेंट डेवलपमेंट एंड मेनिफेक्चरिंग कं. लिमि.
- ब. शिझिहुआंग ऑयरन एंड स्टील कं. लिमि.
- भ. जियांगसू लियानफेंग एनर्जी इक्यूपमेंट कं. लिमि.
- म. शानडॉंग ऑयरन एंड स्टील कं. लिमि.

40. भाग लेने वाले उत्पादकों/ निर्यातकों से प्राप्त प्रश्नावली के उत्तर की वृहत संख्या होने के कारण, प्राधिकारी ने संबद्ध देश के उत्तर देने वाले पक्षकारों द्वारा निर्यातों की मात्रा के सबसे बड़ प्रतिशत को लेकर इस नियमावली के नियम 17(3) के परंतुक के संबंध में नमूने का सहारा लिया। तदनुसार, 21 दिसंबर, 2017 को, प्राधिकारी ने निम्नलिखित उत्पादकों को सूचित किया जो वर्तमान जांच के उद्देश्य से नमूने लिए गए उत्पादकों का हिस्सा बनेंगे। ये निम्नलिखित हैं :

उत्पादक देश	उत्पादक	निर्यातक	उत्तर देने वाले उत्पादकों/ निर्यातकों द्वारा किये गये कुल निर्यातों के प्रतिशत के रूप में आपूर्ति की गई मात्रा
(1)	(2)	(3)	(4)
चीन जन. गण.	बेनगांग स्टील प्लेट्स कं. लिमि.	बेंक्सी आयरन एंड स्टील हॉग कॉग लिमि.;	40.26%
	डाये स्पेशल स्टील कं. लिमि.;	बरविल रिसोर्सिस लिमि.;	
	जियांगसू सी पी जिंगचेंग स्पेशल स्टील कं. लिमि.	हॉगझाउ कोजेनरेशन (हॉग कॉग) कं. लिमि.	21.97%
		डाये स्पेशल स्टील कं. लिमि.	
		जिनागइन जिंगचेंग स्पेशल स्टील वर्क्स कं. लिमि.	

सामान्य मूल्य

41. धारा 9(1)(ग) के अधीन, किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का तात्पर्य है:

- i. व्यापार की सामान्य प्रक्रिया के समान वस्तु की तुलनीय कीमत जब वह उप नियम (6) के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित निर्यातक देश या क्षेत्र में खपत के लिए नियत हो, अथवा
- ii. जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की बिक्री न हुई हो अथवा जब निर्यातक देश या क्षेत्र की बाजार विशेष की स्थिति अथवा उसके घरेलू बाजार में कम बिक्री मात्रा के कारण ऐसी बिक्री की उचित तुलना न हो सकती हो तो सामान्य मूल्य निम्नलिखित में से कोई एक होगा:

(क) समान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधिक कीमत जब उसका निर्यात उप धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उचित तीसरे देश से किया गया हो; अथवा

(ख) उपधारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागत एवं लाभ हेतु उचित वृद्धि के साथ उदगम वाले देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत:

परंतु यदि उक्त वस्तु का आयात उदगम वाले देश से भिन्न किसी देश से किया गया है और जहां उक्त वस्तु को निर्यात के देश से होकर केवल स्थानांतरण किया गया है अथवा ऐसी वस्तु का उत्पादन निर्यात के देश में नहीं होता है, अथवा निर्यात के देश में कोई तुलनीय कीमत नहीं है, वहां सामान्य मूल्य का निर्धारण उदगम वाले देश में उसकी कीमत के संदर्भ में किया जाएगा।

गैर बाजार अर्थव्यवस्था देशों से संबंधित प्रावधान

42. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 में निम्नानुसार उल्लेख किया है :

7. "गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयातों के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश की कीमत अथवा संरचित मूल्य, अथवा किसी तीसरे देश से भारत सहित अन्य देशों के लिए कीमत अथवा जहां यह संभव न हो, अथवा अन्य किसी समुचित आधार पर किया जाएगा जिसमें भारत में समान वस्तु के लिए वास्तविक रूप से संदत्त अथवा भुगतान योग्य कीमत, जिनमें यदि आवश्यक हो तो लाभ की समुचित गुंजाइश भी शामिल की जाएगी निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी तीसरे समुचित देश का चयन उचित तरीके से किया जाएगा जिसमें संबंधित देश के विकास के स्तर तथा प्रश्नगत उत्पाद का ध्यान रखा जाएगा और चयन के समय उपलब्ध कराई गई किसी विश्वसनीय सूचना का भी ध्यान रखा जाएगा। जहां उचित हो, उचित समय सीमा के भीतर किसी अन्य बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के संबंध में इसी प्रकार के मामले में की गई जांच पर भी ध्यान दिया जाएगा। जांच से संबंधित पक्षों को बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के उपर्युक्त प्रकार से चयन के बारे में बिना किसी विलंब के सूचित किया जाएगा और उन्हें अपनी टिप्पणियां देने के लिए उचित अवधि प्रदान की जाएगी।"

8 (1) "गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश" वाक्यांश का अर्थ है कि ऐसा देश जिसे निर्दिष्ट प्राधिकारी लागत अथवा कीमत ढांचे के बाजार सिद्धान्तों को लागू नहीं करने वाले देश के रूप में मानते हैं, जिसके कारण ऐसे देश में पण्य वस्तुओं की बिक्रियों उप पैराग्राफ (3) में निर्दिष्ट मानदंडों के अनुसार वस्तुओं के सही मूल्य को नहीं दर्शाती है।"

(2) यह कहना पूर्वानुमान लगाना होगा कि कोई देश जिसे जांच के पूर्ववर्ती तीन वर्षों के दौरान निर्दिष्ट प्राधिकारी अथवा डब्लू .टी.ओ. के किसी सदस्य के समक्ष प्राधिकारी द्वारा पाटनरोधी जांच के प्रयोजनार्थ एक गैर- बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश निर्धारित अथवा माना गया है, एक गैर- बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है।

तथापि, गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश या ऐसे देश से संबंधित फर्म निर्दिष्ट-प्राधिकारी को सूचना तथा साक्ष्य उपलब्ध कराकर इस परिकल्पना को समाप्त कर सकते हैं जो यह साबित करता हो कि ऐसा देश उप पैरा (3) में निर्दिष्ट मानदंड के आधार पर एक गैर बाजार अर्थ-व्यवस्था वाला देश नहीं है।

(3) निर्दिष्ट प्राधिकारी प्रत्येक मामले में निम्नलिखित मानदंड पर विचार करेंगे कि क्या:

(क) ऐसे देश में कच्ची समग्रियों प्रौद्योगिकी लागत और श्रम, उत्पादन, बिक्रियों तथा निवेश सहित कीमतों, लागतों तथा निवेशों के संबंध में संबंधित फर्म का निर्णय आपूर्ति तथा मांग को दर्शाने वाले बाजार संकेतों तथा इस संबंध में किसी विशिष्ट राज्य हस्तक्षेप के बिना होता है और यह कि क्या मुख्य निवेशों की लागतें वास्तविक रूप से बाजार मूल्यों को दर्शाती है ;

(ख) ऐसी फर्मों की उत्पादन लागतों तथा वित्तीय स्थिति पूर्ववर्ती गैर- बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली से उठाये गये विशिष्ट विरूपणों के अधीन होती है, खासकर ऋणों की प्रतिपूर्ति द्वारा परिसम्पत्तियों के मूल्यहास, अन्य बड़े खाते वस्तु विनियम व्यापार तथा ऋणों की क्षतिपूर्ति के जरिए तथा भुगतान के संबंध में;

(ग) ऐसी फर्म दिवालियापन तथा सम्पत्ति कानून के अधीन होती है जो कि फर्मों के प्रचालन की कानूनी निश्चितता तथा स्थायित्व की गारंटी देता है;

(घ) विनियम दर के परिवर्तन बाजार दर पर किये जाते हैं;

तथापि, जहां इस पैराग्राफ में निर्दिष्ट मानदंड के आधार पर लिखित रूप में पर्याप्त साक्ष्य दर्शाया जाता है कि पाटनरोधी जांच के अधीन एक अथवा ऐसी अधिक फर्मों के लिए बाजार स्थितियां लागू होती हैं, निर्दिष्ट प्राधिकारी पैरा 7 तथा इस पैरा में निर्दिष्ट सिद्धान्तों के पैरा 1 से 6 में निर्दिष्ट सिद्धान्तों को लागू कर सकते हैं।"

चीन के उत्पादकों के लिए बाजार अर्थव्यवस्था के दावे

43. जांच आरंभन के चरण में, प्राधिकारी इस अनुमान के साथ अभियोग किया कि चीन जन. गण. में इस्पात उद्योग में पर्याप्त विरूपण मौजूद है। जांच आरंभन पर प्राधिकारी ने चीन जन. गण. के उत्पादकों/ निर्यातकों को जांच आरंभन की सूचना का उत्तर देने और भारत तथा अन्य देशों में निर्यातों के मामले में और घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तु का निर्माण, उत्पादन और बिक्री से संबंधित बाजार स्थितियों की व्यापका को दर्शाने के लिए संगत सूचना उपलब्ध कराने की सलाह दी। प्राधिकारी ने इस नियमावली के अनुबंध- 8 (3) में निर्धारित मानदंडों के संबंध में सूचना उपलब्ध कराने के लिए सभी ज्ञात उत्पादकों/ निर्यातकों को पूरक प्रश्नावली की प्रतियां भेजीं। प्राधिकारी ने चीन जन. गण. की सरकार से यह भी अनुरोध किया कि वह संगत सूचना उपलब्ध कराने के लिए चीन जन. गण. के उत्पादकों/ निर्यातकों को सलाह दे।

44. चीन जन. गण. के लिए सामान्य मूल्य की गणना के संबंध में, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि केवल जांच की अवधि के दौरान प्रचलित स्थितियां वर्तमान जांच के उद्देश्य से महत्वपूर्ण हैं। वर्तमान जांच के उद्देश्य से जांच की अवधि (पी ओ आई) अप्रैल 2016 – मार्च 2017 चीन के लोकतांत्रिक गणराज्य के प्रवेश का प्रोटोकॉल की धारा 15(क) (ii) जांच की अवधि के अधिकांश भाग के दौरान मौजूद थी।

45. चीन के लोकतांत्रिक गणराज्य से संबद्ध वस्तुओं के सहयोगी निर्यातकों/ उत्पादकों से यह कहा गया था कि वे निर्दिष्ट प्राधिकारी को निम्नलिखित मानदंडों की जांच करने के लिए सक्षम बनाने हेतु आवश्यक सूचना/ पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करे कि क्या :

क) कीमत, लागत, कच्चा माल सहित इनपुट, प्रौद्योगिकी और श्रम की लागत, उत्पादन, बिक्री और निवेश के संबंध में निर्णय राज्य के महत्वपूर्ण हस्तक्षेप के बिना लिया गया है और क्या प्रमुख इनपुट की लागत काफी हद तक बाजार मूल्य का दर्शाती है।

ख) उत्पादन लागत और वित्तीय स्थिति में किसी प्रकार का विरूपण नहीं है।

ग) उत्पादक/ निर्यातक दिवालियापन और सम्पदा कानून के अध्याधीन हैं जो इन प्रतिष्ठानों के प्रचालन के लिए कानूनी निश्चितता और स्थिरता की गारंटी देते हैं।

घ) विनियम दर परिवर्तन बाजार दर्ज पर किया गया है।

46. यह नोट किया जाता है कि चीन जन. गण. में संबद्ध वस्तुओं के किसी भी उत्पादक ने पूरक प्रश्नावली को सही रूप में भरकर प्रस्तुत नहीं किया है और तदनुसार, बाजार अर्थव्यवस्था दर्जे का दावा नहीं किया है।

चीन जन. गण. उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण

47. यह नोट किया जाता है कि चीन जन. गण. में संबद्ध वस्तुओं के किसी भी उत्पादक ने बाजार अर्थव्यवस्था बर्ताव का दावा नहीं किया है। इस कारण से प्राधिकारी ने इस नियमावली के अनुबंध- 8 के पैरा 7 के संबंध में सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए संरचित सामान्य मूल्य को अपनाया है।

चीन जन. गण. के उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य के निर्धारण का रास्ता पद्धति

48. उपयुक्त को देखते हुए चीन जन. गण. के लिए सामान्य मूल्य को पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 में उल्लिखित प्रक्रिया के अनुसार निर्धारित किया जाना अपेक्षित है। अनुबंध-1 के पैरा 7 के प्रावधानों के अनुसार, चीन जन. गण. में सामान्य मूल्य का निर्धारण एक बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में घरेलू बिक्री कीमतों अथवा एक बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में संरचित मूल्य अथवा भारत सहित किसी अन्य देश को इस प्रकार के एक तीसरे देश से निर्यात कीमतों के आधार पर किया जाना अपेक्षित है। हालांकि, यदि सामान्य मूल्य का निर्धारण उपयुक्त विकल्पों के आधार पर नहीं किया जा सकता है तब निर्दिष्ट प्राधिकारी उचित लाभ मार्जिन को शामिल करने के लिए विधिवत समायोजित समान उत्पाद के लिए भारत में वास्तव में भुगतान की गई अथवा भुगतान की जाने वाली कीमत सहित किसी अन्य उचित आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण कर सकते हैं।
49. किसी बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में संबद्ध वस्तुओं के लिए किसी विश्वसनीय कीमत और लागत संबंधी व्यौरों के उपलब्ध न होने की स्थिति में, निर्दिष्ट प्राधिकारी उचित लाभ मार्जिन को शामिल करने के लिए विधिवत समायोजित समान उत्पाद के लिए भारत में वास्तव में भुगतान की गई अथवा भुगतान की जाने वाली कीमत सहित किसी अन्य उचित आधार पर चीन जन. गण. के लिए सामान्य मूल्य संरचित किया है। तदनुसार, संबद्ध वस्तुओं के लिए चीन जन. गण. से सभी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण किया गया है और उसे नीचे दिये गये पाटन मार्जिन में दर्शाया गया है।

चीन जन. गण. के लिए निर्यात कीमत

संबंधित कंपनी मैसर्स बेनक्सी आयरन एंड स्टील हॉंग कॉंग लिमिटेड और असंबंधित व्यापारी मैसर्स हेंगहाउ कोजनरेशन (हॉंग कॉंग) कं. लिमि. और बरविल रिसॉस लिमिटेड हॉंग कॉंग के माध्यम से मैसर्स बेंगांग स्टील प्लेट्स कं. लिमि., चीन जन. गण. (उत्पादक)

50. मैसर्स बेंगांग स्टील प्लेट्स कं. लिमि., चीन जन. गण. ('बेंगांग') द्वारा प्रस्तुत सूचना से प्राधिकारी यह नोट करते हैं बेंगांग अपने संबंधित निर्यातक/ व्यापारी नामत- मैसर्स बेक्सी आयरन एंड स्टील हॉंग कॉंग लिमि. ('बेक्सी एच के') और असंबंधित व्यापारियों नामत: मैसर्स हॉंगजाउ कोजनरेशनल (हॉंग कॉंग) कं. लिमि. ('हॉंगजाउ') और बरविल रिसॉसिस लिमिटेड, हॉंग कॉंग को संबद्ध वस्तुओं की बिक्री की है। इन दोनों असंबंधित निर्यातकों ने भारत में बेंगांग से भारत में असंबंधित ग्राहकों को खरीदी गई वस्तुओं का निर्यात किया है। इसके अलावा, बेक्सी हॉंग कॉंग ने संबद्ध वस्तुओं की हॉंगजाउ को फिर से बिक्री की है जिसे भारत में असंबद्ध ग्राहकों को संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है। यह नोट किया जाता है बेंगांग ने जांच की अवधि के दौरान अमरीकी डालर *** में बीजक मूल्य का संबद्ध वस्तुओं का *** मी. ट. का निर्यात किया है। व्यापारियों को बिक्री एफ ओ बी आधार पर किया गया है। उत्पादक ने अतर्देशीय भाड़े, बंदरगाह रख-रखाव शुल्क, बैंक प्रभार और कमीशन के कारण समायोजनों का दावा किया है और उसकी अनुमति दी गई है। प्राधिकारी ने न वापस किये जाने वाले मूल्यवर्धित कर के आधार पर आगे उपयुक्त समायोजन किया है। तदनुसार, संबद्ध वस्तुओं के लिए कारखानागत स्तर पर बेंगांग के लिए निर्धारित भारित औसत निर्यात कीमत है और उसे नीचे दिये गये पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

संबंधित कंपनी मैसर्स जिनांग्विन झिंगचेंग स्पेशल स्टील वर्क्स कं. लिमि. के माध्यम से मैसर्स डाय स्पेशल स्टील कं. जिनांग्विन जिंगचेंग स्पेशल स्टील वर्क्स कं., लिमि. और जियांग्सू सी पी झिंगचेंग स्पेशल स्टील कं., लिमि. चीन जन. गण. (उत्पादक)

51. डाय स्पेशल स्टील कं. लि. ("डाय") मै. जिनांग्विन जिंगचेंग स्पेशल स्टील वर्क्स कं., लिमि. ("जिनांग्विन स्टील ") और जियांग्सू सी पी झिंगचेंग स्पेशल स्टील कं., लिमि. ("जियांग्सू सीपी") द्वारा प्रस्तुत सूचना से प्राधिकारी नोट करते हैं कि डाय जिनांग्विन स्टील ने भारत को सीधे ही संबद्ध सामानों का निर्यात किया है जबकि जियांग्सू सीपी ने संबंधित कंपनी जिनांग्विन स्टील के माध्यम से निर्यात किया है। प्राधिकारी द्वारा यह भी नोट किया जाता है कि नमूना अभ्यास के दौरान जिनांग्विन स्टील का नाम छोड़ दिया गया था। प्राधिकारी ने कंपनियों द्वारा दायर उत्तर में कुछ कमियां नोट की थीं और संबंधित उत्पादकों एवं निर्यातकों को कमी संबंधी पत्र जारी किए थे। तथापि, इन पक्षकारों द्वारा दायर उत्तर में इस तथ्य के कारण प्राधिकारी का ध्यान हटाया गया था कि वह नमूना बीजक और अन्य दस्तावेजों के साथ उनके कानूनी प्रतिनिधि द्वारा दायर किया गया था। इससे उत्पादक और निर्यातक प्रकटन विवरण के स्तर पर असहयोगी माने गए थे। तथापि, इस चूक के संबंध में पक्षकारों से प्रकटन पश्चात टिप्पणियां प्राप्त होने पर उन पक्षकारों द्वारा दी गई सूचना की जांच की गई थी।
52. प्राधिकारी द्वारा यह नोट किया गया था कि उत्पादकों/निर्यातकों ने ग्राहकों के संबंधित पक्षकार को कमीशन दिया था जो निर्यातकों और आयातकों के बीच प्रतिपूरक व्यवस्था है तथा इससे कीमत बढ़ गई। इसके अतिरिक्त, कुछ मामलों में सुपुर्दगी की शर्तें ग्राहकों के कारखाने तक थे। तदनुसार, प्राधिकारी ने बीजक कीमत से भारत में कमीशन और अंतर्देशीय भाड़ा के लिए

उपयुक्त समायोजन किए। उत्पादकों ने अंतरदेशीय भाड़ा, समुद्री भाड़ा, पत्तर सार संभाल प्रभार, बैंक प्रभार, ऋण लागत, कमीशन और वापस न किए जाने वाले बैट के निमित्त समायोजनों का दावा किया है। उपयुक्त समायोजन करने के बाद उनकी अनुमति दी गई है। तदनुसार संबद्ध सामानों के लिए कारखानागत स्तर पर डाई, जिनांगविन स्टील और जियांगशु सीपी के लिए निर्धारित भारित औसत निर्यात कीमत निम्नलिखित पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाई गई है।

चीन जन. गण. के असहयोगी उत्पादकों और निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

53. चीन जन. गण. के सभी असहयोगी उत्पादकों/ निर्यातकों के लिए, प्राधिकारी ने **सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के आधार पर इन कंपनियों के लिए संबद्ध वस्तुओं के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण किया है और उसे नीचे दिये गये पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।**

चीन जन. गण. के नमूने न लिये गये सभी अन्य उत्पादकों/ निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन

54. चीन जन. गण. के नमूने न लिये गये सभी अन्य सहयोगी उत्पादकों/ निर्यातकों के लिए, प्राधिकारी ने नमूने न लिये गये उत्पादकों और निर्यातकों के पाटन मार्जिन को तय करने के लिए ऊपर में निर्धारित किये गये अनुसार केवल नमूने लिये गये सहयोगी उत्पादकों और निर्यातकों की निर्यात कीमत को अपनाया है और उसे नीचे दिये गये पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

पाटन मार्जिन

55. भारत को निर्यात कीमत (निर्यातकों द्वारा दावा किये गये और प्राधिकारी द्वारा स्वीकार किये गये सभी समायोजनों का निवल) की तुलना सामान्य मूल्य से की गई ताकि पाटन मार्जिन का निर्धारण किया जा सके। चीन जन. गण. सभी सहयोगी निर्यातकों/ उत्पादकों के लिए जांच की अवधि के दौरान पाटन मार्जिन का निर्धारण किया गया है जैसा कि नीचे दी गई पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

पाटन मार्जिन

क्र. सं.	देश	उत्पादक	निर्यातक	सामान्य मूल्य (अम.डॉ./मी. टन)	निवल निर्यात कीमत	पाटन मार्जिन (अम.डॉ./मी.)	पाटन मार्जिन रेंज %
1	चीन जन. गण.	मैसर्स बेनगैंग स्टील प्लेट्स कं. लिमि.	क. मै. बैंग्जी आयरन एंड स्टील हांगकांग लि. ख. मै. होंगझोऊ कोजनरेशन (हांगकांग) कं. लि., ग. बुरविल रिसोर्सेज लिमिटेड	***	***	***	50-60
2	चीन जन. गण.	क. मै. डाया स्पेशल स्टील कं. लि., ख. जियांगशु सीपी जिगचेंग स्पेशल स्टील कं. लि., ग. जियांगयिन जियांगचेंग स्पेशल स्टील वर्क्स कं. लि.	क. मै. डाया स्पेशल स्टील कं. लि. ख. जियांगयिन जियांगचेंग स्पेशल स्टील वर्क्स कं. लि.	***	***	***	5-15
3.	चीन जन. गण.	नमूने न लिये गये सहयोगी उत्पादक*	***नमूने न लिये गये सहयोगी निर्यातक *	***	***	***	25-35
4.	चीन जन. गण.	अन्य सभी		***	***	***	80-90

नमूने न लिये गये सहयोगी उत्पादक/निर्यातक

क्र. सं.	उत्पादक	निर्यातक
1	शानडॉग आयरन एंड स्टील कं. लिमि., लेवयू कम्पनी	शानडॉग आयरन एंड स्टील कं. लिमि., लेवयू कम्पनी
2	श्री गेंग जिंग चेंग एक्यूपमेंट डेवेलपमेंट एंड मेनिफेक्चरिंग कं. लिमि.	श्री गेंग जिंग चेंग एक्यूपमेंट डेवेलपमेंट एंड मेनिफेक्चरिंग कं. लिमि.
3	शीजिजूहअंग आयरन एंड स्टील कं. लिमि.	क शीजिजूहअंग आयरन एंड स्टील कं. लिमि. ख एलजी इंटरनेशनल कॉर्प.
4	शानडॉग शॉउगअंग जुनेंग स्पेशल स्टील कं. लिमि.	क शानडॉग शॉउगअंग जुनेंग स्पेशल स्टील कं. लिमि. ख. बुरविल रिसोर्सेज लिमिटेड
5	जियांग्सू लियनफेग एनर्जी एक्यूपमेंट कं. लिमि.	क. जियांग्सू लियनफेग एनर्जी एक्यूपमेंट कं. लिमि. ख. बुरविल रिसोर्सेज लिमिटेड
6	जेनेथ स्टील ग्रुप कं. लिमि.	क. जेनेसिस रिसोर्सेज लिमिटेड ख. टापटिप होल्लिंग प्रा. लि. ग. सिनोमेटेरियल इंटरनेशनल कं. लि.
7	जियांग्सू लिहुई आयरन एंड स्टील कं. लिमि.	क. एल्डर स्टील लिमिटेड ख. बी एंड एल इंटरनेशनील कं. लि. ग. जी एस ग्लोबल कार्प. एंड जिन्दल शॉ

56. यह देखा गया है कि पाटन मार्जिन बहुत अधिक है और यह संबद्ध देश के विचाराधीन उत्पाद के सभी उत्पादकों/ निर्यातकों द्वारा किये गये निर्यात के संबंध में इस नियमावली के अंतर्गत निर्धारित न्यूनतम सीमाओं से अधिक है।

ज. क्षति और कारणात्मक संबंध का आकलन

57. अनुबंध-॥ के साथ पठित पाटनरोधी नियमावली के नियम 11 में यह प्रावधान है कि क्षति के निर्धारण में उन कारकों की जांच शामिल होगी जो घरेलू उद्योग को क्षति को दर्शाता सकते हैं। विशेष रूप से पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-॥ के पैरा (i) और (ii) में नीचे दिये गये अनुसार निर्धारित किया गया है :

(i) नियमों के अंतर्गत प्राधिकारी से यह अपेक्षा की जाती है कि वह मात्रा और कीमत दोनों के परीक्षण द्वारा क्षति की जांच करे। क्षति के निर्धारण में (क) पटित आयातों की मात्रा और समान वस्तु के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव, और (ख) घरेलू उद्योग पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव, दोनों की तथ्यपरक जांच शामिल होती है।

(ii) पाटित आयातों की मात्रा की जांच करते समय, उक्त अधिकारी इस बात पर विचार करेगा कि पाटित आयातों में स्वतंत्र रूप में अथवा भारत में उत्पादन या खपत की तुलना में बहुत अधिक वृद्धि हुई है। "जहां तक नियम 18 के उप नियम (2) में किए गए उल्लेखानुसार कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, प्राधिकारी इस बात पर विचार करेंगे कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों के कारण कीमत में अत्यधिक कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव के कारण कीमत में होने वाली वृद्धि में अन्यथा काफी अधिक ह्रास हुआ है अथवा कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रुकावट आई है जिसमें अन्यथा काफी हद तक वृद्धि हो गई होती। "

घरेलू उद्योग द्वारा किया गया अनुरोध

58. घरेलू उद्योग द्वारा क्षति से संबंधित मुद्दों के संबंध में निम्नलिखित अनुरोध किया गया है और प्राधिकारी द्वारा उसे संगत माना गया है :

- क. चीन जन. गण. से आयातों में 2013-14 में 56,690 मी. ट. से पर्याप्त रूप से बढ़कर जांच की अवधि के दौरान 1,80,959 मी. ट. हो गया है अर्थात् इसमें तीन गुणा वृद्धि हुई है।
- ख. 1,54,858 मी. ट. की मांग में समग्र वृद्धि (2013-14 में 15,14,795 मी. ट. से जांच की अवधि के दौरान 16,69,653 मी. ट.) को संबद्ध देश से पाटित आयातों द्वारा लिया गया है (उसी अवधि के दौरान स्वतंत्र रूप में 124,268 मी. ट. की वृद्धि)।
- ग. चीन जन. गण. से संबद्ध वस्तुओं के आयातों में 2013-14 में 9 प्रतिशत से जांच की अवधि के दौरान 18 प्रतिशत तक याचिकाकर्ता के उत्पादन की तुलना में वृद्धि हुई है।

- घ. चीन जन. गण. से संबद्ध वस्तुओं के आयातों में 2013-14 में 4 प्रतिशत से जांच की अवधि के दौरान 11 प्रतिशत भारत में खपत के उत्पादन की तुलना में वृद्धि हुई है।
- ङ. अपनी घरेलू बिक्री की मात्रा को बनाये रखने के उद्देश्य से, घरेलू उद्योग को जांच की अवधि के दौरान संबद्ध देश से निर्यातकों द्वारा पेशकश की गई अत्यधिक रूप से निम्न कीमतों के कारण जांच की अवधि के दौरान अपनी कीमतों में बहुत अधिक कटौती करनी पड़ी थी। यह संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण कीमत पर बहुत अधिक दबाव को दर्शाता है।
- च. घरेलू बिक्री कीमत में गिरावट निर्माण करने और बिक्री करने की लागत में गिरावट से अधिक है जिसके फलस्वरूप घरेलू उद्योग के लिए कीमत को रोकना पड़ा। चीन जन. गण. से पाटित आयात उस कीमत पर हो रहे हैं जो घरेलू उद्योग के निर्माण करने और उसकी बिक्री करने की लागत की तुलना में भी बहुत कम है।
- छ. चीन जन. गण. के आयात के कारण क्षति की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की कीमतों में सतत रूप से कटौती होती रही है। यह दावा किया गया है कि वर्तमान मामले में 15 प्रतिशत से 25 प्रतिशत की सीमा में बहुत अधिक कीमत कटौती हुई है।
- ज. क्षमता, उत्पादन और क्षमता के उपयोग के मामले में घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन को क्षति और जांच की अवधि की तुलना में नुकसान हुआ है। संबद्ध देश से पाटित आयातों से लगातार दबाव के कारण, घरेलू उद्योग अपनी सुविधाओं का पूर्णरूप से उपयोग करने में सक्षम नहीं रहा है। यह भी नोट करना संगत है कि घरेलू उद्योग के पास भारत में समग्र मांग को पूरा करने की पर्याप्त क्षमता है।
- झ. घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तुओं की बिक्री से घरेलू उद्योग द्वारा अर्जित किये गये लाभ पर क्षति के विश्लेषण की समग्र अवधि के दौरान प्रतिकूल रूप से प्रभाव पड़ा है और यह जांच की अवधि के दौरान ऋणात्मक हो गया है।
- ञ. इसके अलावा, घरेलू उद्योग अतार्किक रूप से निम्न नकद लाभ अर्जित कर रहा है। संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के लगातार पाटन के कारण, प्रति इकाई नकद लाभ में गिरावट आई है।
- ट. घरेलू उद्योग द्वारा नियोजित पूंजी पर अर्जित किया गया लाभ क्षति और जांच की पूरी अवधि के दौरान कम रही है। भारत में संबद्ध वस्तुओं के लगातार पाटन के कारण याचिकाकर्ता अपने द्वारा नियोजित पूंजी पर लाभ का तार्किक दर अर्जित करने में सफल नहीं रहा है। वास्तव में, यदि संरक्षण नहीं दिया जाता है तब याचिकाकर्ता अपने ऋण को चुकाने की स्थिति में नहीं होंगे और वे निकट भविष्य में बंद करने के लिए बाध्य हो सकते हैं।
- ठ. जांच की अवधि के दौरान नियोजित पूंजी पर लाभ आधार वर्ष की तुलना में तथा तत्काल पूर्व वर्ष की तुलना में कमी आई है।
- ड. घरेलू उद्योग को बहुत अधिक संक्षिप्त माल भंडार का सामना करना पड़ रहा है। माल भंडार के स्तर आधार वर्ष की तुलना में बढ़ती रही है। बढ़ते हुए आयातों के कारण, घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में कमी आई है और बड़ी हुई मांग को आयातों द्वारा पर्याप्त रूप से कब्जा कर लिया गया है। इसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग अपनी बिक्री को बढ़ाने में सक्षम नहीं है, जिसके फलस्वरूप क्षति की अवधि की तुलना में माल भंडार के बढ़ जाने की स्थिति उत्पन्न हुई है।
- ढ. चीन जन. गण. से संबद्ध वस्तुओं के आयातों के लिए पाटन मार्जिन न केवल न्यूनतम स्तर से ऊपर है बल्कि बहुत अधिक भी है। घरेलू उद्योग को यह आशंका है कि वर्तमान स्थिति बहुत अधिक खतरनाक है और यदि वर्तमान पाटन मार्जिन स्तर पर इस देश में आयात का होना जारी रहता है तब घरेलू उद्योग और अधिक गहन क्षति की संभावना है।
- ण. घरेलू उद्योग को 'वास्तविक क्षति का खतरा' है क्योंकि चीन जन. गण. से पाटित आयातों में बहुत अधिक वृद्धि (तीन गुणा वृद्धि) हुई है जो उन कीमतों पर हो रही है जिसके कारण घरेलू उद्योग की कीमतों पर कीमत का दबाव और मंदी का प्रभाव पड़ा है। उसके अलावा, संबद्ध उत्पादों के लिए चीन जन. गण. में बहुत अधिक मात्रा में उपयोग न की गई क्षमताएं हैं। संबद्ध आयातों के कारण कीमत में बहुत अधिक कटौती और कम कीमत पर बिक्री भी हो रही है।
- त. चीन जन. गण. और अन्य देशों से छड़ों और राइस सहित स्टील की वस्तुओं पर संयुक्त राष्ट्र द्वारा 25 प्रतिशत का आयात शुल्क हाल के धारा 232 को लागू किये जाने के साथ, चीन जन. गण. का एक बहुत बड़ा निर्यात बाजार प्रत्यक्ष रूप से और अप्रत्यक्ष रूप से अवरुद्ध कर दिया गया है। हाल के इस घटनाक्रम और भारत से भौगोलिक समीपता के साथ साथ चीन की अतिरिक्त क्षमता भारत को चीन जन. गण. के लिए संबद्ध वस्तुओं का पाटित करने हेतु एक आकर्षक बाजार बना देगा। जबकि, घरेलू उद्योग के लिए कोई संरक्षण नहीं है।
- थ. हितबद्ध पक्षकारों ने यह दावा किया है कि धारा 232 के अंतर्गत स्टील उत्पादों के आयात पर आयात प्रशुल्क संयुक्त राष्ट्र द्वारा लगाये जाने के कारण क्षति का कोई खतरा नहीं है क्योंकि चीन जन. गण. से स्टील के उत्पाद के आयातों पर आयात प्रशुल्क लगाये जाने के बाद भी चीन जन. गण. से यू एस ए को स्टील उत्पादों के निर्यात में कोई कटौती

नहीं हुई है और चीन से आयात यू एस ए द्वारा स्टील उत्पादों के कुल आयातों का मात्र 5 प्रतिशत है। घरेलू उद्योग उपर्युक्त तर्कों से दृढ़ता से इनकार करता है और उस पर आपत्ति करता है। बल्कि, तार्किक रूप से यह आशा की जाती है कि चीन के निर्यातक अपनी क्षमता और बाजार को भारत जैसे देशों की ओर विपथित करेंगे जो भौगोलिक रूप से नजदीक है और जहां घरेलू उद्योग के लिए कोई संरक्षण लागू नहीं है। इसके अलावा, इस बात का दावा करना बहुत जल्दीबाजी होगी की चीन जन. गण. से संयुक्त राज्य को स्टील उत्पादों के निर्यात में कोई कटौती नहीं हुई है क्योंकि यह संयुक्त राज्य द्वारा धारा 232 के अंतर्गत लगाये गये उपाय से केवल 4 महीने हुए हैं।

- द. घरेलू उद्योग का यह अनुरोध है कि उनके द्वारा उठाई गई क्षति का एकमात्र कारण बहुत अधिक मात्रा में चीन जन. गण. से हो रहा पाटित आयात है। कोई व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथाएं, प्रौद्योगिकी से संबंधित मुद्दे, निर्यात निष्पादन से संबंधित मुद्दे, उत्पादकता से संबंधित मुद्दे अथवा कोई अन्य कारक नहीं है, जिसे घरेलू उद्योग को हो रही क्षति का कारण माना जा सकता है।
- ध. घरेलू उद्योग उसी प्रौद्योगिकी का उपयोग करता रहा है जिसका उपयोग संबद्ध देश में उत्पादकों द्वारा किया जा रहा है। इस कारण से प्रौद्योगिकी में विकास घरेलू उद्योग को क्षति का कारण है ही नहीं।
- न. जहां तक विदेशी ओर घरेलू उत्पादकों के बीच उत्पादकता और प्रतिस्पर्धा का प्रश्न है, यह अनुरोध किया जाता है कि घरेलू उद्योग द्वारा उठाई जा रही क्षति बहुत अधिक मात्रा में चीन जन. गण. से हो रहे पाटित आयातों के कारण है। यदि आयात उचित कीमतों पर होता है तब घरेलू उद्योग आयातों से प्रतिस्पर्धा करने की स्थिति में पूर्णरूप से है।
- प. घरेलू उद्योग का निर्यात निष्पादन ने इसकी वित्तीय और आर्थिक स्थिति को प्रभावित नहीं किया है। इसके साथ ही याचिकाकर्त्ताओं ने क्षति संबंधी मानदंडों के लिए आंकड़े उपलब्ध कराते समय निर्यातों से संबंधित सूचना पर ध्यान नहीं दिया है और समग्र क्षति विश्लेषण याचिकाकर्त्ताओं के घरेलू कार्य निष्पादन पर ही आधारित है।
- फ. घरेलू उद्योग द्वारा उठाई गई क्षति और भारत में कम कीमत पर हो रहे पाटित आयातों के बीच एक कारणात्मक संबंध है।
- ब. विभिन्न अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा यह दावा किया गया है कि नियोजित पूंजी पर 22 प्रतिशत लाभ क्षति रहित कीमत की गणना करने में न्यायोचित नहीं है। प्राधिकारी को नियोजित पूंजी पर उचित लाभ के रूप में विगत में आवेदकों द्वारा अर्जित लाभ पर विचार करना चाहिए। घरेलू उद्योग उपर्युक्त तर्क पर दृढ़तापूर्वक आपत्ति करता है और यह अनुरोध करता है कि किसी भी हितबद्ध पक्षकारों ने इस तथ्य को दर्शाने के लिए साक्ष्य नहीं प्रस्तुत किया है कि नियोजित पूंजी 22 प्रतिशत लाभ न्यायोचित नहीं है। यह अनुरोध किया जाता है कि नियोजित पूंजी पर 22 प्रतिशत लाभ वर्तमान मामले में वैध नहीं है और इसे अंतिम जांच परिणाम में निश्चित रूप से स्वीकार किया जाना चाहिए।
- भ. कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने यह अनुरोध किया है कि नियोजित पूंजी के अधीन और इक्विटी भाग के लिए अलग अलग का निर्धारण किया जाना चाहिए। पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-111 के पैरा 4(viii) के संबंध में, यह स्पष्ट है कि नियोजित पूंजी निवल निर्धारित परिसंपत्तियों और निवल कार्यशील पूंजी का योग है। इसके बारे में कोई अंतर नहीं है कि क्या निवल निर्धारित परिसंपत्ति और निवल कार्यशील पूंजी का वित्त पोषण ऋण अथवा इक्विटी के माध्यम से किया जाता है। इस कारण से ऋण और इक्विटी के माध्यम से प्राप्त किये गये नियोजित पूंजी पर तार्किक लाभ की गणना करने के लिए अलग अलग दर को निर्धारित किये जाने में कोई तर्क नहीं है।
- म. एन ई आई एल ने यह अनुरोध किया है कि मैसर्स जे एस डब्ल्यू स्टील लिमिटेड और मैसर्स उषा मार्टिन लिमि. को पहले ही स्टील के पूर्व मामलों में संरक्षण दिया जा चुका है और उपर्युक्त उत्पादकों द्वारा उत्पादन किये गये अनेक उत्पादों पर पाटनरोधी शुल्क पहले से लागू है और इस कारण से या तो उक्त उत्पादकों को शुल्क लगाये जाने के बावजूद गैर संबद्ध वस्तुओं के आयातों के कारण क्षति का सामना करना पड़ रहा है। इस मामले में प्राधिकारी को वर्तमान जांच से गैर संबद्ध वस्तुओं के आयातों के कारण क्षति को निश्चित रूप से पृथक् करना चाहिए अथवा उपर्युक्त उत्पादकों को गैर संबद्ध वस्तुओं के आयात के कारण कोई क्षति नहीं हो रही है, जिस मामले में पूर्व की जांचों में इस प्रकार की गैर संबद्ध वस्तुओं पर लगाये गये शुल्क को निरस्त किया जाना चाहिए। एन ई आई एल के अनुरोधों में कोई आधार नहीं है क्योंकि क्षति का आकलन विचाराधीन उत्पाद के आधार पर किया जाता है और किसी अन्य उत्पाद के प्रभाव को पहले ही इस प्रकार के आकलन से बाहर कर दिया गया है।
- य. एन ई आई एल ने यह अनुरोध किया है कि जे एस डब्ल्यू स्टील इटली एस. आर. आई. (जे एस डब्ल्यू स्टील लिमि. की एक सहायक कंपनी) ने नकदमुक्त, ऋणमुक्त आधार पर 55 मिलियन यूरो की नकद राशि के लिए जी एस आई लखनौ एस. पी. ए. की शेयर पूंजी का 69.27 प्रतिशत और अफरपी एस. पी. ए., पिओमबिनो लॉजिस्टिक एस. पी. एस. ('पीएल') के 100 प्रतिशत शेयरों की खरीद करने के लिए एक बिक्री और खरीद करार किया है। इस कारण से यह उल्लेख किया गया है कि नकद राशि के लिए स्टील सुविधा का यह चालू खरीद निश्चित रूप से यह दर्शाया है कि संबद्ध वस्तुओं के आयात से आवेदक की निवेश उगाहने की क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा है। यह अनुरोध उसमें

उल्लिखित तथ्यों के बीच कोई तर्क अथवा सह संबंध के बिना किया गया है। घरेलू उद्योग प्राधिकारी से यह अनुरोध करता है कि वे इस पर ध्यान न दें।

- र. उन दावों के उत्तर में कि 2015-16 के दौरान सीमा शुल्क में वृद्धि को देखते हुए, शुल्क लगाने की कोई आवश्यकता नहीं है, घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया है कि मूल सीमा शुल्क में वृद्धि एक नीतिगत निर्णय है जिसे भारत सरकार द्वारा लिया गया है और इस पर क्षति कारक पाटन का मुकाबला करने के लिए एक निदान के रूप में विचार नहीं किया जा सकता है।
- ल. इसके अलावा, कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने यह भी अनुरोध किया है कि पाटनरोधी शुल्क लगाया जाना आम हित में नहीं होगा। इस संबंध में घरेलू उद्योग का यह अनुरोध है कि पाटनरोधी शुल्कों को केवल उसी सीमा तक लगाया जाये जिस सीमा तक यह क्षतिकारक पाटन का मुकाबला कर सके। पाटनरोधी शुल्क किसी भी प्रकार से भारत में आयातों को आने के अवरुद्ध नहीं करता है बल्कि यह सुनिश्चित करता है कि आयात उचित कीमतों पर हो रहा है।
- व. जांच की अवधि के बाद कार्बन और एलॉय स्टील ग्रेड के उत्पादों की कीमत में वृद्धि को देखते हुए जांच की अवधि के बाद की अवधि की प्रवृत्तियों का विश्लेषण के संबंध में दावों के बारे में, घरेलू उद्योग का यह अनुरोध है कि कार्बन और एलॉय स्टील ग्रेड की कीमत शामिल प्रमुख कच्चे माल की कीमतों में बहुत अधिक वृद्धि के फलस्वरूप बड़ी है। इस प्रकार से यह उत्पाद की लागत है जिसमें वृद्धि हुई है, जिसके कारण बिक्री की कीमत में वृद्धि हुई है। याचिकाकर्त्ताओं की लाभप्रदता में कोई सुधार नहीं हुआ है। इसके अलावा, मूल जांच में जांच की अवधि के बाद की अवधि में प्रवृत्तियों पर विचार करने के लिए कोई आधार नहीं है।

अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किया गया अनुरोध

59. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किया गया अनुरोध नीचे दिये गये अनुसार है :

- क. चीन जन. गण. से आयात की मात्राओं में मांग में वृद्धि के अनुरूप वृद्धि हुई है। याचिकाकर्त्ताओं द्वारा प्रस्तुत किये गये आवेदन के प्रपत्र IVक के अनुसार चीन जन. गण. से आयातों में आधार वर्ष में 56,990 मी. ट. से वर्ष 2015-16 के दौरान 301,992 मी. ट. और आगे जांच की अवधि के दौरान 180,959 मी. ट. तक वृद्धि हुई। यह भारत में संबद्ध वस्तुओं की कुल प्रचलित मांग का केवल 11 प्रतिशत होता है। इसके साथ ही, मांग में भी लगभग 11 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है जबकि भारत में कुल मांग की तुलना में संबद्ध देश के आयात में जांच की अवधि के दौरान 7 प्रतिशत तक वृद्धि (आधार वर्ष में 4 प्रतिशत से 11 प्रतिशत तक) हुई है जो बहुत मामूली है।
- ख. एस ए ई एस ए ई52100 और एस ए ई7820 ग्रेडों की एन ई आई एल की आयात कीमत आवेदकों द्वारा अनुमान लगाये गये एन आई पी से अधिक है। इसके अलावा एन ई आई एल द्वारा उक्त ग्रेडों की आयात कीमत घरेलू रूप में खरीदे गये तुलनीय वस्तुओं से पर्याप्त रूप से अधिक है। इस कारण से एन ई आई एल द्वारा आयात किये गये ग्रेडों के कारण कोई क्षति नहीं हो सकती है।
- ग. संबद्ध देश से निर्यातों की मात्रा में जांच की अवधि के दौरान कमी आई है। इसके अलावा घरेलू उद्योग की बिक्री से प्राप्ति प्रति इकाई बिक्री की लागत के अनुरूप है। इस कारण से कीमत पर कोई दबाव नहीं पड़ा है क्योंकि आवेदकों की घरेलू बिक्री कीमत आयात की कीमतों से अप्रभावित रही।
- घ. घरेलू उद्योग ने भारतीय बाजार के 50 प्रतिशत से अधिक हिस्से पर कब्जा कर लिया है। इसके हिस्से में जांच की अवधि के दौरान पर्याप्त रूप से वृद्धि होकर 57 प्रतिशत तक पहुंच गया है। यह दर्शाता है कि घरेलू उद्योग बहुत अच्छा कार्य कर रहा है परंतु यदि याचिकाकर्त्ता अब भी क्षति का दावा कर रहे हैं तब इसका कारण चीन जन. गण. से हुए आयातों को नहीं माना जा सकता है।
- ङ. याचिकाकर्त्ता का मात्रा मापदंड क्षमता, क्षमता का उपयोग, उत्पादन और घरेलू बिक्री के संबंध में एक घनात्मक प्रवृत्ति दर्शा रहा है।
- च. याचिकाकर्त्ता 100 प्रतिशत पर कार्य कर रहा है क्योंकि उनके उत्पादन और क्षमता के उपयोग में वृद्धि देखी गई है। उनका यह दावा कि उनको संबद्ध देश से आयातों के कारण कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है, सही नहीं है क्योंकि न तो उत्पादन में और न ही क्षमता के उपयोग में कमी हुई है। यह देखा जा सकता है कि जांच की अवधि के दौरान, याचिकाकर्त्ता ने अधिकतम क्षमता उपयोग पर कार्य किया है।
- छ. हितबद्ध पक्षकारों में से एक पक्षकार ने यह भी दावा किया है कि याचिकाकर्त्ता की निम्न क्षमता उपयोग के कारण उत्पादन की लागत में वृद्धि हुई है।

- ज. याचिकाकर्ता की घरेलू बिक्री में सुधार आया है परंतु निर्यात बिक्री में गिरावट आई है। निर्यात बिक्री में गिरावट का याचिकाकर्ताओं की मात्रा और कीमत संबंधी क्षति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।
- झ. याचिकाकर्ता की निर्यात बिक्री उनकी कीमतों पर की गई है जो एन आई पी तथा घरेलू बिक्री कीमत से कम है जो यह दर्शाता है कि यह क्षति निर्यात की बिक्री मात्रा और निर्यात की बिक्री कीमत में गिरावट सहित अंतर्निहित कारकों के कारण हुआ है।
- ञ. याचिकाकर्ताओं की बिक्री की मात्रा और प्रति इकाई बिक्री से प्राप्ति के संबंध में आंकड़ों में वृद्धि यह दर्शाती है कि घरेलू उद्योग की कीमत में केवल उस सीमा तक गिरावट आई है जिस सीमा तक बिक्री की लागत में गिरावट हुई। कहने की आवश्यकता नहीं है कि ऐसे बाजार में जहां उचित प्रतिस्पर्धा होती है, घरेलू विक्रेता से यह अपेक्षित है कि वे निर्यात की कीमत के अनुरूप में कीमत रखें। हालांकि, संबद्ध वस्तुओं की घरेलू बिक्री मात्रा और बिक्री कीमत ने आयात कीमत के साथ सह-संबंध के अभाव को दर्शाया है।
- ट. आवेदकों के लाभ में उस सीमा तक गिरावट आई है जिस सीमा तक बिक्री की लागत में गिरावट आई। इस कारण से लाभ में गिरावट बिक्री की लागत में गिरावट के कारण हुई है। तदनुसार, प्रतिशत रूप में लाभ में कोई गिरावट नहीं हुई है। लाभ में गिरावट का कारण निर्यात कार्य निष्पादन में गिरावट और लागत से कम पर निर्यात बिक्री भी हो सकती है।
- ठ. चूंकि याचिकाकर्ताओं के उत्पादन की मात्रा में वृद्धि हुई है अतः प्रति कर्मचारी रोजगार और उत्पादकता ने कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं दर्शाया है। इस कारण से घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन और संबद्ध देश से आयात की मात्राओं के बीच कोई कारणात्मक संबंध नहीं है।
- ड. नियोजित पूंजी पर लाभ के संबंध में, याचिकाकर्ताओं के आंकड़े असामान्य प्रवृत्तियों को दर्शाते हैं और इसका सह संबंध घरेलू उद्योग को क्षति के साथ नहीं है। याचिकाकर्ताओं द्वारा उपलब्ध कराये गये आंकड़ों की सटीकता संदिग्ध है और इसकी जांच प्राधिकारी द्वारा आलोचनात्मक जांच किये जाने की आवश्यकता है।
- ढ. कानून में यह अपेक्षा है कि लाभ 'उचित' होना चाहिए परंतु उद्योग के सभी प्रकारों से 22 प्रतिशत लाभ उचित नहीं है। 22 प्रतिशत लाभ पर विचार करना प्राधिकारी द्वारा परिकलित एन आई पी को बहुत अधिक बढ़ाता है। इस संबंध में प्राधिकारी द्वारा सतत प्रथा 22 प्रतिशत लाभ देने के लिए कोई कारण नहीं है। नियोजित पूंजी पर 22 प्रतिशत लाभ प्रदान करना सही नहीं है क्योंकि नियोजित पूंजी का ऋण संबंधी हिस्सा जिस पर लगभग 10 से 12 प्रतिशत का ब्याज दर लगता है, को 22 प्रतिशत दिया जाता है जो बाद में नियोजित पूंजी के निवल पूंजी संबंधी हिस्से पर 5 प्रतिशत से अधिक लाभ प्रदान करता है। इसके अलावा, वैश्विक मंदी के एक युग में घरेलू उद्योग को इस प्रकार के उच्च लाभ की अनुमति देना पूर्ण रूप से सही नहीं है और किसी भी क्षेत्र में ऐसा कभी नहीं सुना गया है।
- ण. घरेलू उद्योग द्वारा कथित रूप से उठाई गई कोई क्षति संबंधित देश से आयातों को छोड़कर अन्य कारकों के कारण है। यदि घरेलू उद्योग को थोड़ी भी क्षति हुई है तब पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-॥ के पैरा (v) के संबंध में यह अनिवार्य है कि प्राधिकारी आयातों को छोड़कर अन्य ज्ञात कारकों की निश्चित रूप से जांच करें, जिसके कारण घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

60. प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किये गये अनुरोधों को नोट किया है और पाटनरोधी नियमावली के अनुसार घरेलू उद्योग को क्षति की जांच घरेलू उद्योग और हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किये गये अनुरोधों पर विचार करने के बाद किया है।
61. पाटनरोधी नियमावली में अधिकारी से यह अपेक्षित है कि वह मात्रा और कीमत के प्रभाव दोनों की जांच करने के बाद क्षति की जांच करे। क्षति के निर्धारण में (क) पाटित आयातों की मात्रा और समान वस्तु के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों का प्रभाव और (ख) घरेलू उद्योग पर इन आयातों का परिणामी प्रभाव दोनों की वस्तुपरक जांच शामिल है। पाटित आयातों की मात्रा के संबंध में प्राधिकारी से यह अपेक्षित है कि वह इस तथ्य पर विचार करे कि क्या या तो स्वतंत्र रूप में अथवा भारत में उत्पादन या खपत की तुलना में पाटित आयातों में बहुत अधिक वृद्धि हुई है। कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में प्राधिकारी से यह अपेक्षित है कि वह इस तथ्य पर विचार करे कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों से कीमत में बहुत अधिक कटौती हुई है अथवा क्या इस प्रकार के आयातों के प्रभाव से अन्यथा कीमतों में बहुत अधिक सीमा तक मंदी आती अथवा कीमत में वृद्धि रूक जाती जो अन्य प्रकार से बहुत अधिक सीमा तक हुई होती।
62. जहां तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के परिमाण प्रभाव का संबंध है, पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-॥ के पैरा (iv) में निम्नानुसार उल्लेख है :

(iv) संबंधित घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर आय या क्षमता उपयोग में स्वाभाविक और संभावित गिरावट, सहित उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले सभी संगत आर्थिक कारकों और संकेतकों, घरेलू कीमतों, पाटन मार्जिन की मात्रा, नकद प्रवाह पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता को प्रभावित करने वाले कारकों का मूल्यांकन शामिल होगा।

63. यह आवश्यक नहीं है कि क्षति के सभी मानदंड गिरावट दर्शाते हों। कुछ मानदंड गिरावट दर्शा सकते हैं जबकि कुछ सुधार दर्शा सकते हैं। निर्दिष्ट प्राधिकारी क्षति के सभी मानदंडों पर विचार करेगा और इसके बाद इस निष्कर्ष पर पहुंचेगा कि क्या घरेलू उद्योग को पाटन के कारण क्षति हुई है अथवा नहीं।

पाटित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव और घरेलू उद्योग पर प्रभाव

मांग का आकलन

64. संबद्ध वस्तुओं की मांग का निर्धारण सभी स्रोतों से संबद्ध वस्तुओं की आयातों के साथ समान उत्पाद के याचिकाकर्ताओं और अन्य भारतीय उत्पादकों की घरेलू बिक्री को जोड़कर किया गया है। क्षति के वर्तमान विश्लेषण के उद्देश्य से, प्राधिकारी ने डी जी सी आई एंड एस से प्राप्त किये गये आयात संबंधी आंकड़ों पर भरोसा किया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तुओं की मांग में क्षति की अवधि की तुलना में वृद्धि हुई।

मांग

विवरण	इकाई	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17 (जांच की अवधि)
याचिकाकर्ताओं की बिक्री	मी. ट.	***	***	***	***
समर्थक की बिक्री	मी. ट.	***	***	***	***
अन्य उत्पादकों की बिक्री	मी. ट.	***	***	***	***
कुल घरेलू बिक्री	मी. ट.	13,81,862	13,89,428	13,64,090	14,13,650
संबद्ध देश से आयात	मी. ट.	56,690	1,76,936	3,01,992	1,80,959
अन्य देशों से आयात	मी. ट.	76,242	82,788	82,992	75,045
कुल आयात	मी. ट.	1,32,933	2,59,723	3,84,983	2,56,004
भारतीय मांग	मी. ट.	15,14,795	16,49,152	17,49,073	16,69,653

65. पहले जो कहा गया है उसके आधार पर यह स्पष्ट है कि भारतीय मांग में जांच की अवधि में मामूली गिरावट के अपवाद के साथ क्षति की पूरी अवधि में वृद्धि हुई है। यह नोट किया जाता है कि भारतीय मांग क्षति की अवधि की तुलना में 1,54,858 मी. ट. तक बढ़ा और लगभग संपूर्ण मांग विस्तार पर संबद्ध देश के आयातों के द्वारा कब्जा कर लिया गया था, जो बढ़कर 1,24,269 मी. ट. हो गया। इस समय में याचिकाकर्ताओं सहित भारतीय उत्पादकों की बिक्री में केवल 31,788 मी. ट. तक वृद्धि हुई जो मांग में वृद्धि का केवल एक चौथाई है। इस प्रकार से यह नोट किया जाता है कि मांग में वृद्धि हुई और इस वृद्धि पर संबद्ध देश से आयातों द्वारा कब्जा कर लिया गया था।

आयात की मात्रा और संबद्ध देश का हिस्सा

66. पाटित आयातों की मात्रा के संबंध में प्राधिकारी ने इस पर विचार किया है कि क्या स्वतंत्र रूप में अथवा भारत में उत्पादन या खपत की तुलना में पाटित आयातों में बहुत अधिक वृद्धि हुई है। संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के आयातों की मात्रा का विश्लेषण नीचे दिये गये अनुसार किया गया है :

आयातों का बाजार हिस्सा

विवरण	इकाई	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17 (जांच की अवधि)
चीन जन. गण. से आयात	मी. ट.	56,690	1,76,936	3,01,992	1,80,959
भारतीय मांग की तुलना में चीन जन. गण. से आयात	%	4%	11%	17%	11%
याचिकाकर्ता के उत्पादन की तुलना में चीन जन. गण. से आयात	%	9%	19%	31%	18%

67. प्राधिकारी उपर्युक्त तालिका से नीचे दिये गये अनुसार नोट करते हैं :

- क. चीन जन. गण. संबद्ध वस्तुओं के आयातों में जांच की अवधि में गिरावट दर्ज करने के पहले स्वतंत्र रूप में बहुत अधिक वृद्धि हुई है।
- ख. याचिकाकर्ता के उत्पादन की तुलना में चीन जन. गण. से आयातों में क्षति की अवधि की तुलना में वृद्धि हुई है और यह जांच की अवधि के दौरान 18 प्रतिशत के स्तर तक पहुंच गया है।
- ग. भारतीय खपत की तुलना में चीन जन. गण. से आयातों में वृद्धि हुई है और यह आधार वर्ष में 4 प्रतिशत की तुलना में जांच की अवधि में 11 प्रतिशत के स्तर तक पहुंच गया।

घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का कीमत प्रभाव

68. जहां तक कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, नियमावली के अनुबंध-11 (ii) में निम्नानुसार निर्धारित है :

“जहां तक नियम 18 के उप नियम (2) में किए गए उल्लेखानुसार कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, प्राधिकारी इस बात पर विचार करेंगे कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों के कारण कीमत में अत्यधिक कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव के कारण कीमत में होने वाली वृद्धि में अन्यथा काफी अधिक ह्रास हुआ है अथवा कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रूकावट आई है जिसमें अन्यथा काफी हद तक वृद्धि हो गई होती।”

69. यह जांच की गई है कि क्या पाटित आयातों के कारण कीमत में बहुत अधिक कटौती हुई है अथवा क्या इस प्रकार के आयातों के प्रभाव से अन्यथा कीमतों पर बहुत अधिक सीमा तक दबाव पड़ा है अथवा कीमत में वृद्धि रुक गई है जो अन्य प्रकार से काफी अधिक सीमा तक हुई होती। घरेलू उद्योग की कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच कीमत में कटौती, कम कीमत पर बिक्री, कीमत पर दबाव अथवा कीमत पर मंदी, यदि कोई हो के संदर्भ किया गया है।

कीमत में कटौती

70. इस बात का निर्धारण करने के उद्देश्य से की क्या आयातों से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती हो रही है, प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति से आयातों के पहुंच मूल्य की तुलना की है। इस संबंध में, उत्पाद के पहुंच मूल्य और घरेलू उद्योग की औसत बिक्री कीमत जिसमें व्यापार के उसी स्तर पर सभी छूट और कर शामिल हैं, के बीच एक तुलना की गई है। घरेलू उद्योग की कीमतों का निर्धारण कारखानागत स्तर पर किया गया था। घरेलू कीमतों और कटौती के मार्जिन को नीचे दी गई तालिका में दर्शाया गया है :

विवरण	इकाई	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17 (जांच की अवधि)
घरेलू बिक्री कीमत	रु. प्रति मी. ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	103	96	92
पहुंच मूल्य	रु. प्रति मी.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	73	58	63
कीमत में कटौती	रु. प्रति मी.	***	***	***	***

कीमत में कटौती	एल. वी. का प्रतिशत %	***	***	***	***
कीमत में कटौती (रेंज)	एल. वी. का प्रतिशत %	-25 to -15%	10 to 20%	30 to 40%	15 to 25%

71. प्राधिकारी उपर्युक्त तालिका से नोट करते हैं कि पाटित आयातों के कारण कीमत में हुई कटौती में जांच की अवधि में कुछ गिरावट दर्ज करने से पहले क्षति की अवधि की तुलना में सतत रूप में वृद्धि हुई है। तथापि, जांच की अवधि के दौरान कीमत कटौती काफी रही और 15 प्रतिशत से 25 प्रतिशत की दर पर रही।

कीमत ह्रास/ न्यूनीकरण

72. इस बात का निर्धारण करने के उद्देश्य से कि क्या पाटित आयातों के कारण घरेलू कीमतों का ह्रास हो रहा है और इस प्रकार के आयातों के प्रभाव से कीमतों पर बहुत अधिक सीमा तक न्यूनीकरण होगा अथवा कीमतों में वृद्धि रुक जायेगी, जो अन्य प्रकार से बहुत अधिक सीमा तक बढ़ गई होती, प्राधिकारी ने क्षति की अवधि की तुलना में लागतों और कीमतों में परिवर्तन पर विचार किया। यह स्थिति नीचे दी गई तालिका के अनुसार दर्शायी गई है :

विवरण	इकाई	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17 (जांच की अवधि)
घरेलू बिक्री प्राप्ति	रु. प्रति मी. ट. सूचीबद्ध	*** 100	*** 103	*** 96	*** 92
बनाने और बेचने की लागत	रु. प्रति मी. ट. सूचीबद्ध	*** 100	*** 108	*** 96	*** 97
पहुंच मूल्य प्रवृत्ति	रु. प्रति मी. ट. सूचीबद्ध	57,928 100	42,483 73	33,510 58	36,534 63

73. उपर्युक्त तालिका से यह देखा जा सकता है कि याचिकाकर्ताओं की बिक्री की लागत में 2014-15 के दौरान वृद्धि हुई और तब शेष अवधि और जांच की अवधि की तुलना में गिरावट आई। हालांकि इसी अवधि के दौरान, याचिकाकर्ताओं की बिक्री कीमत में बहुत अधिक तेजी से गिरावट आई। जांच की अवधि में बिक्री की लागत में वृद्धि हुई परंतु याचिकाकर्ताओं की बिक्री कीमत में गिरावट होना जारी रहा। यह नोट किया जाता है कि याचिकाकर्ताओं की बिक्री कीमत जांच की अवधि में बनाने और बेचने की इसकी लागत की तुलना में कम थी। यह भी नोट किया जाता है कि चीन जन. गण. से पहुंच मूल्य बिक्री की कीमत और बनाने और बेचने की लागत दोनों की तुलना में बहुत कम थी। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि उसी समय संबद्ध आयातों की पहुंच मूल्य गिरावट बहुत अधिक है। इस प्रकार से ऐसा लगता है कि याचिकाकर्ताओं को पहुंच मूल्य की कीमत निर्धारण संबंधी प्रवृत्ति के कारण कीमत पर दबाव/ मंदी का सामना करना पड़ रहा है।

कम कीमत पर बिक्री

74. प्राधिकारी ने संबद्ध देश के पाटित आयातों के कारण कम कीमत पर बिक्री, यदि कोई हो की भी जांच की है। इस उद्देश्य से घरेलू उद्योग के लिए निर्धारित किये गये एन आई पी की तुलना आयातों के पहुंच मूल्य से की गई है। घरेलू उद्योग की औसत भारित एन आई पी की तुलना आयात की औसत भारित पहुंच मूल्य से की गई है और वह निम्नलिखित दर्शाता है :

विवरण	इकाई	जांच की अवधि (2016-17)
पहुंच मूल्य	रु. प्रति मी. ट.	36,534
क्षति रहित कीमत (एन आई पी)	रु. प्रति मी. ट.	***
	रु. प्रति मी. ट.	***
क्षति मार्जिन	अमरीकी डालर प्रति मी. ट.	***
	%	***
	रेंज	20-30

75. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग के लिए निर्धारित किये गये एन आई पी की तुलना में कम थी।

घरेलू उद्योग का आर्थिक मानदंड

76. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-11 में यह अपेक्षित है कि क्षति के निर्धारण में समान उत्पाद के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों का परिणामी प्रभाव की वस्तुपरक जांच शामिल होगी। नियमावली में आगे यह प्रावधान है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में सभी संगत आर्थिक कारकों और सूचकांकों जिसका उपयोग की स्थिति पर प्रभाव पड़ता हो, जिसमें बिक्री में वास्तविक और संभावित गिरावट, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्सा, उत्पादकता, निवेश पर आय अथवा क्षमता का उपयोग शामिल हो; वे कारक जो घरेलू उद्योग की कीमतों पर प्रभाव डालते हों, पाटन के मार्जिन का आकार; नकदी के प्रभाव पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव, माल सूची, रोजगार, मजदूरी, विकास, पूंजी निवेश उगाहने की क्षमता का एक वस्तुपरक और निष्पक्ष मूल्यांकन शामिल होना चाहिए। घरेलू उद्योग से संबंधित क्षति संबंधी विभिन्न मानदंडों की चर्चा नीचे की गई है।

उत्पादन, क्षमता, क्षमता उपयोग और बिक्री

77. क्षमता, उत्पादन, घरेलू बिक्री और क्षमता के उपयोग के संबंध में घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन को नीचे दी गई तालिका में दर्शाया गया है :

विवरण	इकाई	2013-14	2014-15	2015-16	जांच की अवधि
संस्थापित क्षमता (पीयूसी + एनपी यूसी)	मी. ट.	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	116	116	136
उत्पादन (पीयूसी + एनपी यूसी)	मी. ट.	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	128	129	139
क्षमता का उपयोग	%	62%	68%	69%	63%
उत्पादन (पी यू सी)	मी. ट.	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	145	152	154
बिक्री (पी यू सी)	मी. ट.	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	140	148	150

78. यह देखा जा सकता है कि याचिकाकर्ता के उत्पादन और बिक्री में क्षति की अवधि की तुलना में वृद्धि हुई है।
79. हालांकि, यह नोट किया जाता है कि क्षमता के उपयोग में क्षति की समग्र अवधि और जांच की अवधि में बहुत अधिक परिवर्तन नहीं हुआ है और वास्तव में 2014-15 और 2015-16 की तुलना में जांच की अवधि में गिरावट आई है। घरेलू उद्योग की क्षमता उपयोग क्षति की अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं की मांग में बहुत अधिक वृद्धि के बावजूद कम रही है।

बाजार हिस्सा

80. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि याचिकाकर्ताओं ने क्षति की अवधि की तुलना में अपने बाजार हिस्से को बनाये रखा है। इस संबंध में संगत आंकड़े नीचे दिये गये अनुसार हैं :

विवरण	इकाई	2013-14	2014-15	2015-16	जांच की अवधि
याचिकाकर्ताओं का बाजार हिस्सा	%	40%	52%	51%	54%
समर्थकों का बाजार हिस्सा	%	17%	17%	16%	20%
अन्य उत्पादकों का बाजार हिस्सा	%	34%	15%	10%	11%
कुल भारतीय उत्पादकों का बाजार हिस्सा	%	91%	84%	77%	85%
संबद्ध देश से आयात	%	4%	11%	17%	11%

अन्य देशों से आयात	%	5%	5%	5%	4%
कुल मांग	%	100%	100%	100%	100%

81. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि मांग और इसके वितरण का एक आकलन यह दर्शाता है कि याचिकाकर्ताओं सहित भारतीय उत्पादकों के हिस्से में आधार वर्ष में 91 प्रतिशत से गिरावट होकर जांच की अवधि में 85 प्रतिशत हो गया। साथ ही अन्य देशों से आयातों के हिस्से में भी आधार वर्ष में 5 प्रतिशत से गिरावट होकर जांच की अवधि में 4 प्रतिशत हो गया। हालांकि, संबद्ध देश से केवल आयात ने आधार वर्ष में केवल 4 प्रतिशत से जांच की अवधि में 11 प्रतिशत तक अपने बाजार का विस्तार करने में सफल रहा।

लाभप्रदत्ता और नकद लाभ

82. प्राधिकारी ने याचिकाकर्ताओं की लाभप्रदत्ता से संबंधित आंकड़ों का आकलन किया है और निम्नलिखित आंकड़ों को इस संबंध में देखा जा सकता है :

विवरण	इकाई	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17 (जांच की अवधि)
लाभ/ हानि (कुल)	रु. (लाख में)	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	(25)	155	(33)
लाभ/ हानि (प्रति इकाई)	रु. प्रति मी. ट.	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	(18)	105	(22)
नकद लाभ (कुल)	रु. (लाख में)	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	29	147	31
नकद लाभ (प्रति इकाई)	रु. प्रति मी. ट.	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	21	100	21

83. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि :

- क. याचिकाकर्ता के लाभ में कुल मिलाकर आधार वर्ष में सकारात्मक से घटकर जांच की अवधि के दौरान नकारात्मक हो गई।
- ख. याचिकाकर्ता के नकद लाभ में कुल मिलाकर मामूली स्तर तक गिरावट आई।
- ग. प्रति इकाई लाभ 2013-14 के दौरान 100 सूचीबद्ध अंक से घटकर जांच की अवधि के दौरान घाटे (22) सूचीबद्ध अंक तक पहुंच गया है।
- घ. नकद लाभ प्रति इकाई आधार वर्ष के दौरान से घटकर जांच की अवधि में 21 सूचीबद्ध अंक तक पहुंच गया है।

नियोजित पूंजी पर लाभ

विवरण	इकाई	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17 (जांच की अवधि)
नियोजित पूंजी	रु. लाख में	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	113	120	136
नियोजित पूंजी पर लाभ	%	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	69	150	80

84. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि याचिकाकर्ता की नियोजित पूंजी पर लाभ क्षति की पूरी अवधि के दौरान कम रही है। जांच की अवधि के दौरान नियोजित पूंजी पर लाभ आधार वर्ष तथा इसके पूर्व वर्ष की तुलना में कम है।

माल सूची

विवरण	इकाई	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17
-------	------	---------	---------	---------	---------

					(जांच की अवधि)
माल सूची	मी. ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	171	251	329

85. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग को संचित माल सूची का सामना करना पड़ रहा है। माल सूची का स्तर आधार वर्ष की तुलना में बढ़ता रहा है और यह उस स्तर तक पहुंच गया है जो लगभग 2.5 महीने के उत्पादन से समतुल्य है।

घरेलू उद्योग की उत्पादकता

86. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग के रोजगार के स्तर में प्रारंभ में 2014-15 तक वृद्धि हुई है और उसके बाद उसमें गिरावट आई है। इसके अलावा, प्रति कर्मचारी उत्पादकता में सुधार हुआ। मजदूरी में उतार चढ़ाव दर्शाया गया है परंतु पूरी क्षति अवधि और जांच की अवधि में वह अप्रभावित रही।

विवरण	इकाई	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17 (जांच की अवधि)
उत्पादन	मी. ट.	***	***	***	***
कर्मचारी की सं.	सं.	***	***	***	***
मजदूरी	प्रति मी. टन	***	***	***	***
उत्पादकता	सूचीबद्ध	100	81	86	100
	मी. ट. प्रति	***	***	***	***
	कर्मचारी सूचीबद्ध	100	105	115	120

घरेलू उद्योग की वृद्धि

87. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू बिक्री, क्षमता उपयोग, लाभ, निवेश पर आय, नकद लाभ के संबंध में 2015-16 में घरेलू उद्योग की वृद्धि सकारात्मक रही। तथापि, इन मानदंडों में वृद्धि जांच की अवधि के दौरान नकारात्मक हो गई।

विवरण	इकाई	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17 (पीओआई)
क्षमता उपयोग	वाई/वाई		10%	1%	-8%
घरेलू बिक्री	वाई/वाई		40%	5%	1%
निवेश पर आय	वाई/वाई		-31%	119%	-47%
लाभ	वाई/वाई		-22%	132%	-39%

पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता

88. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि एक हितबद्ध पक्षकार द्वारा अनुरोध प्रस्तुत किया गया था कि चूंकि याचिकाकर्ताओं की सहायक कंपनियों में से एक सहायक कंपनी नकद राशि पर एक अन्य देश में एक अन्य कंपनी की खरीद करने में सक्षम रही है, जो ऋण मुक्त था, प्राधिकारी को यह नोट करना चाहिए कि याचिकाकर्ता की पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर संबद्ध आयातों का कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। इस प्रकार के दावे में कोई दम नहीं हो सकता है क्योंकि यह कुल मिलाकर घरेलू उद्योग पर लागू नहीं होता है।

पाटन और पाटन मार्जिन का स्तर

89. प्राधिकारी ने वर्तमान जांच परिणाम के पिछले भागों में पाटन के संबंध में अपनी टिप्पणियां पहले ही दर्ज कर ली हैं। यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देश से आयात पाटित कीमतों इस देश में हो रहे हैं और यह कि पाटन का मार्जिन बहुत अधिक है।

घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

90. संबद्ध देश से आयात की कीमतों, लागत संरचना में परिवर्तन, घरेलू बाजार में प्रतिस्पर्धा, पाटित आयातों के अलावा वे कारक जो घरेलू बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों पर प्रभाव डाल सकते हैं कि जांच यह दर्शाता है कि संबद्ध देश से आयात की गई वस्तुओं का पहुंच मूल्य क्षति रहित कीमत और घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से कम है। इसके कारण भारतीय बाजार में कम कीमत पर बिक्री और कीमत में कटौती होती है। इस प्रकार से प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि ऐसा लगता है कि घरेलू कीमतों पर प्रभाव डालने वाले प्राथमिक कारक संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं की निम्न पहुंच मूल्य है।

क्षति के संबंध में समग्र विश्लेषण

91. रिकार्ड में उपलब्ध सूचना पर विचार करने और घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन की जांच करने के बाद, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों में भारत में संबद्ध वस्तुओं की खपत की तुलना में भी स्वतंत्र रूप में वृद्धि हुई है। संबद्ध आयातों के कीमत निर्धारण के कारण कीमत में कटौती तथा कीमत पर दबाव और मंदी हुई है जो घरेलू उद्योग द्वारा देखी गई है, जिसमें घरेलू उद्योग को लाभप्रद स्तर पर अपनी कीमत वसूलने से रोका है। इस उत्पाद की मांग में बहुत अधिक वृद्धि हुई है और चीन जन. गण. से आयातों की मांग में वृद्धि में बहुत बड़ा हिस्सा है। आधार वर्ष में घरेलू उद्योग का लाभ जांच की अवधि में घाटे में परिणत हो गया है और इसके नकद लाभ को भी बहुत अधिक नुकसान पहुंचा है।

कारणात्मक संबद्ध और अन्य कारक

92. प्राधिकारी ने इस बात की जांच की है कि क्या पाटनरोधी नियमावली के अंतर्गत सूचीबद्ध अन्य कारकों का घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचाने में योगदान हो सकता था। इन कारकों जिन पर विचार किया गया है, की चर्चा नीचे की गई है।

तृतीय देश से आयात

93. संबद्ध देश को छोड़कर अन्य देशों से आयात क्षति की अवधि और जांच की अवधि में मिश्रित प्रवृत्ति दर्शाता है। इसके अलावा, वह कीमत जिस पर अन्य देशों से वस्तु आ रहे हैं, उस कीमत की तुलना में बहुत अधिक है जिस पर संबद्ध देश से वस्तु आ रही है।

मांग में संकुचन

94. संबद्ध वस्तुओं के लिए मांग ने बढ़ती हुई प्रवृत्ति दर्शाया है, तदनुसार मांग में कमी घरेलू उद्योग को क्षति का कारण नहीं हो सकता है।

विदेशी और घरेलू उत्पादों की व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथाएं और उसके बीच प्रतिस्पर्धा

95. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि कोई व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथा नहीं है इससे घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती थी।

प्रौद्योगिकी में विकास

96. संबंधित उत्पाद के उत्पादन के लिए प्रौद्योगिकी में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। इस प्रकार से प्रौद्योगिकी में विकास को घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचाने वाले कारक के रूप में नहीं माना जा सकता है।

खपत के पैटर्न में परिवर्तन

97. घरेलू उद्योग उस प्रकार की वस्तुओं का उत्पादन कर रहा है जिसका आयात भारत में किया गया है। खपत के पैटर्न में संभावित परिवर्तन ऐसा एक कारक नहीं है जिसके कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई होगी, जिसका दावा किया गया है।

निर्यात कार्य निष्पादन

98. प्राधिकारी यह नोट करते हैं निर्यात बाजारों में याचिकाकर्ताओं के कार्य निष्पादन में घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन की इस प्राधिकारी द्वारा किये गये आकलन को प्रभावित नहीं किया है। प्राधिकारी ने घरेलू बिक्री से संबंधित सूचना के आधार पर ही अपना आकलन किया है। घरेलू बिक्री को क्षति अलग रूप में हुई है और इसकी जांच की गई है।

अन्य उत्पादों के संबंध में घरेलू उद्योग का कार्य निष्पादन

99. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि निर्यात बाजार में याचिकाकर्ताओं के निष्पादन से घरेलू उद्योग के निष्पादन के संबंध में प्राधिकारी द्वारा किया गया मूल्यांकन प्रभावित नहीं हुआ है। प्राधिकारी ने पूर्णतः घरेलू बिक्री से संबंधित सूचना के आधार पर अपना मूल्यांकन किया है। घरेलू बिक्री के कारण क्षति को अलग कर दिया गया है और जहां तक संभव हुआ उसकी जांच की गई है।

घरेलू उद्योग की उत्पादकता

100. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि उत्पादकता में कोई गिरावट नहीं हुई है और तदनुसार घरेलू उद्योग की उत्पादकता क्षति का कारण नहीं हो सकता है।

क्षति मार्जिन की पद्धति

101. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के लिए क्षति रहित कीमत का निर्धारण किया है और इसकी तुलना संबद्ध देश से संबद्ध आयातों के पहुंच मूल्य से किया है ताकि क्षति के मार्जिन का निर्धारण किया जा सके। क्षति के मार्जिन का निर्धारण नीचे दिये गये अनुसार किया गया है :

पाटन मार्जिन

क्र. सं.	देश	उत्पादक	निर्यातक	सामान्य मूल्य (अम.डॉ./मी. टन)	निवल निर्यात कीमत	पाटन मार्जिन (अम.डॉ./मी.)	पाटन मार्जिन रेंज %
1	चीन जन. गण.	मैसर्स बेनगैंग स्टील प्लेट्स कं. लिमि.	क. मै. बैंग्जी आयरन एंड स्टील हांगकांग लि. ख. मै. होंगझोऊ कोजनरेशन (हांगकांग) कं. लि., ग. बुरविल रिसोर्सेज लिमिटेड	***	***	***	30-40
2	चीन जन. गण.	क. मै. डाया स्पेशल स्टील कं. लि., ख. जियांगशु सीपी जिंगचेंग स्पेशल स्टील कं. लि., ग. जियांगयिन जियांगचेंग स्पेशल स्टील वर्क्स कं. लि.	क. मै. डाया स्पेशल स्टील कं. लि. ख. जियांगयिन जियांगचेंग स्पेशल स्टील वर्क्स कं. लि.	***	***	***	0-10
3.	चीन जन. गण.	नमूने न लिये गये सहयोगी उत्पादक*	***नमूने न लिये गये सहयोगी उत्पादक	***	***	***	10-20
4.	चीन जन. गण.	अन्य सभी	अन्य सभी	***	***	***	35-45

नमूने न लिये गये सहयोगी उत्पादक/निर्यातक

क्र. सं.	उत्पादक	निर्यातक
1	स्टेनडॉग आयरन एंड स्टील कं. लिमि., लेब्यू कम्पनी	स्टेनडॉग आयरन एंड स्टील कं. लिमि., लेब्यू कम्पनी
2	श्री गेंग जिंग चेंग एक्यूपमेंट डेवेलपमेंट एंड मेनिफेक्चरिंग कं. लिमि.	श्री गेंग जिंग चेंग एक्यूपमेंट डेवेलपमेंट एंड मेनिफेक्चरिंग कं. लिमि.
3	शीजिजूहंग आयरन एंड स्टील कं. लिमि.	क शीजिजूहंग आयरन एंड स्टील कं. लिमि. ख एलजी इंटरनेशनल कॉर्प.
4	शानडॉग शाओगुंग जुनेंग स्पेशल स्टील कं. लिमि.	क शानडॉग शाओगुंग जुनेंग स्पेशल स्टील कं. लिमि.

		ख. बुरविल रिसॉसेज लिमिटेड
5	जियांग्सू लियनफेग एनर्जी एक्यूपमेंट कं. लिमि.	क. जियांग्सू लियनफेग एनर्जी एक्यूपमेंट कं. लिमि. ख. बुरविल रिसॉसेज लिमिटेड
6	जेनेथ स्टील ग्रुप कं. लिमि.	क. जेनेसिस रिसॉसेज लिमिटेड ख. टापटिप होल्डिंग प्रा. लि. ग. सिनोमेटेरियल इंटरनेशनल कं. लि.
7	जियांग्सू लिहुई आयरन एंड स्टील कं. लिमि.	क. एल्डर स्टील लिमिटेड ख. बी एंड एल इंटरनेशनल कं. लि. ग. जी एस ग्लोबल कार्प. एंड जिन्दल शॉ

102 प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटन मार्जिन और क्षति के मार्जिन का स्तर जिसे निर्धारित किया गया है, बहुत अधिक है।

ब. कारणात्मक संपर्क स्थापित करने वाले कारक

103. क्षति की अवधि में पाटित आयातों का विश्लेषण और घरेलू उद्योग का निष्पादन निम्नलिखित तथ्य प्रकट करता है:

- क. चीन जन. गण. से संबद्ध सामान के पाटित आयात जांच की अवधि में आधार वर्ष की तुलना में पूर्ण दृष्टि से बढ़े।
- ख. संबद्ध देश से संबद्ध सामानों के पाटित आयात आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में भारत में याचिकाकर्ताओं के उत्पादन और खपत की तुलना में बढ़े।
- ग. पाटित आयात घरेलू उद्योग की कीमतों की कटौती कर रहे हैं।
- घ. पाटित आयातों के कारण कीमत कटौती से घरेलू उद्योग की कीमतों में वृद्धि रुकी जो कि अन्यथा हुई होती।
- ङ. घरेलू उद्योग का लाभ, नियोजित पूंजी पर आय और नकद लाभ में आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि के दौरान गिरावट आई।
- च. घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाला प्राथमिक कारक चीन जन. गण. से संबद्ध सामानों का कम पहुँच मूल्य है।

ट. घरेलू उद्योग तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रकटन पश्चात टिप्पणियां

104. प्रकटन पश्चात अनुरोध हितबद्ध पक्षकारों तथा घरेलू उद्योग सहित कई पक्षकारों से प्राप्त हो गए हैं। उनमें उठाए गए मुद्दे अधिकतर जांच के दौरान पहले ही पूर्व में उठा दिए गए हैं और इस जांच परिणाम में संगत भागों में उनका समुचित रूप से समाधान कर दिया गया है। तथापि, विभिन्न पक्षकारों द्वारा प्रकटन पश्चात अनुरोधों की स्पष्टता के लिए निम्नलिखित रूप में जांच की जा रही है:

अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा अनुरोध

105. अधिसंख्य पक्षकारों से अनुरोध प्राप्त हुए थे जिनमें से बहुतों ने हितबद्ध पक्षकारों के पत्र दायर नहीं किए अथवा प्रकटन विवरण जारी करने के स्तर तक जांच में भाग नहीं लिया। ये पक्षकार निम्नलिखित हैं:

- क. ज्योति स्टील इंडस्ट्रीज
- ख. धर्म इंटरनेशनल
- ग. प्रगति इस्पात उद्योग
- घ. सुमन मेटालॉयज
- ङ. मेहता इंटरप्राइजेज
- च. एसएसबी अलॉय एंड स्टील्स प्रा. लि.
- छ. ओसवाल स्टील इंडस्ट्रीज
- ज. उषा स्टील सेंटर
- झ. अलमास स्टील एंड अलॉय प्रा. लि.
- ञ. मार्वेल टेक्नोलॉजी एंड टूल्स प्रा. लि.
- ट. आकाश प्रेस पाटर्स प्रा. लि.
- ठ. डीवी स्टील्स
- ड. साक्षी स्टील एन अलॉयज
- ढ. आर के स्टील्स एंड फोर्जिंग्स

ण. कंटीनेंटल स्टील्स

106. इन पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध अधिकतर टूल और डाई स्टील को ही हटाने और संदर्भ कीमत आधारित शुल्क लगाए जाने से संबंधित हैं और उन्हें हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त अनुरोधों के साथ नीचे रिकार्ड भी किया गया है। घरेलू उद्योग को छोड़कर पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध निम्नलिखित हैं:

- क. कई पक्षकारों ने "फोर्ड बार्स" को विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र से हटाने का अनुरोध किया है। यह दावा किया गया है कि याचिकाकर्ता फोर्ड बार्स के उत्पादक नहीं हैं और फोर्ड बार्स के उत्पादकों में नहीं हैं। छ: उत्पादकों में इस याचिका पर अपना विरोध व्यक्त किया है। यह भी दावा किया गया है कि इस प्रकार की छूट व्यावहारिक होगी क्योंकि "फोर्ड बार्स" एचएसएन कोड 72284000 के अंतर्गत आता है जो अन्य अलॉय स्टील बार्स के लिए एचएसएन कोड से पूर्णतः भिन्न है।
- ख. एक पक्षकार (फोर्ड कास्ट अलॉय प्रा. लि.) ने छ: फोर्ड बार्स उत्पादकों से विरोध पत्र दायर किए। साथ ही, यह दावे किए गए कि फोर्ड बार्स, हॉट-रोल्ड बार्स और रॉडों के प्रतिस्थापनीय नहीं हैं। पक्षकार ने यह प्रश्न भी उठाया कि यद्यपि ग्रेड एसएई 52100 और 8720 पर याचिकाकर्ताओं द्वारा विचार विमर्श किया गया है। तथापि, कार्बन और अलॉय स्टील के कम से कम 75 ग्रेड ऐसे हैं जिनका अंतिम प्रयोक्ताओं द्वारा बार-बार प्रयोग किया जाता है और उनका आकार 160 डाय से 1000 डाय तक है तथा प्राधिकारी को इसका भी समाधान करना चाहिए।
- ग. कई पक्षकारों ने इस आधार पर "आगे प्रसंस्कृत बार्स" को हटाने का दावा किया कि याचिकाकर्ता आगे प्रसंस्कृत बारों की बहुत कम मात्रा का उत्पादन करते हैं और उसका प्रमुख उत्पादन एसएमई/एमएसएमई क्षेत्र द्वारा है।
- घ. यह भी दावा किया गया है कि इस प्रकार की छूट व्यावहारिक होगी क्योंकि "आगे प्रसंस्कृत बार्स" एचएसएन कोड 7228 के अंतर्गत आते हैं और इसीलिए एचएसएन कोड संख्या 7228 1000 और 7228 30 के माध्यम से छूट दी जा सकती है।
- ङ. कई पक्षकारों ने इस आधार पर "140 एमएम से अधिक के डाय के हॉट रोल्ड बार्स" की छूट के लिए दावा किया है कि कुछ याचिकाकर्ताओं और संबद्ध याचिका के समर्थकों सहित केवल 7 भारतीय मिलों में 140 एमएम से अधिक के डाय की बारों और रॉडों का उत्पादन करने की क्षमता है। यह भी दावा किया गया है कि इन सभी उत्पादकों के उत्पादों का कम होने का अनुपात मैसर्स जायसवाल नीको को छोड़कर 6 से कम है। यह दावा किया गया है कि चूंकि घरेलू मिलें अपेक्षित गुणवत्ता का उत्पादन करने में सक्षम नहीं हैं तथा उनका कम होने का अनुपात 6 से कम है, अतः वे अपर्याप्त आदेश प्राप्त करते हैं और इन डायमीटर का बहुत कम मात्रा में उत्पादन करते हैं। इसके अतिरिक्त, गुणवत्ता संबंधी मुद्दे भी उठाए गए हैं।
- च. कई पक्षकारों ने इस आधार पर ">10 मीटर लंबाई के हॉट रोल्ड राउंड बार्स" को हटाने का दावा किया है कि किसी भी घरेलू उत्पादक के पास 10 मीटर से अधिक के हॉट रोल्ड राउंड बार्स का उत्पादन करने की क्षमता नहीं है।
- छ. कई पक्षकारों ने इस आधार पर "0.40 प्रतिशत तक की क्रोमियम वाले कार्बन स्टील ग्रेडों अथवा 0.09 प्रतिशत तक के टाइटेनियम" को हटाने का अनुरोध किया कि अलॉय स्टील ग्रेडों और कार्बन स्टील ग्रेडों के बीच प्रमुख कीमत संबंधी अंतर हों और विचाराधीन आयात आंकड़े कार्बन स्टील ग्रेड के आयातों की भारी मात्रा की मौजूदगी के कारण समग्र न्यूनीकृत औसत आयात कीमत दर्शाते हैं। यह भी दावा किया गया है कि कार्बन स्टील ग्रेडों और अलॉय स्टील ग्रेडों के आधार पर आयात लेन-देन को अलग करना यह दर्शाएगा कि अलॉय स्टील ग्रेडों का मूल्यांकन काफी प्रभावित होगा जहां तक मात्रा में काफी गिरावट आएगी और उत्पाद की सीआईएफ कीमत काफी बढ़ेगी। ये दावे किए गए हैं कि चीनी मिल उत्पाद में क्रोमियम, टाइटेनियम और बोरॉन के सीमित भागों को ऐसे शामिल करते हैं कि उत्पाद के गुणधर्म अपरिवर्तित रहते हैं और उल्लिखित घटकों के ऐसे सीमित रूप से मिलाने से विश्व में किसी भी विशिष्टि के तहत किसी भी अलॉय स्टील ग्रेडों के रूप में उत्पाद को योग्य नहीं बनाते। क्रोमियम <0.40 प्रतिशत और टाइटेनियम <0.09 प्रतिशत और एमओ<0.08 प्रतिशत और नाइट्रोजन <0.30 प्रतिशत वाले अलॉय स्टील की सीधी लंबाई के बारों को हटाने का अनुरोध किया गया है।
- ज. कुछ पक्षकारों ने "टूल और डाई स्टील" को इस आधार पर विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र से अलग करने का दावा किया है कि याचिका में सभी सीधी लंबी बारों को छूट दी गई है जो टूल और डाई स्टील ग्रेड के हैं और इसीलिए प्राधिकारी द्वारा उसे हटाए जाने का औचित्य कुछ अन्य रासायनिक संघटकों को शामिल करने के लिए संशोधित किए जाने का बनता है। इन पक्षकारों के अनुरोधों के आधार पर दावा की गई ये छूटें निम्नलिखित रासायनिक संघटनों से संबंधित हैं जिनमें से कुछ का अतिव्यापन हो रहा है।

क्रम सं.	रासायनिक संघटन
1.	निम्नलिखित घटकों के किसी भी संयोजन में क्रोमियम $\geq 3.0\%$ सहित कार्बन $\geq 0.30\%$
	(a) निकिल $\geq 1.0\%$
	(b) मॉलीब्डेनम $\geq 0.2\%$
	(c) वेनेडियम $\geq 0.2\%$

	(d) मैंगनीज $\geq 0.2\%$	
2.	टंगस्टन $\geq 0.40\%$ के संयोजन में कार्बन $\geq 0.250\%$	
3.	निम्नलिखित घटकों के किसी भी संयोजन में मैंगनीज $\geq 1\%$ सहित कार्बन $\geq 0.30\%$	
	(a) निकिल $\geq 1.0\%$	
	(b) मॉलीब्डेनम $\geq 0.15\%$	
	(c) वेनेडियम $\geq 0.2\%$	
4.	निम्नलिखित घटकों के किसी भी संयोजन में क्रोमियम ≥ 1.0 सहित कार्बन $\geq 0.50\%$	
	(a) निकिल $\geq 1.0\%$	
	(b) मॉलीब्डेनम $\geq 0.2\%$	
	(c) वेनेडियम $\geq 0.2\%$	
5.	निम्नलिखित घटकों के किसी भी संयोजन में कार्बन $\geq 0.30\%$	
	(a) टंगस्टन $\geq 0.40\%$	
	(b) क्रोमियम $\geq 4.5\%$	
6.	2.00% \geq कार्बन $\leq 2.35\%$	वेनेडियम $\leq 0.80\%$
	0.24% \geq मैंगनीज $\leq 0.45\%$	टंगस्टन $\leq 0.75\%$
	0.25% \geq सिलिकॉन $\leq 0.45\%$	सल्फर ≤ 0.015
	11.00% \geq क्रोमियम $\leq 13.00\%$	फॉस्फोरस $\leq 0.020\%$
	मॉलीब्डेनम -	कोबाल्ट -
7.	कार्बन - 0.40%	मॉलीब्डेनम - 0.169%
	मैंगनीज - 1.42%	सल्फर - 0.003%
	सिलिकॉन - 0.32%	फॉस्फोरस - 0.016%
	क्रोमियम - 1.86%	निकिल - 0.02%

- झ. टूल और ड्राई स्टील के संबंध में कुछ पक्षकारों ने अनुरोध किया कि यद्यपि घरेलू उद्योग द्वारा उसी का उत्पादन है तथापि, वे कुछ अन्य स्थितियों के कारण उत्पाद का आयात करने के लिए विवश हैं। इन विवशताओं में शामिल हैं: घरेलू उत्पादकों द्वारा न्यूनतम आदेश की मात्रा की आवश्यकता, तत्काल आवश्यकता को पूरा करने के लिए बनाए न रखे जा रहे स्टॉक के कारण उपलब्धता का अभाव, रोड तथा फोर्ज गुणवत्ता के लिए आकार श्रृंखला और असुविधाजनक कीमत तथा घरेलू उद्योग द्वारा मांगी गई भुगतान की शर्तें।
- ञ. कुछ अन्य पक्षकारों ने पूर्ण रूप से टूल और ड्राई स्टील को हटाने के संबंध में दावे किए।
- ट. यह भी दावे किए गए हैं कि अच्छी गुणवत्ता के टूल और ड्राई स्टील का उत्पादन और आपूर्ति करने में घरेलू उद्योग की असमर्थता पूरे उत्पादन क्षेत्र को प्रभावित करता है क्योंकि वह सभी प्रकार के उद्योग के लिए आधार है।
- ठ. मैसर्स डाये स्पेशल स्टील कं. लि., मैसर्स जियांगिन जिंगचेंग स्पेशल स्टील वर्क कं. लि. और मैसर्स जियांग्सु सीपी जिंगचेंग स्पेशल स्टील कं. लि. के प्रतिनिधियों से यह स्पष्ट करते हुए अनुरोध प्राप्त हुए थे कि प्राधिकारी द्वारा जारी कमी वाले पत्र के उत्तर नमूना बीजक सहित 6 जुलाई, 2018 के उत्तर द्वारा विधिवत रूप से भेजे गए थे। यह अनुरोध किया गया था कि कमी वाले पत्र के उत्तर में नमूना वाले उत्पादक द्वारा दायर पूर्ण उत्तर की जांच अलग-अलग पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन का मूल्यांकन करने के लिए पक्षकारों के संबंध में की जाए।
- ड. एक हितबद्ध पक्षकार ने जांच की प्रकृति के संबंध में दावा किया है, जहां तक प्रकटन विवरण में कोई पीसीएन-वार तुलना तथा पाटन एवं क्षति के प्रयोजन के लिए विश्लेषण नहीं किया गया है। उसने अनुरोध किया है कि प्रकटन विवरण पीसीएन आधार पर क्षति विश्लेषण सहित पुनः जारी किया जाना चाहिए।
- ढ. ये दावे दोहराए गए थे कि घरेलू उद्योग सीटीएच 7227 9040 और सीटीएच 7227 9090 के तहत आने वाले संबद्ध सामानों के एसआई 52100 और एसआई 8720 ग्रेडों के उत्पादन और बिक्री में नहीं लगा हुआ है। यह भी उल्लेख किया गया है कि वायर रॉड जांच में जांच परिणाम के आधार पर एसआई 52100 और एसआई 8720 को शामिल करना गलत रखा

- गया है क्योंकि दोनों जांचों में विचाराधीन उत्पाद भिन्न है। अतः विचाराधीन घरेलू उद्योग भिन्न-भिन्न उत्पादक थे और दोनों जांचों में जांच की अवधि भिन्न है।
- ण. एनईआईएल की एसआई 52100 और एसआई 8720 ग्रेडों की आयात कीमतों के कारण घरेलू उद्योग को कोई कीमत संबंधी क्षति नहीं है जो कि घरेलू उद्योग द्वारा आंकलित एनआईपी से अधिक है। अतः एनईआईएल द्वारा आयातित ग्रेडों के कारण कोई क्षति नहीं हो सकती।
- त. एक हितबद्ध पक्षकार ने घरेलू उद्योग को किसी क्षति के अभाव से संबंधित दावे किए हैं। इस संबंध में कुछ दावे घरेलू उद्योग के उत्पादन और क्षमता उपयोग, घरेलू उद्योग की बिक्री से संबंधित दोहराए गए हैं जो यह दर्शाते हैं कि मात्रात्मक मानदंड सकारात्मक प्रवृत्ति दर्शा रहे हैं। यह भी दावा किया गया है कि निर्यात बिक्री में गिरावट आई है जिसका मात्रा और कीमत संबंधी मानदंडों, दोनों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। निर्यात बिक्री में गिरावट परिणामस्वरूप क्षमता उपयोग में कमी आई और उसके परिणामस्वरूप उत्पादन लागत में वृद्धि हुई। इस प्रकार, याचिकाकर्ता को कोई क्षति विभिन्न अंतर्निहित कारकों के कारण है जिसमें निर्यात बिक्री की मात्रा और निर्यात बिक्री की कीमत में गिरावट शामिल है।
- थ. कोई कीमत न्यूनीकरण नहीं है क्योंकि आवेदक की घरेलू बिक्री कीमत आयात कीमत से अप्रभावित रही। संबद्ध सामानों की घरेलू बिक्री मात्रा और बिक्री कीमत, आयात कीमत से कोई सह-संबंध नहीं दर्शाती और चीन जन. गण. से सामानों की गिरती हुई कीमतों से अप्रभावित रही।
- द. आर्थिक मानदंडों की समग्र जांच यह दर्शाती है कि याचिकाकर्ताओं का लाभ बिक्री लागत में गिरावट की मात्रा तक कम हुआ है, अतः लाभ में गिरावट बिक्री लागत में गिरावट के कारण है। तदनुसार, प्रतिशत की दृष्टि से लाभ में गिरावट नहीं है।
- ध. याचिकाकर्ताओं की उत्पादन मात्रा बढ़ी है और प्रति कर्मचारी रोजगार तथा उत्पादकता पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा है। अतः घरेलू उद्योग के निष्पादन और चीन जन. गण. से पाटित आयातों के बीच कोई कारणात्मक संपर्क नहीं है।
- न. एक हितबद्ध पक्षकार ने पुनः भी ये दावे किए हैं कि जेएसडब्ल्यू स्टील इटली एस.आर.एल. (जेएसडब्ल्यू स्टील लिमिटेड की एक सहायक कंपनी) है, जिसने अफेपी एस.पी.ए., पायमबिनो लॉजिस्टिक्स एस.पी.ए. ("पीएल") के 100 प्रतिशत शेयर लेने के लिए और जीएसआई लुच्छिनी एस.पी.ए. की 69.27 प्रतिशत शेयर पूंजी लेने के लिए नकद मुक्त, ऋणमुक्त आधार पर 55 मिलियन यूरो के नकद मूल्य के लिए बिक्री और खरीद करार किया है। नकद मूल्य के लिए इस्पात सुविधा निरंतर लेने की यह प्रक्रिया दर्शाती है कि संबद्ध सामानों के आयात से आवेदक की निवेश जुटाने की क्षमता प्रतिकूल रूप से प्रभावित नहीं हुई है। यह निष्कर्ष निकालने के लिए निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा कोई जांच/परिणाम नहीं है कि घरेलू उद्योग की निवेश जुटाने की क्षमता का ह्रास हुआ है।
- प. हितबद्ध पक्षकार और कुछ अन्य पक्षकारों ने अनुरोध किया है कि यदि आयात घरेलू उद्योग को क्षति पहुँचाते हुए पाए जाते हैं तो प्राधिकारी को संदर्भ कीमत आधार पर शुल्क लगाने चाहिए। इस संबंध में निम्नलिखित अनुरोध भी किए गए थे:
- चूंकि, प्राधिकारी द्वारा नवंबर, 2017 में पाटनरोधी जांच शुरू की गई थी, अतः चीन जन. गण. से आयात अनंतिम शुल्कों की संभावना के कारण आयातकों ने भय की वजह से काफी कम हुए।
 - संबद्ध सामानों की कीमतें घरेलू मिलों द्वारा 15 से 25 प्रतिशत तक बढ़े जिससे घरेलू उद्योग बढ़ी हुई कीमतों को लेने के लिए मजबूर हो गया।
 - कमी की स्थिति जारी रहने की उम्मीद है क्योंकि ऑटो तथा इंजीनियरी क्षेत्र बढ़ने की उम्मीद है।
 - संदर्भ कीमत आधारित शुल्क यह सुनिश्चित करेगा कि किसी भी समय पाटन नहीं है और घरेलू इस्पात उद्योग की सुरक्षा भी करेगा।
- फ. विगत में कुछ अन्य इस्पात उत्पादों, यथा – हॉट रोलड कॉइल, हॉट रोलड प्लेट्स/शीट्स, कोल्ड रोलड कॉइल/शीट, प्रि-पेंटड शीट और कॉइल तथा अलॉय/नॉन-अलॉय स्टील वायर रॉड/कॉइलों में बार्स आदि के संबंध में प्राधिकारी ने वहां भी संदर्भ कीमत आधारित पाटनरोधी शुल्क की घोषणा की है जहां अलॉय/नॉन-अलॉय के विभिन्न प्रकार के ग्रेडों की साथ-साथ जांच की गई थी।
- ब. चीन जन. गण. से कई उत्पादकों/निर्यातकों के प्रतिनिधियों से यह मांग करते हुए अभ्यावेदन भी प्राप्त हुए थे कि यदि प्राधिकारी द्वारा किसी शुल्क की सिफारिश की जाती है तो निर्यातकों के नाम सहित उत्पादकों के नाम अंतिम जांच परिणाम में उल्लिखित किए जाने चाहिए क्योंकि निर्यातक वे हैं जो भारत को सीधे ही निर्यात कर रहे हैं और सभी वाणिज्यिक बीजक, प्रवेश बिल, साख पत्र आदि केवल निर्यातक के नाम पर ही बनाए जाते हैं। यह अनुरोध है कि उसके अभाव में भारत में सीमा शुल्क पत्तनों पर सामानों को मंजूर कराते समय कई जटिलताएं उत्पन्न हो सकती हैं। इसके मद्देनजर, यह अनुरोध किया गया है कि उत्पादक तथा निर्यातक का नाम अंतिम जांच परिणाम में पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन दर्शाने वाली तालिका में शामिल किया जाना चाहिए।

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

107. घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए थे :

- क. घरेलू उद्योग प्रकटन विवरण में निहित प्राधिकारी के मूल्यांकन से सहमत था और उसके संबंध में उसने आभार व्यक्त किया तथा अनुरोध किया कि प्रकटन विवरण में निहित टिप्पणियों के आधार पर प्राधिकारी को आवश्यक रूप से यह निष्कर्ष निकालना चाहिए कि चीन जन.गण. से संबद्ध सामानों के पाटित आयातों के कारण क्षति हो रही है और यह कि उपयुक्त क्षति किसी अन्य कारक से नहीं है।
- ख. घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया कि यदि प्रकटन विवरण में निहित अनिवार्य तथ्यों और टिप्पणियों को संशोधित किया जाता है तो उन्हें जांच के निष्कर्ष से पूर्व ऐसे संशोधनों को हल करने के लिए उचित अवसर दिया जाना चाहिए।
- ग. घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया कि वर्तमान मामले में शुल्क का उपयुक्त स्वरूप ही निर्धारित शुल्क होगा। इस संबंध में घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित कारणों का उल्लेख किया:
- i. "संदर्भ कीमत" पर आधारित शुल्क केवल उन मामलों में उपयुक्त हैं जिनमें संबद्ध सामानों की कीमतें और उसकी प्रमुख कच्ची सामग्री की कीमतें स्थित हों। वर्तमान मामले में कच्ची सामग्री की कीमतें क्षति की अवधि के दौरान और जांच की अवधि से काफी बढ़ी हैं। संबद्ध सामानों की प्रमुख कच्ची सामग्री की कीमत के आधार पर लागत सूची 2016-17 की अवधि में कीमतों से तुलना करने पर 2017-18 में पहले ही 14-23 प्रतिशत तक बढ़ी है (इस आधार पर कि चाहे कंपनी उत्पादन प्रक्रिया में कोकिंग कोयला अथवा मैट कोक का प्रयोग कर रही हो) और 2015-16 की अवधि में कीमतों से तुलना करने पर 88 प्रतिशत तक बढ़ी है (इस तथ्य को ध्यान में न रखते हुए कि कंपनी उत्पादन प्रक्रिया में कोकिंग कोयला अथवा मैट कोयला का प्रयोग कर रही है अथवा नहीं)।
 - ii. जांच की अवधि की सूचना के अनुसार कच्ची सामग्री की कीमतों से संबंधित पुराने आंकड़ों के आधार पर "संदर्भ कीमत" का निर्माण व्यावहारिक अथवा उचित नहीं होगा और घरेलू उद्योग को हो रही क्षति को टालने में पूरी तरह विफल होगा।
 - iii. वर्तमान मामले में विचाराधीन उत्पाद ने महत्वपूर्ण कीमत अंतरों वाली अलॉय स्टील बार और राड के कई ग्रेड शामिल हैं। अतः एकल संदर्भ कीमत आधारित शुल्क के निर्माण से विचाराधीन उत्पाद के उच्च स्तरीय ग्रेडों और निम्न स्तरीय ग्रेडों के बीच महत्वपूर्ण कीमत के अंतर ठीक नहीं होंगे। यदि औसत आधारित संदर्भ कीमत अपनाई जाती है तो विचाराधीन उत्पाद के उच्च स्तरीय ग्रेड पाटित होने जारी रहेंगे और घरेलू उद्योग को हो रही क्षति का उपचार नहीं किया जा सकेगा। इस प्रकार, संदर्भ कीमत आधारित शुल्क केवल अव्यवहारिक ही नहीं होगा, यह बेकार भी हो जाएगा।
 - iv. इसके अतिरिक्त आयातकों/प्रयोक्ताओं के अनुरोध और जांच की अवधि की कच्ची सामग्री की कीमत पर आधारित संदर्भ कीमत के माध्यम से उपाय लगाने पर जोर देने और जांच की अवधि से संबंधित एन आई पी से संदर्भ कीमत आधारित शुल्क की उपयोगिता न होने के संबंध में घरेलू उद्योग के दावों को ताकत मिलती है।
 - v. अंततः उन्होंने यह भी अनुरोध किया कि केवल शुल्क का निर्धारित स्वरूप लागू करने से उपायों की प्रभावकारिता सुनिश्चित होगी क्योंकि इससे कीमतों में छोड़छाड़ और प्रवंचना रूकेगी।

प्राधिकारी द्वारा जांच

108. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पक्षकारों द्वारा किए गए अधिकतर अनुरोध प्रकृति में पुनरावृत्ति हैं और उनका वर्तमान जांच परिणाम के पिछले भागों में और प्रकटन विवरण जारी करते समय समाधान कर दिया गया है। उपर्युक्त जांच परिणाम घरेलू उद्योग और अन्य हितबद्ध पक्षकारों के इस प्रकार के सभी तर्कों को लेता है। तथापि, प्राधिकारी ने संगत समझी जाने वाली सीमा तक और पूर्व में समाधान न किए गए अनुरोधों की निम्नलिखित रूप में जांच की है।
- क. प्राधिकारी नोट करते हैं कि कई पक्षकारों ने प्रकटन विवरण जारी करने के बाद पहली बार प्राधिकारी के समक्ष अनुरोध किए हैं। तथापि, यद्यपि, वे तर्क रिकॉर्ड में ले लिए गए हैं और जहां भी आवश्यक हुआ यह सुनिश्चित करने के लिए रिकॉर्ड में निहित आंकड़ों का पुनः सत्यापन किया गया है कि की गई चिंताओं को विधिवत हल किया जाए। तथापि, प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच के अंतिम चरण में नए मुद्दे उठाने के लिए पक्षकारों की ओर से ऐसा दृष्टिकोण, वह भी जांच के किसी चरण में भाग न लेने पर भी, किसी तरह माना नहीं जा सकता।

- ख. प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि इन पक्षकारों द्वारा किए गए कुछ अनुरोधों में अंतरनिहित विरोधाभास है। जबकि कुछ पक्षकारों ने यह दावा करते हुए संबद्ध सामानों के कुछ ग्रेडों/रासायनिक संगठनों को हटाने का अनुरोध किया कि घरेलू उद्योग उसका उत्पादन नहीं करता है, अन्य ने उत्पादन मात्रा की अपर्याप्तता, गुणवत्ता मुद्दों और अन्य अड़चनों, यथा- ऑर्डर की न्यूनतम मात्रा, प्रतिकूल भुगतान शर्तें, स्टॉक की उपलब्धता, रोलड और फोर्ज गुणवत्ता के सामानों की आकार श्रृंखला आदि का दावा करते हुए उन्हीं उत्पादों को हटाने का अनुरोध किया।
- ग. "फोर्ज बार" को विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र से अलग करने के लिए किए गए अनुरोध के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह दावा पूर्व में किए गए दावों की पुनरावृत्ति है और प्राधिकारी द्वारा जारी प्रकटन विवरण में हल कर दिया गया है। किसी भी दशा में रिकॉर्ड में उपलब्ध आंकड़े सिद्ध करते हैं कि घरेलू उत्पादकों ने जांच की अवधि के दौरान फोर्ज बार की आपूर्ति की है अतः उसे हटाने की मंजूरी नहीं दी जा सकती।
- घ. एक पक्षकार अर्थात् मै. फोर्ज कास्ट एलॉय प्रा. लि. ने अपने अनुरोधों के साथ यह उल्लेख करते हुए "फोर्ज बार" के 6 उत्पादकों से विरोध पत्र की प्रतियां संलग्न की हैं कि वे पूर्व में की गई जांच से अवगत नहीं थे और वे याचिका का समर्थन नहीं करते हैं। इस संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उत्पादकों द्वारा संबद्ध सामानों के उत्पादन और आपूर्ति के मद्देनजर "फोर्ज बार" को हटाने के दावों को माना नहीं जा सकता। इसके अतिरिक्त प्राधिकारी यह पाते हैं कि घरेलू उद्योग का आधार समग्र रूप से विचाराधीन उत्पाद के संबंध में निर्धारित किया गया है न कि अलग-अलग विचाराधीन उत्पाद के प्रत्येक विशिष्ट ग्रेड के लिए। इसके अतिरिक्त, विरोध पत्र तथाकथित रूप से फोर्ज बार का उत्पादन करने वाले संबंधित पक्षकारों द्वारा दायर नहीं किए गए हैं परंतु इसके बजाए अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दायर किए गए हैं। जिन पक्षकारों की ओर से विरोध दायर किए गए हैं उन्होंने खुद कोई अनुरोध नहीं किए हैं और न ही वे वर्तमान जांच में हितबद्ध पक्षकार होते हैं। इस प्रकार, उनके उत्पादन संयंत्र क्षमता, संयंत्र स्थान आदि के संबंध में कोई आंकड़े उपलब्ध नहीं कराए गए थे। ये विरोध पत्र संबंधित पक्षकारों द्वारा भी दायर नहीं किए गए थे और उन पर कोई विचार करना उचित नहीं है।
- ड. कुछ पक्षकारों द्वारा किए गए इस अनुरोध के संबंध में कि कार्बन और एलाय स्टील, जो एसआई 52100 और एसआई 8720 के अलावा, 160 एमएम डायामेटर से 1000 एमएम डायामेटर तक के विभिन्न आयामों में अंतिम प्रयोक्ताओं द्वारा बार-बार प्रयुक्त किए जाते हैं, के 75 ग्रेड हैं और प्राधिकारी को यह जांच करनी चाहिए कि विचाराधीन उत्पाद के भाग के रूप में उसको शामिल करने से पूर्व याचिकाकर्ताओं द्वारा इनका उत्पादन किया जा रहा है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि उन्होंने जांच की अवधि में विभिन्न पक्षकारों द्वारा उठाए गए मुद्दे के अनुसार उसे हटाने के लिए किए गए अनुरोधों की जांच की है। जहां उत्पादों की कुछ ग्रेडों/किस्मों के उत्पादन अथवा आपूर्ति के संबंध में कोई दावे नहीं किए गए हैं, वहां प्राधिकारी ने यह निष्कर्ष निकाला है कि याचिकाकर्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने उसे बिना किसी विवाद के विचाराधीन उत्पाद के भाग के रूप में स्वीकार किया है। एसआई 52100 और एसआई 8720 से संबंधित दावों की विशेष रूप से जांच की गई है क्योंकि वे जांच की अवधि में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निरंतर उठाए जा रहे थे।
- च. विचाराधीन उत्पाद जांच की अवधि और दोनों जांचों में याचिकाकर्ताओं में अंतर सहित विभिन्न कारकों के कारण वर्तमान जांच में वायर रॉड के अंतिम जांच परिणामों के लागू न होने से संबंधित दावों के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि कुछ याचिकाकर्ता दोनों जांचों में समान हैं और ये याचिकाकर्ता एसआई 52100 और एसआई 8720 के ग्रेडों का विनिर्माण कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त एसआई 52100 और एसआई 8720 के ग्रेडों का वर्गीकरण उस धातु के रासायनिक सम्मिश्रण पर निर्भर करता है जिसका प्रयोग रॉडों या बारों के निर्माण के लिए किया जाता है। अतः याचिकाकर्ता उपर्युक्त उत्पादों का उत्पादन करने में सक्षम है। अंतिम रूप से याचिकाकर्ताओं ने साक्ष्य अर्थात् संगत ग्रेडों की बिक्री के बीजक दिए थे।
- छ. "आगे प्रसंस्कृत बारों" को हटाने से संबंधित दावों के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि जब पूर्व में यह तर्क दिया जा रहा था कि इन उत्पादों का आयात नहीं किया जा रहा है तो अब यह तर्क दिया जा रहा है कि याचिकाकर्ता बहुत कम मात्रा में उत्पादन करते हैं। किसी भी दशा में इस उत्पाद को विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र से अलग करने के अनुरोध को, जिसका स्वीकार्य रूप से घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्माण किया जा रहा है, स्वीकार नहीं किया जा सकता।
- ज. "1.6 से अधिक के कम अनुपात वाले 140 एमएम डायामीटर से अधिक के हॉट रॉड बार" को हटाए जाने से संबंधित दावों के संबंध में प्राधिकारी एक बार फिर नोट करते हैं कि यह उन पक्षकारों द्वारा स्वयं ही स्वीकृत स्थिति है कि इस उत्पाद की घरेलू उद्योग द्वारा आपूर्ति की जा रही है। प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत बीजकों की प्रतियों से भी उसका सत्यापन किया है। इस प्रकार, विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र से उत्पाद की कुछ श्रेणियों जिनका कि स्वीकार्य रूप से घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्माण किया जा रहा है, से हटाए जाने का प्रश्न ही नहीं उठता।

झ. "10 एम की लंबाई से अधिक के हाट रॉड बार" को हटाए जाने से संबंधित दावों के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह दावा जांच के इतनी देर के स्तर पर पहली बार किया गया है और यह कि इसमें कोई साक्ष्य भी नहीं दिया गया है। इस दावे के पक्ष और विपक्ष में रिकॉर्ड में कोई साक्ष्य भी नहीं है।

ट. माइक्रोअलाइंग संघटकों वाले कुछ कार्बन स्टील ग्रेडों को हटाए जाने से संबंधित दावों के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस दावे को रिकॉर्ड कर लिया गया है और प्रकटन विवरण जारी करते समय इसे हल कर दिया गया है। पक्षकारों ने दावे के विभिन्न भागों में निम्नलिखित को हटाने की मांग की है।

i. 0.40% तक क्रोमियम अथवा 0.09% तक पेटेनियम वाले कार्बन स्टील ग्रेड;

ii. सीआर/टीआई/बी के प्रतिबंधित रूप से जोड़े जाने पर उनके सहित कार्बन स्टील ग्रेड;

iii. सीआर.<0.40% और टीआई<0.09% तथा एमओ<0.08% एवं एनआई.<0.30% वाले कार्बन स्टील ग्रेड।

प्राधिकारी नोट करते हैं कि जब चीनी उत्पादक प्रश्नगत सामानों को "अलाय स्टील" के रूप में उल्लेख करते हुए वैट लाभों का दावा करते हैं अर्थात् वे खुद ही इन उत्पादों को अलाय स्टील की श्रेणी में रखते हैं और यहां तक कि भारतीय समी प्रशुलक अनुसूची इन उत्पादों को अलाय स्टील के रूप में अभिज्ञात करती है तो इस संबंध में स्पष्ट एवं निर्धारित वर्गीकरण से हटने का कोई कारण नहीं है। तदनुसार, प्राधिकारी इस अनुरोध को अस्वीकार करते हैं।

ठ. "टूल एंड डाई स्टील" को हटाने के दावों के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि पक्षकार यह दावा कर रहे हैं कि उनकी यह गलत अवधारणा थी कि टूल और डाई स्टील ग्रेडों की पूरी श्रेणी अलग कर दी गई। इस दावे का कोई औचित्य नहीं है क्योंकि दोनों याचिका और प्राधिकारी की जांच की शुरुआत की सूचना में रासायनिक सम्मिश्रणों को स्पष्ट रूप से इंगित किया गया है जिन्हें विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र से अलग किया गया था। टूल और डाई स्टील को पूर्णतः हटाए जाने के दावों के संबंध में यह नोट किया जाता है कि प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता के बिक्री बीजकों का पुनः सत्यापन किया और यह पाया कि आईएस 3748 के तहत अधिसंख्यक रासायनिक सम्मिश्रण और कई अन्य की भी याचिकाकर्ताओं द्वारा आपूर्ति की गई थी। इस प्रकार टूल और डाई स्टील को पूरी तरह से हटाने के दावे को स्वीकार नहीं किया जा सकता।

ड. जहां तक उल्लिखित गुणवत्ता के मुद्दों का संबंध है, प्राधिकारी यह पाते हैं कि आयातक उचित कीमतों पर संबद्ध सामानों का आयात करने में सक्षम रहेंगे और इसीलिए ये दावे उपयुक्त नहीं हैं।

ढ. प्राधिकारी नोट करते हैं कि मै. डाई स्पेशल स्टील कंपनी लि. (डाई), मै. जियांगयिन जिगचेंग स्पेशल स्टील वर्क्स कंपनी लिमिटेड (जियांगविन स्टील) और मै. जियांगशु सीपी जिगचेंग स्पेशल स्टील कंपनी लिमिटेड (जियांगशु सीपी) की ओर से बॉयर कमियों संबंधी पत्र के उत्तर की जांच की गई है और अलग-अलग पाटन मार्जिन तथा क्षति मार्जिन का मूल्यांकन करने के लिए उस पर विधिवत विचार किया गया है।

ण. एक पक्षकार ने दावा किया है कि प्राधिकारी द्वारा प्रकटन विवरण जारी करने के समय पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन की पीसीएन वार जांच नहीं की गई है। तथापि, यह दावा गलत है। प्राधिकारी ने वर्तमान मामले में पीसीएन वार आंकड़े प्राप्त किए हैं और नमूनायुक्त उत्पादक/निर्यातक द्वारा निर्यातित प्रत्येक पीसीएन के संबंध में सामान्य मूल्य और एनआईपी का मूल्यांकन किया है। उसके बाद पीसीएन वार पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन का मूल्यांकन करने पर प्रत्येक नमूनायुक्त उत्पादक/निर्यातक के लिए भारित औसत पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन निर्धारित किया गया था।

त. प्राधिकरण ने आगे कहा कि कुछ पक्षों द्वारा पीयूसी के कुछ ग्रेडों को छोड़ने के दावों को न तो किसी भी दस्तावेजी साक्ष्य द्वारा समर्थित किया गया है और न ही किसी भी प्रश्न पर किसी भी चरण में ऐसी पार्टियां हैं जो उनके दावों की सत्यता साबित करने के लिए किसी भी प्रश्नावली प्रतिक्रिया में भरे हैं। यह और भी ध्यान दिया गया है कि न तो घरेलू उद्योग और न ही अन्य इच्छुक पार्टियों ने ग्रेड और पीयूसी के दायरे से बाहर किए जाने वाले उत्पाद के प्रकार के संबंध में उत्पादन और मांग डेटा प्रस्तुत किया है।

थ. लागू करने के शुल्क के रूप में; शामिल सभी मुद्दों पर विचार करते हुए, इच्छुक पार्टियों और प्रदान की गई जानकारी द्वारा उठाए गए विवादों पर, इसे फॉज्ड बार्स और टूल एंड डाई स्टील को छोड़कर पीयूसी के लिए एंटी-डंपिंग ड्यूटी के

निश्चित रूप की सिफारिश करने के लिए उचित समझा जाता है (पीयूसी के दायरे से बाहर रखा गया टूल एंड डाई स्टील के ग्रेड को छोड़कर) जिसमें संदर्भ मूल्य आधारित शुल्क अधिक उपयुक्त माना जाता है।

- क. प्राधिकारी आपूर्ति श्रृंखला अर्थात् उत्पादक तथा निर्यातक का उल्लेख करते हुए शुल्क तालिका के मुद्दे के संबंध में उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा उठाए गए अनुरोध को नोट करते हैं। तदनुसार, प्राधिकारी ने सतत परिपाटी के अनुसार शुल्क तालिका में विदेशी उत्पादक और (उत्पादकों) तथा निर्यातक (निर्यातकों) के नाम का उल्लेख किया है।

भारतीय उद्योग के हित

109. प्राधिकारी मानते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से भारत में उत्पाद की कीमत स्तर प्रभावित हो सकते हैं। तथापि, भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा पाटनरोधी उपाय लगाने से प्रभावित नहीं होगी। इसके विपरीत पाटनरोधी उपाय लगाने से पाटन की परिपाटियों द्वारा प्राप्त अनुचित लाभ समाप्त होंगे, घरेलू उद्योग की गिरावट रुकेगी और संबद्ध सामानों का उपभोक्ताओं को व्यापक विकल्प की उपलब्धता बनाए रखने में मदद मिलेगी। पाटनरोधी शुल्क का प्रयोजन सामान्य रूप में पाटन की अनुचित व्यापार परिपाटियों द्वारा घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति को समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली एवं उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति पुनः स्थापित हो सके जोकि देश के सामान्य हित में है। अतः पाटनरोधी शुल्क लगाने से उपभोक्ताओं का उत्पाद की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी। प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी उपाय लगाए जाने से किसी भी तरह संबद्ध देश से आयात प्रतिबंधित नहीं होंगे और इसीलिए उपभोक्ताओं को उत्पाद की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी।

ड. सिफारिशें

110. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच शुरू की गई थी और वह सभी हितबद्ध पक्षकारों को अधिसूचित की गई थी। निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंध के पहलुओं के संबंध में सूचना प्रदान करने के लिए पर्याप्त अवसर दिया गया था। पाटनरोधी नियमावली के अनुसार पाटन, क्षति और उसके कारणात्मक संबंध के संबंध में जांच शुरू करने और जांच करने पर तथा ऐसे पाटन आयातों से घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति तथा सकारात्मक पाटन मार्जिन सिद्ध होने पर प्राधिकारी का यह मत है कि पाटन और क्षति को दूर करने के लिए पाटनरोधी शुल्क लगाना आवश्यक है।
111. कमतर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी कमतर पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन के बराबर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग की क्षति समाप्त की जा सके। तदनुसार, प्राधिकारी 5 (पांच) वर्षों की अवधि के लिए केन्द्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से चीन जन.गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध सामानों के आयातों पर निम्नलिखित तालिका के कॉलम 8 में दर्शायी गई राशि के बराबर पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं। हालांकि, फॉज्ड बार्स और टूल और डाई स्टील (पीयूसी के दायरे से बाहर रखा गया टूल एंड डाई स्टील के ग्रेड को छोड़कर) पर कोई एंटी-डंपिंग शुल्क देय नहीं होगा यदि उनके लैंडेड वैल्यू अम.डॉ. 659.91/ मी. टन से ऊपर है। यदि फॉज्ड बार्स और टूल और डाई स्टील (पीयूसी के दायरे से बाहर रखा गया टूल एंड डाई स्टील के ग्रेड को छोड़कर) लैंडेड वैल्यू अम.डॉ. 659.91/ मी. टन से कम है, तो ऐसे लैंडेड वैल्यू और अम.डॉ. 659.91/ मी. टन के बीच का अंतर एंटी-डंपिंग ड्यूटी के रूप में देय होगा।

शुल्क तालिका

क्र.सं.	उप-शीर्ष	उत्पाद विवरण	उद्गम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क राशि	इकाई	मुद्रा
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1.	7228	नोट 1 और नोट 2 देखें	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	मैसर्स बेनगैंग स्टील प्लेट्स कं. लिमि.	क.मै.वैंग्जी आयरन एंड स्टील हांगकांग लि. ख.मै.होंगझोऊ कोजनरेशन (हांगकांग) (कं. लि.,	155.82	मी. टन	अम.डॉ.

क्र.सं.	उप-शीर्ष	उत्पाद विवरण	उद्गम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क राशि	इकाई	मुद्रा
						ग.बुरविल रिसोर्सेज लिमिटेड			
2.	7228	नोट 1 और नोट 2 देखें	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	क.मै.डाया स्पेशल स्टील कं.लि., ख.जियांगशु सीपी जिगचेंग स्पेशल स्टील कं.लि., ग.जियांगयिन जिगचेंग स्पेशल स्टील वर्क्स कं.लि.	क.मै.डाया स्पेशल स्टील कं.लि. ख.जियांगयिन जिगचेंग स्पेशल स्टील वर्क्स कं.लि.	44.89	मी. टन	अम.डॉ.
3.	7228	नोट 1 और नोट 2 देखें	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	नमूने न लिये गये सहयोगी उत्पादक *	नमूने न लिये गये सहयोगी निर्यातक *	98.62	मी. टन	अम.डॉ.
4.	7228	नोट 1 और नोट 2 देखें	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	अन्य सभी	अन्य सभी	185.51	मी. टन.	अम.डॉ.

नोट 1: सीधी लंबाई में अलाय बार तथा रॉड, हॉट रोलड हो या न हो, हॉट ड्रॉन, कोल्ड ड्रॉन, कोल्ड एक्सट्रूडेड, पीलेड बार, सर्फेस मशीनड, पॉलिस्ड, ब्राइट बार, फोर्ज्ड।

तथापि, विचाराधीन उत्पाद में निम्नलिखित नहीं है:

- अनियमित रूप से वोउन्ड क्वाइल में बार और रॉड ;
- हाई स्पीड स्टील अर्थात् अन्य संघटकों सहित अथवा उनके बिना वाले अलॉय स्टील , कम से कम तीन संघटकों में से दो अर्थात् मोलीब्डेनम (एमओ), टंगस्टन (डब्ल्यू) और वेनाडियम (वी) जिनकी संयुक्त मात्रा भार से 7 प्रतिशत या अधिक, कार्बन 0.6 प्रतिशत अधिक तथा क्रोमियम 3 से 6 प्रतिशत हो;
- टूल एवं डाई स्टील : इस श्रेणी में निम्नलिखित तीन संयोजनों के कोई भी स्टील शामिल हैं :

i) कार्बन $\geq 0.50\%$ क्रोमियम $\geq 1.0\%$ निम्नलिखित में से किसी भी तत्व के संयोजन में (a) निकिल $\geq 1.0\%$ (b) मोलीब्डेनम $\geq 0.2\%$ (c) वानाडियम $\geq 0.2\%$
(ii) कार्बन $\geq 0.30\%$ टंगस्टन $\geq 0.40\%$ के संयोजन में
iii. कार्बन $\geq 0.30\%$ मैंगनीज $\geq 1.0\%$ और क्रोमियम $\geq 1.0\%$ निम्नलिखित में से किसी भी तत्व के संयोजन में (a) निकिल $\geq 1.0\%$

(b) मोलीब्डेनम $\geq 0.2\%$

(c) वानाडियम $\geq 0.2\%$

- iv. खोखली ड्रिल बार और रॉड ;
- v. क्रोमे इलेक्ट्रोप्लेटेड बार एवं रॉड ;
- vi. कंक्रीट पुनर्वर्तन के लिए प्रयुक्त रिब/ग्रूव/इन्डेंटेशन वाले पुनर्वर्तन बार;
- vii. स्टेनलैस स्टील बार;
- viii. 210 एमएम डायामीटर से अधिक वाले हॉट रोलड राउंड बार।

नोट 2: फॉज्ड बार्स और टूल और डार्ई स्टील (नोट 1 में पीयूसी के दायरे से बाहर रखा गया टूल एंड डार्ई स्टील के ग्रेड को छोड़) के आयात पर कोई एंटी-डंपिंग ड्यूटी देय नहीं होगी यदि उनका लैंडेड वैल्यू अम.डॉ659 ..91/ मी.टन से ऊपर है। यदि फॉज्ड बार्स और टूल और डार्ई स्टील (नोट 1 में पीयूसी के दायरे से बाहर रखा गया टूल एंड डार्ई स्टील के ग्रेड को छोड़कर(लैंडेड वैल्यू अम.डॉ659 ..91/ मी.टन से कम है, तो ऐसे लैंडेड और अम.डॉ659 ..91/ मी.टन के बीच का अंतर एंटी-डंपिंग ड्यूटी के रूप में देय होगा।

लैंडेड वैल्यू सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 के तहत निर्धारित आकलन योग्य मूल्य है और सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 3, 3 ए, 8 बी, 9 और 9 ए के तहत लगाए गए कर्तव्यों को छोड़कर सीमा शुल्क के सभी कर्तव्यों को शामिल करता है।

*** नमूना में नहीं लिए गए सहयोगी उत्पादक/निर्यातक**

क्र. सं.	उत्पादक	निर्यातक
1	स्टेनडॉंग आयरन एंड स्टील कं. लिमि., लेवयू कम्पनी	स्टेनडॉंग आयरन एंड स्टील कं. लिमि., लेवयू कम्पनी
2	श्री गेंग जिंग चेंग एक्यूपमेंट डेवेलपमेंट एंड मेनिफेक्चरिंग कं. लिमि.	श्री गेंग जिंग चेंग एक्यूपमेंट डेवेलपमेंट एंड मेनिफेक्चरिंग कं. लिमि.
3	शीजिजूहअंग आयरन एंड स्टील कं. लिमि.	क शीजिजूहअंग आयरन एंड स्टील कं. लिमि. ख एलजी इंटरनेशनल कॉर्प.
4	शानडॉंग शोऊगुआंग जुनेंग स्पेशल स्टील कं. लिमि.	क शानडॉंग शोऊगुआंग जुनेंग स्पेशल स्टील कं. लिमि. ख. बुरविल रिसोर्सेज लिमिटेड
5	जियांग्सू लियनफेग एनर्जी एक्यूपमेंट कं. लिमि.	क. जियांग्सू लियनफेग एनर्जी एक्यूपमेंट कं. लिमि. ख. बुरविल रिसोर्सेज लिमिटेड
6	जेनेथ स्टील ग्रुप कं. लिमि.	क. जेनेसिस रिसोर्सेज लिमिटेड ख. टापटिप होल्डिंग प्रा. लि. ग. सिनोमेटेरियल इंटरनेशनल कं. लि.
7	जियांग्सू लिहुई आयरन एंड स्टील कं. लिमि.	क. एल्डर स्टील लिमिटेड ख. बी एंड एल इंटरनेशनील कं. लि. ग. जी एस ग्लोबल कार्प. एंड जिन्दल शॉ

ढ. आगे की प्रक्रिया

112. इस अंतिम जांच परिणाम अधिसूचना के कारण केन्द्र सरकार के आदेश के विरुद्ध कोई अपील सीमा प्रशुल्क अधिनियम के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवाकर अपील अधिकरण के समक्ष की जाएगी।

सुनील कुमार, अपर सचिव एवं महानिदेशक

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY
Department of Commerce
(Directorate General of Trade Remedies)

NOTIFICATION

New Delhi, the 5th September, 2018

FINAL FINDINGS

Sub: Anti-dumping investigation concerning imports of “Straight Length Bars & Rods of Alloy Steel” originating in or exported from China PR.

F.No. 6/10/2017-DGAD.:—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975, as amended from time to time (hereinafter referred to as the “Act”) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, as amended from time to time, (hereinafter referred to as the “AD rules”) thereof,

A. Background of the Case

2. M/s. JSW Steel Limited, M/s. Jayaswal Neco Industries Limited, M/s. Sunflag Iron & Steel Co. Limited, M/s. Usha Martin Limited, M/s. Gerdau Steel India Private Limited and M/s. Vardhman Special Steels Limited (hereinafter referred to as the “applicants” or “petitioners” or “domestic industry”) jointly filed an application before the Designated Authority (hereinafter also referred to as the Authority) in accordance with the Act and the AD Rules, for initiation of anti-dumping investigation concerning imports of “Straight Length Bars & Rods of Alloy Steel” (hereinafter also referred to as the “subject goods”), originating in or exported from China PR (hereinafter also referred to as the “subject country”), and requested for initiation of an investigation for levy of anti-dumping duties on the subject goods.
3. The Authority on the basis of sufficient *prima facie* evidence submitted by the applicants issued a public notice dated 22 September 2017 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating anti-dumping investigation concerning imports of the subject goods, originating in or exported from the subject country, in accordance with Rule 6(1) of the Rules, to determine the existence, degree and effect of alleged dumping and to recommend the amount of anti-dumping duty, which, if levied would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

B. Procedure

4. The procedure described below has been followed:
 - a. The Authority notified the Embassy of China PR in India about the receipt of application before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub-Rule 5(5) of the AD Rules.
 - b. The Authority sent a copy of the initiation notification and the non-confidential version of the application to the Embassy of China PR in India, known producers/ exporters from the subject country and known importers/ users/ associations of the subject goods as per the addresses made available by the applicants and requested them to make their views known in writing within 40 days of the issue of the letter intimating the parties about initiation of investigation, in accordance with Rule 6(2) of the AD Rules. A copy of the application was also provided to other interested parties, wherever requested.
 - c. The Embassy of China PR in India was also requested to advise the producers/exporters from their country to file their responses within the prescribed time limit.
 - d. The Authority sent the exporter’s questionnaires to elicit relevant information to the following known exporters in the subject country in accordance with Rule 6(4) of the AD Rules:
 1. Anhuai Co., Ltd.
 2. Dalian Dongfei Special Steel Products Co. Ltd.
 3. Dongbei Special Steel Group Co., Ltd.
 4. Dongguan Yuguang Imp/Exp Trading Co.
 5. Foshan Ri Jin Lian He Trading Co.
 6. Fushun Yongchang Special Steel Co. Ltd.
 7. Huangshi Baoyi Material Co., Ltd.
 8. Huangshi Chengquan Metal Material
 9. Huangshi Fod Steel Co., Ltd.
 10. Huangshi Pinxin Industrial Co;Ltd

11. Hubei Jiefeng Metallurgy Industrial & Trading Co. Ltd.
12. Hubei Rising Technology Co.Ltd.
13. Jiangyin Dongte Steel Trading Co. Ltd.
14. Circle Four Metal Materials Company Ltd.
15. Dalian Chem Imp. & Exp.Group Co., Ltd.
16. Dongguan Yuguang Imp/Exp Trading Co., Ltd.
17. Heye Special Steel Co. Ltd.
18. Huangshi Better International Trade Co., Ltd.
19. Huangshi Taidong Material Technology Co., Ltd.
20. Jiangsu Rongshan Special Steel Co., Ltd.
21. Jiangsu Zhuhong Forging Co., Ltd.
22. Jiangyin Hongteng Machinery Co., Ltd.
23. Jiangyin Xingcheng Special Steel Works Co. Ltd.
24. Wuxi Fuhong Special Steel Co., Ltd.
25. Wuxi Int'l Trade Development Co. Ltd.
26. Daye Jiayong Metallurgy Co, Ltd.
27. Huangshi Chengquan Metal Material Co., Ltd.
28. Huangshi Jirui Industry Co., Ltd.
29. Huangshi Zhongxing Special Co., Ltd.
30. Qilu Special Steel Co Ltd.
31. Shenzhen Neworigin Special Steel Co
32. Shenzhen Onetouch Business Service
33. Shagang Group Inc.
34. Tianjin Qiangbang Industrial Co.Ltd
35. Yangzhou Dawn Drilling Tools Co.,Ltd.
36. Songting Iron & Steel Co. Ltd. Hebei Iron & Steel Group
37. Baosteel Co., Ltd.

e. The following producers / exporters filed response(s) to the Exporter's Questionnaire in the prescribed format:

1. Bengang Steel Plates Co., Ltd.
2. Burwill Resources Limited
3. Benxi Iron and Steel Hong Kong Limited
4. Hangzhou Cogeneration (Hong Kong) Co., Ltd.
5. Daye Special Steel Co., Ltd.
6. Jiangsu CP Xingcheng Special Steel Co., Ltd.
7. Jiangyin Taifu Xingcheng Special Type Materials Co., Ltd.
8. Jinagyin Xingcheng Special Steel Works Co., Ltd.
9. Shandong Shouguang Juneng Special Steel Co., Ltd.
10. Jiangsu Yonggang Group Co., Ltd.
11. Jiangsu Shagang Group Huaigang Special Steel Co., Ltd.
12. Adler Steel Limited
13. Jiangsu Lihuai Iron and Steel Co., Ltd.
14. B & L International Investment Co., Ltd.
15. GS Global Corp.
16. GS Global Corp. & Jindal SAW
17. Zenith Steel Group Co., Ltd.
18. Sinomaterial International Co., Limited
19. Genesis Resources Co., Limited
20. Toptip Holding Pte. Ltd.
21. Zenith Steel Group (Shanghai) CO., Ltd.
22. Shi Gang Jing Cheng Equipment Development and Manufacturing Company Limited
23. Shijiazhuang Iron and Steel Company Limited
24. Jiangsu Lianfeng Energy Equipment Co., Ltd.
25. Shandong Iron and Steel Company Limited, Laiwu Company

f. Questionnaires were sent to the following known importers/users of the subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4) of the AD Rules:

1. Addison & Company Ltd.
2. Alloy Steel India Agency
3. Almas Steel and Alloys Private Limited
4. Arkkays National Engineering & Foundry Co.
5. Bengal Steel Corporation

6. Bharat Heavy Electricals Limited
7. Bipico Inds (Tools) Pvt. Ltd.
8. Birla Precision Technologies Ltd.,
9. C.B. Machinery Solutions
10. D.B. Engineering (P) Ltd.
11. Daewon India Autoparts Pvt. Ltd.
12. Dee Tee Industries Ltd.
13. Dharam International
14. DM Sons Metal Pvt. Ltd.
15. Doshi Enterprise
16. Dozco (India) Pvt. Ltd.
17. Elgi Equipments Limited
18. Empire Steels
19. Est Tool Steel Private Limited
20. Forge-Cast Alloy Pvt Ltd.
21. Goel Steel Company
22. Hy-Tech Engineers Pvt. Ltd.
23. India Seah Precision Metal Pvt Ltd.
24. IP Rings Ltd.
25. Jaldhara Small Tools Pvt.Ltd.
26. Komal Enterprises
27. Labdhi International
28. Lamina Suspension Products Limited
29. Mahavir Engineering Works
30. Mascot Steel Centre
31. Mohinder Agencies
32. National Engineering Industries Ltd.
33. Om Steel and Forgings
34. Om Steel Enterprises
35. Orbit Bearings India Pvt. Ltd.
36. Precision Punches & Dies
37. Rane Trw Steering Systems Private Limited
38. Rolex Rings Pvt. Ltd.
39. Glowtech Steel Pvt.Ltd.
40. S.M. Steels
41. Saatveeka Trading Co.
42. Sadhu Forging Ltd.
43. Sai Deepa Rock Drills Pvt Ltd.
44. Sakshi Steel-N-Alloys
45. Sandeep Impex Pvt. Ltd.
46. Satkul Enterprises Ltd.
47. Seven Star Speciality Steel
48. Sri Enterprises
49. SSB Alloys & Steels (P) Ltd.
50. Star Impex
51. Stores Supply India Agency
52. Subhadra Rings Pvt.Ltd.
53. Suman Metalloys
54. Technocraft Enterprises
55. TGK Special Steel Pvt. Ltd.
56. Tirth Agro Technology Pvt.Ltd.
57. Turakhia International Private Limited
58. United Steel Corporation
59. Uro Ferro Pvt. Ltd.
60. Vision Vanijya Pvt. Ltd.
61. Wipro Enterprises Private Limited
62. Yuvraaj Hygiene Products Limited

g. The following importer/user filed response to the Importer's Questionnaire in the prescribed format:

1. National Engineering Industries Limited

- h. Submissions were also made from time to time by the parties who filed Questionnaire Responses. Other than these parties, comments were also received from the following interested parties:
1. China Chamber of International Commerce (CCOIC)
 2. Sri Enterprises
 3. Seven Star Specialty Steel
 4. Om Steel & Forgings
 5. Labdhi International
 6. Komal Enterprises,
 7. Forge Cast Alloy Pvt. Ltd.
 8. Essar Steel Suppliers
 9. Doshi Enterprise
 10. Champion Dealers (Mumbai) Pvt. Ltd.
 11. Bhagwati Steel Corporation.
 12. Turakhia International Pvt Ltd.
 13. Technocraft Enterprises
 14. Sandeep Impex Private Limited
 15. Alloy Steel (India) Agency
 16. Devkinandan J Gupta Metals LLP
 17. Empires Steels
 18. IP Rings Limited
 19. Mascot Steel Centre
 20. Star Impex
 21. Om Steel Enterprises
- i. The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties. Submissions made by all interested parties have been taken into account in the present findings. Certain submissions were received at the last stage of the investigation, after issue of Disclosure Statement, from parties who did not file interested party letters or participate throughout the investigation. The Authority has also examined submissions made by such parties.
- j. Due to the large number of questionnaire responses received from the participating producers / exporters, the Authority resorted to sampling in terms of the proviso to Rule 17 (3) of the Rules by taking the largest percentage of the volume of exports by the responding parties from the subject country. Accordingly, on 21 December, 2017, the Authority notified the following producers who would form part of the sampled producers for the purpose of the present investigation. These are:

Producing Country	Producer	Exporter	Quantity supplied as % of total exports made by the responding producers / exporters
(1)	(2)	(3)	(4)
China PR	Bengang Steel Plates Co., Ltd.	Benxi Iron and Steel Hong Kong Limited; Burwill Resources Limited; Hangzhou Cogeneration (Hong Kong) Co., Ltd.	40.26%
	Daye Special Steel Co., Ltd.; Jiangsu CP Xingcheng Special Steel Co., Ltd.	Daye Special Steel Co., Ltd. Jinagyin Xingcheng Special Steel Works Co., Ltd.	21.97%

- k. The remaining producers/exporters who have filed complete responses have been treated as cooperative non-sampled producers/exporters.
- l. The Authority also called for information from the interested parties including domestic industry regarding submission of their costing information on PCN basis in order to have fair comparison vide Notification dated 18 January 2018. Thereafter, PCN wise information was called for vide Notification dated 12 March, 2018.
- m. Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims wherever warranted and such information has been considered as confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis.
- n. Further information was sought from the applicants and other interested parties to the extent deemed necessary.

- o. Wherever an interested party has refused access to or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigation, or has significantly impeded the investigation, the Authority has considered such parties as non-cooperative and recorded the findings on the basis of the facts available.
- p. The Non-Injurious Price (hereinafter referred to as 'NIP') has been calculated based on the cost of production and cost to make and sell the subject goods in India based on the information furnished by the domestic industry on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and Annexure III to the Anti-Dumping Rules. It has been worked out so as to ascertain whether Anti-Dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the Domestic Industry.
- q. Verification of the information provided by the applicant domestic industry was carried out by the Authority to the extent deemed necessary and only such verified information with necessary rectification, wherever applicable, has been relied upon.
- r. Investigation was carried out for the period starting from 1st April 2016 to 31st March 2017 (12 months) (hereinafter referred to as the 'period of investigation' or the 'POI'). The examination of trends, in the context of injury analysis covered the period from 2013-14, 2014-15, 2015-16 and the POI.
- s. The petitioners had submitted the petition alleging dumping of the subject goods from the subject country relying upon transaction wise imports data sourced from the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S). The Authority has relied on the same.
- t. Arguments raised, and information provided by various interested parties during the course of the investigation, to the extent supported with necessary evidence and considered relevant to the present investigation, have been appropriately considered by the Authority.
- u. In accordance with Rule 6(6) of the AD Rules, the Authority also provided opportunity to all interested parties to present their views orally in a hearing held on 4 June, 2018. All the parties attending the oral hearing were requested to file written submissions of the views expressed orally. The parties were advised to collect copies of the written submissions of the views expressed by the opposing parties and were requested to submit their rejoinders by 18th June, 2018.
- v. The arguments made in the written submissions and rejoinders submissions as well as letters received from time to time from various parties have been considered in the present findings.
- w. In accordance with the Rules, the Authority also disclosed the essential facts of the present investigation to all interested parties vide a disclosure statement issued on 8th August, 2018, and advised them to file the comments on the disclosure statement by 20th August, 2018. The comments received from the domestic industry and other interested parties, as well as certain other parties, have been addressed in the present findings to the extent considered relevant.
- x. Exchange rate for conversion of US\$ to INR is considered for the POI as INR 67.96 as per customs data.
- y. In this notification, *** represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.

C. Product under Consideration and Like Article

5. The submissions filed by DI and other interested parties regarding the scope of PUC are summarized as below:

Submissions made by other interested parties

6. Submissions made by other interested parties are as follows:
 - a. The interested parties have claimed that Hot Rolled Round Bars of diameter more than 140 mm with reduction ratio of 1:6 should be excluded. Only five Indian producers viz, JSW Steel Ltd, Usha Martin Ltd, Kalyani Carpenters Special Steel Ltd., Jayaswal Neco Ind. Ltd., R.L. Steel and Energy Ltd. can produce hot rolled round bars exceeding diameter 140mm. None of the other producers in India have the capability to produce diameter exceeding 140mm. Even in case of these five producers most of them cannot produce good quality with reduction ratio of 1:6, which is the basic norm required by the user industry.
 - b. Production of sizes 141mm to 210mm constitutes not more than 5% of the total alloy steel production of India. None of the Indian Mills have the capability of producing diameter exceeding 210mm.
 - c. The interested parties claimed that SAE 52100 and SAE 8720 Grade subject goods falling under CTH 7228, CTH 7214 and CTH 7215 should be excluded due to the inability of the domestic producers to produce the same and meet the demand requirements. The producers do not have certain facilities for production and

testing, such as ingot route facility, RH degassing facility, auto ultrasonic testing facility, Auto Eddy Current Testing Facility. Thus, the output produced by the domestic producers and by the producers in China PR are different.

- d. It is also claimed that there is no price injury on these grades as import price of SAE 52100 and SAE 8720 grades is above the NIP estimated by Applicants.
- e. It is also claimed by an interested party that Forged Steel of Grade SAE 52100 is not available in India at reasonable prices and definitely not produced and supplied by the Petitioners. The party has also claimed that none of the domestic industry has facility of forging press.
- f. Forged Alloys Steel Bars and Rods in Straight Length should be excluded. Adding this product in PUC increases the average price of the DI. However, there is insignificant quantity of imports from China PR which does not affect the average import prices.
- g. The interested parties have claimed exclusion of certain Carbon Steel Grades with addition of microalloying elements, namely, Chromium, Boron and Titanium which are Carbon Steel grades (herein after referred as “carbon steel grades” or “carbon steel”). All the Chinese exporters export carbon steel with addition of microalloying elements, namely, Chromium (0.30% to 0.40%), Boron (0.0008% to 0.0010%) and Titanium (0.05% to 0.07%). Although, the addition of these microalloying elements does not change essential properties of the steel but for custom purpose it becomes alloy steel and falls under HSN code 7228. Therefore, the carbon steel grades should be excluded from the scope of the PUC. Since price of these carbon steel grades is lower and their import volume is higher, there is distortion in the average import price. Since Carbon Steel Grades are non-alloy steel and low-priced products, it is requested that Carbon Steel Grades should be excluded from the scope of product under consideration to arrive at correct average import price. The Authority must create a separate PCN for these grades which would allow the data in this regard to be reasonably reflected.
- h. The exclusion defined for tool & die steel is incorrect. The exclusion should be defined as per the applicable BIS standard IS 3748.
- i. It was also claimed that the entire “tool & die steel” should be excluded since the same is hardly manufactured in India.
- j. The interested parties have claimed exclusion of Alloy Steel Bars which are further processed like Hot drawn, Cold Drawn, Cold extruded, Peeled Bar, Surface machined, Polished and Bright Bars. All these products involve further processing of hot rolled bars or forged bars such that it further adds value to the product and their value is higher than hot rolled/forged bar. These value-added products are not imported from China PR, but they are imported from countries other than China PR and therefore, the average price from non-Chinese origin is higher compared to Chinese Origin material. Its inclusion in the Indian production data increases average price of domestic produced bars. These products data should be removed from Indian production data to get the correct picture. Only a few of the petitioners produce this product and in very small quantity.
- k. It is submitted that the burden to establish that the domestic and imported goods are like in terms of Anti-dumping Agreement was always on the Domestic Industry.

Submissions made by the Domestic Industry

7. Submissions made by the Domestic Industry are as follows:

- a. The product under consideration (PUC) in the present investigation is alloy bars and rods in straight length, whether or not hot rolled, hot drawn, cold drawn, cold extruded, peeled bar, surface machined, polished, bright bar, forged.
- b. The following products are excluded from the scope of this investigation:
 - i. Bars and rods in irregularly wound coils;
 - ii. High Speed Steel i.e. alloy steels containing, with or without other elements, at least two of the three elements namely Molybdenum (Mo), Tungsten (W) and Vanadium (V) with a combined content by weight of 7% or more, 0.6% or more of Carbon and 3% to 6% of Chromium;
 - iii. Tool and Die Steel: This category covers steel having either of the following three combinations:

- | |
|---|
| <ol style="list-style-type: none"> i. Carbon \geq 0.50% along with Chromium \geq 1.0% in combination of any of the following elements: |
|---|

(a) Nickel $\geq 1.0\%$
(b) Molybdenum $\geq 0.2\%$
(c) Vanadium $\geq 0.2\%$
ii. Carbon $\geq 0.30\%$ in combination with Tungsten $\geq 0.40\%$
iii. Carbon $\geq 0.30\%$ along with Manganese $\geq 1.0\%$ and Chromium $\geq 1.0\%$ in combination of any of the following elements:
(a) Nickel $\geq 1.0\%$
(b) Molybdenum $\geq 0.2\%$
(c) Vanadium $\geq 0.2\%$

- iv. Hollow drill bars and rods;
 - v. Bars and rods electroplated with chrome;
 - vi. Reinforcement Bars having ribs / grooves / indentations, used for concrete reinforcement;
 - vii. Stainless Steel bars.
- c. The Domestic Industry refutes the claims of exclusion put forward by other interested parties. The domestic industry reiterates that it has the technical capability to manufacture the subject goods. Further, the domestic industry has also supplied the goods falling under the scope of product under consideration during the period of investigation.
- d. With respect to claims for exclusion of Hot-rolled round bars exceeding diameter 140mm with a reduction ratio of 1:6, the domestic industry regularly supplies and had supplied during the period of investigation hot-rolled round bars exceeding diameter 140mm with a reduction ratio of 1:6.
- e. With respect to the claims for exclusion of SAE 52100 and SAE 8720 Grades, the claim of the interested parties that domestic industry has failed to supply the same or is unable to supply the same are unfounded. Evidence supplied in this regard was not shared with the domestic industry and could not be refuted. The Domestic Industry has submitted that odd instances of non-delivery by one of the constituents of the Domestic Industry cannot be a ground for a particular grade to be excluded from the product scope.
- f. Similar issues were raised by the said interested party in the anti-dumping investigation concerning imports of “Wire Rod of Alloy or Non-Alloy Steel” originating in or exported from China PR and were rejected by the Authority on the grounds that the domestic industry is manufacturing *grades equivalent to SAE 52100 and SAE 8720*.
- g. With respect to claims regarding exclusion of Forged alloy steel bars and rods in straight length, the domestic producers regularly supply the same and had supplied the same even during the period of investigation. Therefore, the claim merits rejection. Further, forged steel is substitutable with rolled steel bars and rods.
- h. The domestic industry strongly objects to the contention that carbon steel grades with addition of microalloying elements, namely, Chromium (0.30% to 0.40%), Boron (0.0008% to 0.0010%) and Titanium (0.05% to 0.07%) do not change the characteristics of carbon steel. Domestic Industry submits that as per the Notes to Chapter 72 of the Customs Tariff schedule, steel with even one of the above microalloying elements by weight in the stated proportions is alloy steel. Further, producers from China PR themselves declare these products as alloy steel to avail VAT rebate on account of export of “alloy” steel as VAT rebate is not available on export of non-alloy steel. Therefore, there is no merit in the aforesaid contention of the interested parties.
- i. With respect to claims of exclusion of tool and die steel as defined by IS 3748, the domestic industry submits as follows:
- i. The definition of Tool and Die Steel as given in the IS 3748 is very broad which contains many grades with overlapping chemical composition. The domestic industry has in good faith excluded those chemical compositions of tool and die steel, imports of which do not cause any injury to the Domestic Industry.
 - ii. Further, even the Steel Quality Control Orders do not require tool and die steel to adhere to IS 3748. Therefore, the user industry does not consider IS 3748 as the benchmark standard and none of the Indian producers as well as exporters have taken license under IS 3748. There are commercial specifications of tool and die steel that are not even mentioned in IS 3748, because this standard has not been updated. Further, Tool and Die Steel is produced and supplied on the basis of the chemical composition.

- iii. The Domestic Industry regularly supplies and had supplied during the period of investigation all those chemical compositions of Tool and Die Steel which are not expressly excluded in the Petition.
- j. With respect to the claim for exclusion of Alloy steel bars which are further processed like hot drawn, cold drawn, cold extruded, peeled bars, surface finished, polished and bright bars as they are not imported from China PR, the Domestic Industry submits that it is evident from the transaction wise import data that these products are imported from China PR. There is no merit in the aforesaid contention of the interested parties.
- k. With respect to PCN claims, it is noted that said claims were put forward by importers only and that too, importers who failed to file an importers questionnaire response. The legitimacy of such claims is questionable.
- l. With respect to the claim for exclusion of Hot-rolled round bars exceeding diameter 210mm, the Domestic Industry accepts that the Petitioners have not produced hot-rolled round bars exceeding diameter 210mm during the period of investigation.

Examination by the Authority

- 8. The product under consideration (PUC) defined in the Initiation Notice dated 22 September 2017 notified vide Notification No. F.NO. 6/10/2017-DGAD in the present investigation is “***Alloy bars and rods in straight length, whether or not hot rolled, hot drawn, cold drawn, cold extruded, peeled bar, surface machined, polished, bright bar, forged.***” The product may be supplied in various cross sections, shapes and dimensions whether or not annealed, normalized, tempered, heat treated.
- 9. The product may find end use application across various segments and sectors including but not limited to forging, automobiles, auto components, crank shaft, springs, gears, fasteners, transmission shaft, cement plants, power plants, turbines, ship-building, railways, capital goods, machinery, equipment, general engineering, construction machinery, and many more end use applications.
- 10. The product under consideration is classified under Tariff item 7228 of the Custom Tariff Act, 1975. However, imports of product under consideration has also been observed under tariff headings 7214 and 7215 also. The customs classification is indicative only and is in no way binding on the scope of the present investigation.
- 11. The following products were excluded from the scope of this investigation at the time of initiation:
 - i. Bars and rods in irregularly wound coils.
 - ii. High Speed Steel i.e. alloy steels containing, with or without other elements, at least two of the three elements namely Molybdenum (Mo), Tungsten (W) and Vanadium (V) with a combined content by weight of 7% or more, 0.6% or more of Carbon and 3% to 6% of Chromium.
 - iii. Tool and Die Steel: This category covers steel having either of the following three combinations:

i. Carbon $\geq 0.50\%$ along with Chromium $\geq 1.0\%$ in combination of any of the following elements: (a) Nickel $\geq 1.0\%$ (b) Molybdenum $\geq 0.2\%$ (c) Vanadium $\geq 0.2\%$
ii. Carbon $\geq 0.30\%$ in combination with Tungsten $\geq 0.40\%$
iii. Carbon $\geq 0.30\%$ along with Manganese $\geq 1.0\%$ and Chromium $\geq 1.0\%$ in combination of any of the following elements: (a) Nickel $\geq 1.0\%$ (b) Molybdenum $\geq 0.2\%$ (c) Vanadium $\geq 0.2\%$
 - iv. Hollow drill bars and rods.
 - v. Bars and rods electroplated with chrome.
 - vi. Reinforcement Bars having ribs / grooves / indentations, used for concrete reinforcement.
 - vii. Stainless Steel bars.
- 12. In addition to the aforementioned exclusions, the Domestic Industry has also admitted that the Petitioners do not produce hot-rolled round bars exceeding diameter 210mm. Accordingly, the Designated Authority has considered it appropriate to exclude the same from the scope of the PUC.
- 13. Several other claims for exclusion have also been put forward by the interested parties, which have been refuted by the domestic industry with sufficient evidence.

14. Specifically, the Authority notes that the claim for exclusion of SAE 52100 and SAE 8720 grades on the grounds of inability to supply by the Petitioners cannot be sustained. In this regard, the domestic industry has brought evidence of sales of the said goods during the POI. Moreover, in the Findings of this Authority in “*Wire Rod of Alloy or Non-Alloy Steel*” originating in or exported from China PR it was observed that the domestic industry is manufacturing grades equivalent to SAE52100 and SAE 8720. Accordingly, the Authority rejects the request for exclusion of Grades SAE52100 and SAE8720.
15. The Authority also notes the claims pertaining to exclusion of forged alloy steel bars and rods in straight length. However, in view of evidence supplied by the domestic producers regarding production and sales of the said products, the request for exclusion of the same from the PUC is rejected.
16. With regard to the exclusion of Carbon Steel grades containing microalloying elements since the same are not “alloy steel”, the Authority notes that such products have been identified in the Indian tariffs as “alloys” and therefore, the exclusion of the same is not practicable. It is noted that Note 1(f) of Chapter 72 of the Customs Tariff Schedule expressly states that carbon steel containing microalloying elements would be considered as alloy steel and would fall under the HSN 7228, which pertains to “alloy steel”. The Authority finds no reasons to deviate from the express and determined classification in this regard. Accordingly, the request for exclusion of certain carbon grade steel with microalloying elements is rejected.
17. The Authority has also considered the claims for exclusion of tool and die steel in terms of BIS standards as defined by IS 3748. However, it is noted that the Petitioners had already excluded, from the scope of PUC, those grades of tools and die steel which are not being produced by them. However, the interested parties are seeking a blanket exclusion of all tool and die steel, without providing any evidence to back up such a claim. Accordingly, the Authority notes that the tool and die steel which are not being manufactured by the domestic industry are already excluded from the PUC. Evidence regarding the supply of tool & die steel of various chemical compositions was provided by the petitioners over the course of the investigation and verified by the Authority. In view thereof, the Authority rejects the request for exclusion with respect to tool and die steel in its entirety. However, tool and die steel of chemical compositions as mentioned in the initiation notice issued by the Authority remain excluded from the scope of the PUC.
18. Claims were also put forward for the exclusion of Alloy steel bars which are further processed like hot drawn, cold drawn, cold extruded, peeled bars, surface finished, polished and bright bars on the ground that these are not imported from China PR. However, the same is untrue in the face of the import transactions available with the Authority. Simple verification of the transaction wise import data evidences that such goods are being imported from China PR. Therefore, the Authority rejects the claim put forward by the interested parties.
19. Thus, the Authority considers that the product under consideration (PUC) in the present investigation is “***Alloy bars and rods in straight length, whether or not hot rolled, hot drawn, cold drawn, cold extruded, peeled bar, surface machined, polished, bright bar, forged.***” However, the following products are excluded from the scope of this investigation:
 - i. Bars and rods in irregularly wound coils;
 - ii. High Speed Steel i.e. alloy steels containing, with or without other elements, at least two of the three elements namely Molybdenum (Mo), Tungsten (W) and Vanadium (V) with a combined content by weight of 7% or more, 0.6% or more of Carbon and 3% to 6% of Chromium;
 - iii. Tool and Die Steel: This category covers steel having either of the following three combinations:

i.	Carbon \geq 0.50% along with Chromium \geq 1.0% in combination of any of the following elements: <ol style="list-style-type: none"> (a) Nickel \geq 1.0% (b) Molybdenum \geq 0.2% (c) Vanadium \geq 0.2%
ii.	Carbon \geq 0.30% in combination with Tungsten \geq 0.40%
iii.	Carbon \geq 0.30% along with Manganese \geq 1.0 % and Chromium \geq 1.0% in combination of any of the following elements: <ol style="list-style-type: none"> (a) Nickel \geq 1.0% (b) Molybdenum \geq 0.2% (c) Vanadium \geq 0.2%
 - iv. Hollow drill bars and rods;
 - v. Bars and rods electroplated with chrome;
 - vi. Reinforcement Bars having ribs / grooves / indentations, used for concrete reinforcement;
 - vii. Stainless Steel bars;
 - viii. Hot-rolled round bars exceeding diameter 210mm.

D. Domestic Industry and Standing**Submissions made by other interested parties**

20. Submissions made by the other interested parties are as follows:

- a. It was claimed by an interested party that the Petitioners failed to name certain producers of the subject goods and therefore, the assessment of total Indian production and share thereof was incorrectly assessed. It was further claimed that many players dealing in the product under consideration in India are missing from the list.

Submissions made by the Domestic Industry

21. Submissions made by the Domestic Industry are as follows:

- a. The present petition was filed by M/s. JSW Steel Limited, M/s. Jayaswal Neco Industries Limited, M/s. Sunflag Iron & Steel Co. Limited, M/s. Usha Martin Limited, M/s. Gerdau Steel India Private Limited and M/s. Vardhman Special Steels Limited.
- b. The petitioners are not related to any exporters or importers of the subject goods, nor have the petitioners imported the subject goods.
- c. The petition has also been supported by 3 other producers, i.e., Kalyani Carpenter Special Steels Private Limited, Kalyani Steels Limited and R.L. Steels and Energy Limited.
- d. The Petitioners' share in total Indian production of the product under consideration is 64% during the POI. Further, the share of Petitioners along with supporters is 87% of the total Indian production of subject goods.
- e. Accordingly, the petitioners clearly satisfy the requirement of standing and thus constitute 'domestic industry' in India for the product concerned in terms of Rule 2(b) read with Rule 5(3) of the AD Rules.

Examination of the Authority

22. Rule 2 (b) of the AD rules defines the domestic industry as under:

“(b) “domestic industry” means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term ‘domestic industry’ may be construed as referring to the rest of the producers”.

23. The subject application was filed M/s. JSW Steel Limited, M/s. Jayaswal Neco Industries Limited, M/s. Sunflag Iron & Steel Co. Limited, M/s. Usha Martin Limited, M/s. Gerdau Steel India Private Limited and M/s. Vardhman Special Steels Limited. It was also supported by three producers, Kalyani Carpenter Special Steels Private Limited, Kalyani Steels Limited and R.L. Steels and Energy Limited.
24. One of the interested parties raised an issue regarding the total production in India and the share of the domestic industry as a percentage of total Indian production. It was claimed that certain manufacturers were not considered while determining the total production in India and therefore, the Domestic Industry's share is exaggerated. However, the data pertaining to “total production in India” was considered on the basis of data of the Joint Planning Committee, an institution officially empowered by the Ministry of Steel, Government of India, to collect data on Indian iron & steel industry. The data maintained by JPC does not include the individual manufacturing capacity of all units in India, but it maintains the overall production and consumption in India for different time period. Therefore, the Authority noted that the data pertaining to total production was accurate, and subsumed the information pertaining to all the manufacturers named by the interested party.
25. The Authority notes that the Petitioners account for 64% of the Indian production and together with the supporters, account for 87% of the Indian production. Therefore, for the purposes of the present investigation, the Authority considers that the Petitioners, M/s. JSW Steel Limited, M/s. Jayaswal Neco Industries Limited, M/s. Sunflag Iron & Steel Co. Limited, M/s. Usha Martin Limited, M/s. Gerdau Steel India Private Limited and M/s. Vardhman Special Steels Limited satisfy the standing requirement in terms of Rule 5(3) and therefore, have been considered to constitute the domestic industry in terms of Rule 2(b) of the AD Rules.

E. Confidentiality**Submissions made by other interested parties**

26. Submissions made by other interested parties are as follows:

- a. Domestic industry has exercised excessive confidentiality in the petition by keeping confidential various information given in Section-VI (Costing Information) of the petition.
- b. No details of the raw material, basis of distribution of the raw material cost into different products and transfer price of the raw materials is provided by the petitioners.
- c. Domestic industry has claimed excessive confidentiality with respect to its exhibits, costing data, working capital, interest on term loan, depreciation, details of WIP and details of miscellaneous income.
- d. The non-confidential version of the Petition does not allow for a reasonable understanding of the allegations contained therein. The rights of defence of the interested parties could not be exercised fully since significant portion of the data provided in the Petition is not properly indexed in the non-confidential version.

Submissions made by the Domestic Industry

27. Submissions made by the domestic industry are as follows:

- a. Bengang Steel Plates Co., Ltd. (Bengang Plates) (Producer & Exporter) which is a public listed company in China PR has claimed excessive confidentiality with regard to the information regarding shareholders, related parties, channel of distribution for exports to India and domestic sales, names of the raw materials used. Further, Bengang Plates has failed to mention the name of parties that it has an agency agreement with. In the absence of related parties' participation, the Authority must treat Bengang as non-cooperative. Moreover, the Annual Reports of Bengang Plates are not enclosed with the non-confidential questionnaire response, though it is a public and listed company in China PR.
- b. Benxi Iron and Steel Hong Kong Limited (Benxi HK), Burwill Resources Limited ("Burwill"), Hangzhou Cogeneration (Hong Kong) Company Limited ("Hangzhou Cogeneration"), Jiangyin Xingcheng Special Steel Works Co., Ltd ("Xingcheng Special Steel") and Daye Special Steel Co., Ltd ("Daye") have claimed excessive confidentiality with regard to the information regarding channel of distribution for exports to India. It is unclear whether all parties involved in the channel of distribution for exports to India have participated in the present investigation. In case of non-participation of any party involved in this chain, these companies should be treated as non-cooperative. It is also noted that in the non-confidential version of Appendix 3A, Benxi HK has claimed the selling price and ex-factory price to be same. The same should be examined in detail.
- c. Xingcheng Special Steel and Jiangsu CP Xingcheng Special Steel Co., Ltd ("CP Special Steel") have claimed even the list of related parties as confidential, though the said information is easily available on the website of the company. These parties have also claimed appendices 5 to 9 as entirely confidential and no non-confidential summary has been provided for the same.
- d. Moreover, names of several other group companies are listed on the website of the holding company CITIC Group, namely, Jiangyin Xingcheng Special Steel Co., Ltd., Hubei Xinye Steel Co., Ltd., Daye Special Steel Co., Ltd., and Qingdao Special Steel Co., Ltd., Tongling Taifu Special Materials Co., Ltd. and Yangzhou Taifu Special Materials Co., Ltd. The Designated Authority is requested to examine how many of these group companies are involved in manufacturing, domestic sales and exporting the subject goods to India.
- e. Xingcheng Special Steel has been classified as trader in the sampling result. However, the questionnaire response of this company shows that it is also involved in manufacturing. The Authority is requested to clarify whether this party is also a producer of the subject goods and whether it also sells the same domestically and in overseas markets including India.
- f. The Domestic Industry has also requested for scrutiny of the PCN reporting by the producers/exporters during the verification to ensure that there is no misdeclaration by the exporters to reduce the dumping or injury margin.

Examination of the Authority

28. With regard to confidentiality of information, Rule 7 of Anti-dumping Rules provides as follows:

Confidential information: (1) Notwithstanding anything contained in sub-rules (2), (3) and (7) of rule 6, sub-rule (2) of rule 12, sub-rule (4) of rule 15 and sub-rule (4) of rule 17, the copies of applications received under sub-rule (1) of rule 5, or any other information provided to the designated authority on a confidential basis by any party in the course of investigation, shall, upon the designated authority being satisfied as to its confidentiality, be treated as such by it and no such information shall be disclosed to any other party without specific authorization of the party providing such information.

(2) The designated authority may require the parties providing information on confidential basis to furnish non-confidential summary thereof and if, in the opinion of a party providing such information, such information is not susceptible of summary, such party may submit to the designated authority a statement of reasons why summarization is not possible.

(3) Notwithstanding anything contained in sub-rule (2), if the designated authority is satisfied that the request for confidentiality is not warranted or the supplier of the information is either unwilling to make the information public or to authorise its disclosure in a generalized or summary form, it may disregard such information.

29. Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis. The Authority notes that any information which is available in the public domain cannot be treated as confidential. The Authority made available the non-confidential version of the evidences submitted by various interested parties in the form of public file.

F. Miscellaneous Issues

Submissions made by other interested parties

30. Submissions made by other interested parties are as follows:

- a. Some of the Petitioners are habitually using anti-dumping duty as a protectionist measure. Anti-dumping duty is already in place on a number of goods supposedly produced by the said producers. Thus, it is either the case that the petitioners are suffering injury on goods produced by them despite levy of duty or that there is no injury suffered by them due to existing ADD on a number of products. Therefore, the Authority must segregate the injury on account of non-subject imports for assessing injury and causal link. Alternately, where there is no injury with respect to non-subject imports, the Authority should revoke those duties which are in force.
- b. The petitioners have provided incomplete import data and in view of the lack of transaction wise data, the interested parties are unable to catch the manipulation done by them.
- c. An importer submitted that the PCN must be revised to address certain issues, particularly of capturing the appropriate data of what products are entering into India. The party requested inclusion of criteria on the basis of type (forged, hot rolled and further processed), on the basis of size (<140mm, >140mm < 210mm and > 210 mm), basis of level of Chromium and Titanium (restricting the Chromium level between 0.30% to 0.40%, and Titanium 0.05% to 0.09%). It was submitted that if PCN were developed on this basis, it would enable comparison of the data for Indian production with that of import for all the carbon steel grades defined as “alloy steel”.
- d. Since the prices of the Indian producers have increased after POI, the Authority should re-evaluate the need for anti-dumping duties. There has been significant price rise in the carbon and alloy steel grades by Indian mills in the last 14 months. Even though there have been steep price increases, the production and capacity utilization of Indian Mills have improved considerably resulting major improvement in their EBITA. DGAD has easier access to this data from JPC and hence, there is a clear need to reassess, whether there is any injury to Indian Mills and hence, whether there is any need for any anti-dumping action in the current scenario.
- e. The levy of anti-dumping duty will not be in the public interest. This is so because the Indian domestic industry already has the protection of 10% in the form of Customs Duty and the levy of ADD would be unwarranted. Such ADD will only block exports from China PR which is the only subject country in the present investigation.
- f. Inappropriate protectionist measures cannot protect the domestic industry and may also damage its long-term and fundamental interest. It may make the domestic industry reluctant to improve the production technology and efficiency. Also, the rising prices will cause the shrinking of downstream industries and overall decline in

demand. Inappropriate protection will virtually form an unfair competitive environment and may even cause the deterioration of the relationship between Indian Straight Length Bars & Rods of Alloy Steel industry and downstream users.

- g. In case the Authority finds injury, anti-dumping duty should be levied on reference price basis. In case duty is imposed on reference price basis, it would ensure that Indian mills will have no fear of any dumping by Chinese Mills in future due to any reasons like section 232, etc. At the same time, if there is no dumping, user industry will have an option to source their raw material from China PR and restrict unreasonable price increases by Indian Manufacturers.

Submissions made by the Domestic Industry

31. Submissions made by the domestic industry are as follows:

- a. In the present investigation, several importers have filed various submissions. However, only National Engineering Industries Limited has filed an importer's questionnaire response. Thus, comments from other importers merit rejection and such parties must be treated as non-cooperative.
- b. With respect to various claims pertaining to PCN and the construction thereof, the Domestic Industry has submitted that neither the participating exporters nor the domestic industry whose data would be subject to examination have raised any issues with the PCN prescribed by the Designated Authority. The data of importers is not relevant for examination of dumping margin and injury margin. In fact, majority of the alleged importers have not even filed any information, data or response to the questionnaire. Therefore, PCN claims made by the importers should be rejected.
- c. The Domestic Industry requested that the PCN reported by the producers/exporters must be closely examined during the verification as there was scope of mis-declaration of PCNs by the exporters in order to reduce the dumping/injury margin. Also, the export data of exporters should be verified with transaction wise DGCI&S import data in order to check the veracity of the disclosure made by them.
- d. With respect to claims regarding the imposition of duty on the basis of reference price, the domestic industry has submitted that reference-price based duty is appropriate only in those cases where prices of the subject goods and its key raw materials are stable, which is not the case in the present investigation. Moreover, since the PUC includes various grades of products, a single reference price-based duty would not be able to address the significant price difference in the high-end grade and low-end grades of the product. Accordingly, the domestic industry has claimed that application of fixed form of duty would ensure the effectiveness of measures as it would reduce the likelihood of price manipulation or circumvention.

Examination of the Authority

32. The Authority has examined the submissions made by all parties, as deemed appropriate. Even though only one importer has filed IQR, submissions made by all parties have been recorded and considered at appropriate places in the present findings.
33. With respect to claims pertaining to PCN classification, inputs from all the interested parties were called for by the Authority. Since no objection was brought forward by any of the producer(s)/exporter(s) or the domestic industry, the Authority proceeded to consider the PCN as proposed. It is also noted that since the PCN classification was used to consider the data provided by the Petitioners and the foreign producers / exporters, the Authority did not consider it appropriate to alter the PCN based on inputs from an importer, when the parties actually concerned had not objected to the PCN methodology proposed.
34. With respect to the claims made by parties regarding the necessity of anti-dumping duty and the form thereof, the Authority notes that the claims have been considered. The necessity of the anti-dumping duty is evident from the significant dumping margin, injury margin and the declining economic parameters as per the injury assessment determined by the Authority. With regard to the request for the appropriate form of duty (reference price duty or fixed form of duty) it is noted that the form of duty which was found appropriate, in view of submissions made and evidence supplied, to achieve the envisaged purpose of duty has been adopted.
35. With regard to the provision of import data, the Authority notes that Trade Notice No. 7/2018 dated 15 March 2018 provides that the Authority, on the basis of a written request would authorize the bona fide applicant to obtain the Transaction-wise import data from DGCIS. As such, any of the interested parties could have obtained the soft copy of the transaction wise import data from DGCI&S after getting authorization. Moreover, the hard copy of the import data (processed/ transformed data) submitted by the applicant/ petitioner industry to DGAD at the time of filing of the application could also have been accessed by the interested parties, after providing a

declaration/ undertaking as prescribed. It was therefore open to the interested parties to seek authorization from the Authority for obtaining transaction wise data for analysis. No such requests were received by any of the interested parties.

36. With regard to the claim that the prices of the domestic industry have increased post-POI, the Authority notes that in an original investigation, post-POI data is not under consideration. The Authority, in its assessment, has focused on the data presented as per the POI.

G. Market Economy Treatment (MET), Normal Value, Export Price and Dumping Margin

Submissions made by Exporters, Importers, Users and other Interested Parties

37. Various submissions made by the interested parties with regard to MET, Normal value, export price and dumping margin and considered relevant by the Authority are examined and addressed as follows:
 - a. That in accordance with relevant provisions of the Protocol on China's accession to the WTO, the Normal Value for the producer / exporter should be based on its domestic sales and cost of the subject goods as the period of 15 years for NME treatment expired on 11 December, 2016.
 - b. That in accordance with relevant provisions of the Protocol on China's accession to the WTO, the "surrogate country" practice in Anti-dumping actions should be lacking legal basis since 11th Dec, 2016. Such practice is bound to expire from then on. Indian investigating authority is requested not to use "surrogate country" methodology in calculating the normal value for this case, regardless of whether or not it is treating China PR as a market economy country.
 - c. "*Pacta sunt servanda*" is a basic principle and obligation under International Law, which means that no party shall evade its obligations under international treaties for political considerations or take the excuse of domestic laws to treat Chinese enterprises with discriminatory actions which are unfair, unjust and unreasonable. Thus, India must fulfill its obligations under relevant agreements, to recognize China's full market economy status, and amend relevant domestic regulations to legally stop using the "surrogate country" approach in anti-dumping investigations against China PR. Section 15 of China's Accession Protocol is the relevant provision which directs all member countries to stop using surrogate country approach.

Submissions made by the Domestic industry

38. Various submissions made by the domestic industry with regard to MET, Normal value, export price and dumping margin during the course of the investigation and considered relevant by the Authority are as follows:
 - a. Though Section 15(a)(ii) of the Protocol on the Accession of the People's Republic of China PR expired on December 11, 2016, China PR should be treated as a non-market economy in the present investigation. The burden to prove that costs and prices reported by co-operating producers reflect market prices lies with such co-operating producers from China PR. This is so because a major part of the POI (almost nine months) was prior to December 11, 2016. The Authority has consistently treated China PR as a non-market economy in the recent investigations against China PR even in investigations concluded after December 2016. The issue of the legal effect of expiry of Section 15(a)(ii) of the Accession Protocol is *sub-judice* before the Disputes Settlement Body of the WTO and most member countries within the WTO have not yet recognized that the expiry of Section 15(a)(ii) would mean an automatic migration to a market economy for China PR.
 - b. There is sufficient reason to consider that the producers in China PR are dumping the subject goods. These producers have been selling the product under consideration at prices less than cost of production and their domestic prices are significantly higher than export price to India.
 - c. None of the Chinese producers can satisfy market economy status. None of the WTO Member countries have granted market economy status to Chinese producers on the basis of the latest detailed evaluation of relevant criteria.
 - d. Unless the responding Chinese exporters conform to the standards laid down under the Rules, the Designated Authority is required to determine the normal value in accordance with Para 7 of Annexure-I to the Rules.
 - e. None of the producers/exporters from China PR have claimed market economy treatment. In fact, one of the sampled producers, Bengang Steel Plates Co. Ltd., in part A(6) of its response has specifically stated that it does not claim Market Economy Status. Further, other sampled producers / traders, Jiangyin Xingcheng Special Steel Works Co. Ltd. and Jiangsu CP Xingcheng Special Steel Co. Ltd. have not provided PCN wise information for

Domestic Sales in Appendix 1, which implies that they are not claiming normal value based on their domestic sales data. Accordingly, the submission of CCOIC is devoid of any merit.

Examination by the Authority

39. The Authority notes that consequent upon the initiation notice issued by the Authority in the present investigation, the following companies have filed exporter's questionnaire response:
- a. Bengang Steel Plates Co., Ltd.
 - b. Burwill Resources Limited
 - c. Benxi Iron and Steel Hong Kong Limited
 - d. Hangzhou Cogeneration (Hong Kong) Co., Ltd.
 - e. Daye Special Steel Co., Ltd.
 - f. Jiangsu CP Xingcheng Special Steel Co., Ltd.
 - g. Jiangyin Taifu Xingcheng Special Type Materials Co., Ltd.
 - h. Jinagyin Xingcheng Special Steel Works Co., Ltd.
 - i. Shandong Shouguang Juneng Special Steel Co., Ltd.
 - j. Jiangsu Yonggang Group Co., Ltd.
 - k. Jiangsu Shagang Group Huaigang Special Steel Co., Ltd.
 - l. Adler Steel Limited
 - m. Jiangsu Lihuai Iron and Steel Co., Ltd.
 - n. B & L International Investment Co., Ltd.
 - o. GS Global Corp.
 - p. GS Global Corp. & Jindal SAW
 - q. Zenith Steel Group Co., Ltd.
 - r. Sinomaterial International Co., Limited
 - s. Genesis Resources Co., Limited
 - t. Toptip Holding Pte. Ltd.
 - u. Zenith Steel Group (Shanghai) CO., Ltd.
 - v. Shi Gang Jing Cheng Equipment Development and Manufacturing Company Limited
 - w. Shijiazhuang Iron and Steel Company Limited
 - x. Jiangsu Lianfeng Energy Equipment Co., Ltd.
 - y. Shandong Iron and Steel Company Limited.
40. Due to the large number of questionnaire responses received from the participating exporters, the Authority resorted to sampling in terms of Rule 17 (3) of the Rules by taking the largest percentage of the volume of exports by the responding parties from the subject country. Accordingly, on 21 December, 2017, the Authority notified that the following would form part of the sampled producers and exporters for the purpose of the present investigation. These are:

Producing Country	Producer	Exporter	Quantity supplied as % of total exports made by the responding producers / exporters
(1)	(2)	(3)	(4)
China PR	Bengang Steel Plates Co., Ltd.	Benxi Iron and Steel Hong Kong Limited; Burwill Resources Limited; Hangzhou Cogeneration (Hong Kong) Co., Ltd.	40.26%
China PR	Daye Special Steel Co., Ltd.; Jiangsu CP Xingcheng Special Steel Co., Ltd.	Daye Special Steel Co., Ltd. Jinagyin Xingcheng Special Steel Works Co., Ltd.;	21.97%

Normal Value

41. Under Section 9A(1)(c), normal value in relation to an article means:

(i) *the comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or*

(ii) *when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either-*

(a) *comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or*

(b) *the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6):*

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transshipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.

Provisions relating to Non- Market Economy Countries

42. Annexure-I to AD rules states as under:

7. *In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the designated authority in a reasonable manner, keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question, and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of selection. Accounts shall be taken within time limits, where appropriate, of the investigation made in any similar matter in respect of any other market economy third country. The parties to the investigation shall be informed without any unreasonable delay the aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments.*

8. (1) *The term “non-market economy country” means any country which the designated authority determines as not operating on market principles of cost or pricing structures, so that sales of merchandise in such country do not reflect the fair value of the merchandise, in accordance with the criteria specified in sub-paragraph (3)*

(2) *There shall be a presumption that any country that has been determined to be, or has been treated as, a non-market economy country for purposes of an anti-dumping investigation by the designated authority or by the competent authority of any WTO member country during the three year period preceding the investigation is a non-market economy country*

Provided, however, that the non-market economy country or the concerned firms from such country may rebut such a presumption by providing information and evidence to the designated authority that establishes that such country is not a non-market economy country on the basis of the criteria specified in sub-paragraph (3)

(3) *The designated authority shall consider in each case the following criteria as to whether:*

(a) *the decisions of the concerned firms in such country regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment, are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;*

(b) *the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;*

(c) *such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms, and*

(d) *the exchange rate conversions are carried out at the market rate.*

Provided, however, that where it is shown by sufficient evidence in writing on the basis of the criteria specified in this paragraph that market conditions prevail for one or more such firms subject to anti-dumping investigations, the designated authority may apply the principles set out in paragraphs 1 to 6 instead of the principles set out in paragraph 7 and in this paragraph”.

Market Economy claims for Chinese producers

43. At the stage of initiation, the Authority proceeded with the presumption that there are significant distortions prevailing in the Steel Industry in China PR. Upon initiation, the Authority advised the producers/ exporters in China PR to respond to the notice of initiation and provide relevant information to demonstrate prevalence of market conditions related to manufacture, production and sales of subject good in the domestic market and in exports to India and other countries. The Authority sent copies of supplementary questionnaire to all the known producers/ exporters for providing information in regard to the-criteria laid down in Para 8(3) of Annexure-I to the Rules. The Authority also requested Government of China PR to advise the producers/ exporters in China PR to provide the relevant information.
44. As regards the computation of normal value for China PR, the Authority notes that the conditions prevalent during the investigation period alone are relevant—for the purpose of present investigation. The Period of Investigation (POI) for the purpose of the present investigation is April, 2016 - March, 2017. Section 15(a) (ii) of the Protocol of Accession of People’s Republic of China was very much in existence during most of the period of investigation.
45. The cooperating exporters/producers of the subject goods from People’s Republic of China were asked to furnish necessary information/sufficient evidence to enable the Designated Authority to examine the following criteria as to whether:
 - a) Decision with regard to price, cost, input including raw material, cost of technology and labour, output, sales and investment are without significant state interference and whether cost of major inputs substantially reflect market value.
 - b) Production costs and financial situation does not suffer for any distortion.
 - c) The producer/exporter are subject to bankruptcy and property law which guarantees legal certainty and stability for the operation of the firms.
 - d) Exchange rate conversions are carried out at the market rate.
46. It is noted that none of producers of subject goods in China PR have submitted duly filled in supplementary questionnaire and have not accordingly claimed market economy treatment.

Determination of Normal Value for producers and exporters in China PR

47. It is noted that none of producers of subject goods in China PR has claimed market economy treatment. Therefore, the Authority has adopted the constructed normal value for determination of the normal value in terms of Para-7 to Annexure-1 to the Rules.

Methodology for determination of normal value for producers and exporters in China PR

48. In view of the above, the normal value for China PR is required to be determined as per the procedure described in Para 7 of the Annexure I to the Anti-dumping Rules. As per the provisions of Para 7 of Annexure I, the normal value in China PR is required to be determined based on domestic selling prices in a market economy third country, or the constructed value in a market economy third country, or the export prices from such a third country to any other country, including India. However, if the normal value cannot be determined on the basis of the alternatives mentioned above, the Designated Authority may determine the normal value on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted to include reasonable profit margin.
49. In the absence of any reliable price and cost details for the subject goods in any market economy third country, the Designated Authority has constructed the normal value for China PR on the basis of price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted, to include a reasonable profit margin. Accordingly, the Normal Value for all the producers/exporters from China PR for the subject goods has been determined and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

Export Price for China PR

M/s Bengang Steel Plates Co., Ltd, China PR (Producer) through related company M/s Benxi Iron and Steel Hong Kong Limited, and unrelated traders M/s. Hangzhou Cogeneration (Hong Kong) Co. Ltd. and Burwill Resources Limited, Hong Kong

50. From the information submitted by M/s Bengang Steel Plates Co., Ltd, China PR (“Bengang”), the Authority notes that Bengang has sold the subject goods to its related exporter/trader namely, M/s Benxi Iron and Steel Hong Kong Limited (“Benxi HK”) and unrelated traders namely, M/s. Hangzhou Cogeneration (Hong Kong) Co. Ltd. (“Hangzhou”) and Burwill Resources Limited, Hong Kong. Both these unrelated exporters have exported the subject goods procured from Bengang to unrelated customers in India. Further, Benxi HK has also resold the subject goods to Hangzhou, who has exported the subject goods to unrelated customers in India. It is noted that Bengang has exported *** MT of the subject goods of invoice value USD *** during the POI. The sales to traders are on FOB basis. The producer has claimed adjustments on account of inland freight, port handling charges, bank charges and commission and the same have been allowed. The authority has made further appropriate adjustment on account of non- refundable VAT. Accordingly, the weighted average export price determined for Bengang at ex-factory level for subject goods is shown in the Dumping Margin Table below.

M/s Daye Special Steel Co., Ltd, Jinagyin Xingcheng Special Steel Works Co., Ltd and Jiangsu CP Xingcheng Special Steel Co., Ltd, China PR (Producers) through related company M/s Jinagyin Xingcheng Special Steel Works Co., Ltd

51. From the information submitted by Daye Special Steel Co., Ltd (“Daye”), M/s Jinagyin Xingcheng Special Steel Works Co., Ltd (“Jinagyin Steel”) and Jiangsu CP Xingcheng Special Steel Co., Ltd (“Jiangsu CP”), the Authority notes that Daye and Jinagyin Steel have exported the subject goods directly to India whereas Jiangsu CP has exported through related company, Jinagyin Steel. It is also noted by the Authority that name of Jinagyin Steel was missed during the sampling exercise. The Authority had noted some deficiencies in the response filed by the companies and issued a deficiency letter to the concerned producers and exporters. However, the response filed by such parties missed the attention of the Authority owing to the fact that the same was filed by their legal representative along with sample invoices and other documents. This led to treating the producers and exporters as non-cooperative at the stage of Disclosure Statement. However, on receipt of post-disclosure comments from the parties regarding this oversight, the information which had been supplied by such parties was examined.
52. It was noted by the authority that producers / exporter have paid commission to related party of the customers, which amounts to compensatory arrangement between exporters & importers and resulting in inflated price. Further, in some of the cases, delivery terms were upto factory of the customers. Accordingly, Authority has made appropriate adjustments for commission and inland freight in India from the invoice price. The producers have claimed adjustments on account of inland freight, ocean freight, port handling charges, bank charges, credit cost, commission and non- refundable VAT. The same have been allowed after making appropriate adjustments. Accordingly, the weighted average export price determined for Daye, Jinagyin Steel and Jiangsu CP, at ex-factory level for subject goods is shown in the Dumping Margin Table below.

Export Price for non-cooperating producers and exporters from China PR

53. For all the non-cooperative producers/exporters in China PR, the Authority has determined the export price for the subject goods on the basis of best available information and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

Dumping margin for all other non-sampled producers / exporters from China PR

54. For all other non-sampled cooperative producers/ exporters in China PR, the Authority has adopted the export price of only cooperative sampled producers and exporters as determined above to arrive at the dumping margin of the non-sampled producers and exporters and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

Dumping Margin

55. The export price to India (net of all the adjustments claimed by the exporters and accepted by the Authority) has been compared with the normal value to determine the dumping margin. The dumping margin during the POI for all the cooperating exporters/producers from the China PR has been determined as shown in the Dumping Margin table below.

Dumping Margin

S.No	Country	Producer	Exporter	Normal Value [USD/MT]	Net Export Price [USD/MT]	Dumping Margin [USD/MT]	Dumping Margin %	Dumping Margin Range %
1.	China PR	M/s Bengang Steel Plates Co., Ltd	a) M/s Benxi Iron and Steel Hong Kong Limited b) M/s. Hangzhou Cogeneration (Hong Kong) Co. Ltd. c) Burwill Resources Limited	***	***	***	***	50-60
2.	China PR	a) M/s Daye Special Steel Co., Ltd. b) Jiangsu CP Xingcheng Special Steel Co., Ltd. c) Jinagyin Xingcheng Special Steel Works Co., Ltd	a) M/s Daye Special Steel Co., Ltd. b) Jinagyin Xingcheng Special Steel Works Co., Ltd	***	***	***	***	5-15
3.	China PR	Non-Sampled Co-operating Producers*	Non-Sampled Co-operating Exporters*	***	***	***	***	25-35
4.	China PR	All Others	All Others	***	***	***	***	80-90

* Non-Sampled Co-operating Producers/exporters

S.No	Producers	Exporters
1.	Shandong Iron and Steel Company Limited, Laiwu Company	Shandong Iron and Steel Company Limited, Laiwu Company
2.	Shi Gang Jing Cheng Equipment Development and Manufacturing Company Limited	Shi Gang Jing Cheng Equipment Development and Manufacturing Company Limited
3.	Shijiazhuang Iron and Steel Company Limited	a) Shijiazhuang Iron and Steel Company Limited b) LG International Corp.
4.	Shandong Shouguang Juneng Special Steel Co., Ltd.	a) Shandong Shouguang Juneng Special Steel Co., Ltd. b) Burwill Resources Limited
5.	Jiangsu Lianfeng Energy Equipment Co., Ltd.	a) Jiangsu Lianfeng Energy Equipment Co., Ltd. b) Burwill Resources Limited
6.	Zenith Steel Group Co., Ltd.	a) Genesis Resources Ltd b) Toptip Holding Pte Ltd c) Sinomaterial International Co., Ltd
7.	Jiangsu Lihuai Iron and Steel Co., Ltd.	a) Adler Steel Limited b) B&L International Co., Ltd c) GS Global Corp & Jindal Saw

56. It is seen that the dumping margins are quite significant and more than the *de-minimis* limits prescribed under the Rules in respect of the exports made by all the producers/exporters of the product under consideration from the subject country.

H. Assessment of Injury and Causal Link

57. Rule 11 of Antidumping Rules read with Annexure II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry. Specifically, paragraphs (i) and (ii) of Annexure II of the AD Rules lays down as follows:

(i) *A determination of injury shall involve an objective examination of both (a) the volume of the dumped imports and the affect of the dumped imports on prices in the domestic market for like article and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such products.*

(ii) *While examining the volume of dumped imports, the said authority shall consider whether there has been a significant increase in the dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India. With regard to the affect of the dumped imports on prices as referred to in sub-rule (2) of rule 18 the designated authority shall consider whether there has been a significant price under cutting by the dumped imports as compared with the price of like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increase which otherwise would have occurred, to a significant degree.*

Submissions made by the Domestic Industry

58. The following are the submissions with regard to injury related issues made by the domestic industry and considered relevant by the Authority:

- a. Imports from China PR have increased substantially from 56,690 MT in 2013-14 to 1,80,959 MT during the POI, i.e. a three-fold increase.
- b. The entire increase in demand of 1,54,858 MT (from 15,14,795 MT in 2013-14 to 16,69,653 MT during the POI) has been taken away by the dumped imports from subject country (increase of 124,268 MT during the same period in absolute terms).
- c. Imports of subject goods from China PR have increased in relation to petitioners' production from 9% in 2013-14 to 18% in POI.
- d. Imports of subject goods from China PR have increased in relation to consumption in India from 4% in 2013-14 to 11% in POI.
- e. In order to maintain their domestic sales volume, domestic industry had to reduce their prices significantly during the POI because of extremely low prices offered by exporters from subject country during POI. This shows a significant price depression because of dumped imports from subject country.
- f. The fall in domestic selling price is more than the fall in cost to make and sell leading to a price suppression for the domestic industry. The dumped imports from China PR are coming at a price which is even lower than cost to make and sell of the Domestic Industry.
- g. The imports from China PR have consistently been undercutting the prices of domestic industry during the injury period. It is claimed that significant price undercutting in the range of 15% to 25% exists in the present case.
- h. The performance of the domestic industry in terms of capacity, production and capacity utilization has suffered over the period of injury and investigation. Due to the constant pressure from dumped imports from subject country, domestic industry has not been able to make full use of its facilities. It is also pertinent to note that the domestic industry is having sufficient capacity to cater to entire demand in India.
- i. Profits earned by the domestic industry from sale of the subject goods in the domestic market have been adversely affected during the entire injury analysis period and has turned negative during the POI.
- j. Moreover, the domestic industry is earning unreasonably low cash profits. Due to persistent dumping of subject goods from the subject country, cash profits per unit have declined.
- k. Return on capital employed earned by the domestic industry has been low throughout the injury and investigation period. Due to constant dumping of subject goods into India the petitioners have not been able to earn a reasonable rate of return on capital employed by them. In fact, if protection is not extended, the Petitioners will not be in a position to service their debts and may be forced to shut down in near future.
- l. The return on capital employed during the POI has reduced in relation to the base year and in relation to the immediate previous year.

- m. The Domestic Industry is facing significant accumulated inventories. The levels of inventories have been increasing as compared to the base year. Due to increasing imports, the market share of the Domestic Industry has come down and the increased demand has been significantly captured by imports. As a result, the Domestic Industry is unable to increase its sales, which is leading to a situation of inventory accumulation over the injury period.
- n. The dumping margin for imports of the subject goods from China PR is not only above the de-minimis level but also very substantial. The domestic industry apprehends that the present situation is highly precarious and if imports continue to enter the country at the current dumping margin level, there is a likelihood of more intensified injury to the domestic industry.
- o. There is “threat of material injury” to domestic industry as there has been significant increase (an increase of three times) in dumped imports from China PR, which are entering at prices causing price suppressing and depressing effect on domestic industry’s prices. In addition to the same, there exist large unutilized capacities in China PR for subject products. The subject imports are also causing significant price undercutting and underselling.
- p. With the introduction of the recent Section 232 import tariffs of 25% by the United States on steel articles including bars and rods from China PR and other countries, a major export market of China PR has been blocked directly and indirectly. Chinese excess capacity coupled with this recent development and geographical proximity to India will make India an attractive market for China PR to dump the subject goods, while there is no protection for the Domestic Industry.
- q. Interested parties have claimed that there is no threat of injury on account of US imposition of import tariff on import of steel products u/s 232 as even after imposition of import tariff on imports of steel product from China PR there is no reduction in export of steel products to USA from China PR and import from China PR is only 5% of total imports of Steel products by USA. The domestic industry strongly denies and objects to the above contentions. Rather, it is reasonably expected that Chinese exporters will divert their capacity and market to countries like India which are geographically proximate and where no protection for the Domestic Industry is in place. Further, it is too early to claim that there is no reduction in export of steel products to the United States from China PR as it has been only 4 months since imposition of section 232 measure by the United States.
- r. The domestic industry submits that the only cause of injury suffered by them is the dumped imports coming from China PR in significant volumes. There are no trade restrictive practices, technology issues, export performance issues, productivity issues or any other factor which can be attributed to the injury being suffered by domestic industry.
- s. The Domestic Industry has been using the same technology as that of producers in the subject country. Therefore, developments in technology are not at all the reason for injury to the domestic industry.
- t. As far as productivity and competition between foreign and domestic producers is concerned, it is submitted that injury suffered by the domestic industry is because of the dumped imports coming from China PR in significant volumes. If the imports take place at the fair prices, the Domestic Industry is totally in a position to face the competition from imports.
- u. The export performance of the Domestic Industry has not affected its financial and economic situation. Also, petitioners have ignored the information related to exports while providing the data for injury parameters and entire injury analysis is based only on domestic performance of petitioners.
- v. There exists a causal link between the injury suffered by the domestic industry and increasing low priced dumped imports coming into India.
- w. It has been claimed by several other interested parties that 22% return on capital employed is not justified in calculating the non-injurious price. The Authority should consider the return earned by the applicants in the past as reasonable return on the capital employed. The domestic industry strongly objects to the above contention and submits that none of the interested parties have adduced evidence to demonstrate why 22% return on capital employed is not justified. It is submitted that 22% return on capital employed is valid in the present case and should be affirmed definitively in the final findings.
- x. Some interested parties have submitted that different rate should be determined for debt and equity portion of the capital employed. In terms of paragraph 4(viii) of Annexure III of the Ad Rules, it is evident that capital employed is the sum of net fixed assets and net working capital. There is no distinction as to whether the net fixed assets and net working capital is financed through debt or equity. Therefore, there is no rationale in determining different rate for calculating reasonable return on capital employed, sourced through debt and equity.

- y. NEIL has submitted that M/s. JSW Steel Limited and M/s. Usha Martin Limited have already been provided protection in the earlier steel cases and that the anti-dumping duty is already in place on number of products produced by the abovementioned producers and therefore either the said producers are facing injury on account of imports of non-subject goods despite levy of duty, in which case the Authority must segregate injury on account of imports of non-subject goods from the present investigation or the abovementioned producers are not facing any injury on account of import of non-subject goods, in which case the duty levied on such non-subject goods in earlier investigations should be revoked. There is no rationale in the submissions of NEIL since injury assessment is done based on the product under consideration and the impact of any other product is already excluded from such an assessment.
- z. NEIL has submitted that JSW Steel Italy S.r.l. (a subsidiary of JSW Steel Limited) has entered into a Sale and Purchase Agreement for acquisition of 100% shares of Aferpi S.p.A, Piombino Logistics S.p.A ("PL") and 69.27% of the share capital of GSI Lucchini S.p.A for a cash consideration of Euro 55 Million on a cash free, debt free basis. It has therefore been stated that this ongoing acquisition of the steel facility for a cash consideration invariably reflected that the import of subject goods has not adversely impacted Applicant's ability to raise investments. The submission has been made without any rationale or correlation between the facts therein. The domestic industry requests the Authority to disregard the same.
- aa. In response to claims that in view of the increase in custom duty during 2015-16, there is no need to impose duties, the domestic industry submitted that increase in basic customs duty is a policy decision taken by the Government of India and cannot be considered as a remedy for countering injurious dumping.
- bb. Further, some interested parties have also submitted that levy of anti-dumping duty will not be in public interest. In this regard, the Domestic Industry submits that anti-dumping duties are imposed only to the extent to counteract injurious dumping. The anti-dumping duties in no way block imports from entering into India but only ensure that the imports are coming at fair prices.
- cc. With respect to claims pertaining to the analysis of post-POI trends in view of the price rise in carbon and alloy steel grade products after the POI, the Domestic Industry submits that the price of carbon and alloy steel grade has increased as a result of significant increase in the prices of key raw material involved. Thus, it is the cost of the product which has increased, leading to an increase in selling price. There is no improvement in the profitability of the petitioners. Moreover, there is no basis for considering post POI trends in an original investigation.

Submissions made by the Other Interested Parties

59. Submissions made by the other interested parties are as follows:

- a. The import volumes from China PR have increased in tandem with the increase in demand. As per proforma IVA of the application filed by the Petitioners, imports from China PR increased from 56,990 MT in the base year to 301,992 MT during the year 2015-16 and further to 180,959 MT during the POI. This only works out to 11% of total prevailing demand of subject goods in India. At the same time, demand has also increased by around 11% whereas imports from subject country in relation to total demand in India has increased by 7% (from 4% in the base year to 11%) during POI, which is very nominal.
- b. NEIL's import price of SAE SAE52100 and SAE8720 grades is above the NIP estimated by Applicants. Furthermore, the import price of said grades by NEIL is substantially above the domestically procured comparable goods. Therefore, there cannot be any injury on account of grades imported by NEIL.
- c. The volume of exports from the subject country has decreased during POI. Further, the sales realization of domestic industry is in line with the cost of sales per unit. Therefore, there is no price suppression as the domestic selling price of Applicants remained uninfluenced from the import price.
- d. The Domestic Industry has captured more than 50% of the Indian Market. Its share has increased substantially to 57% during the POI. This shows that the Domestic Industry is performing well but if the petitioners are still claiming the injury, it cannot be attributed to imports from China PR.
- e. The Petitioners' volume parameters are reflecting a positive trend with respect to capacity, capacity utilization, production and domestic sales.
- f. The Petitioners are operating at 100% as their production and capacity utilization has increased during POI, so their claim that they are facing hardship due to imports from subject country is not true since there is neither a reduction in production nor in capacity utilization. It may be seen that during the POI, the Petitioners operated at maximum capacity utilization.

- g. One of the interested parties also claimed that the Petitioners' low capacity utilization has led to increased cost of production.
- h. The Petitioners' domestic sales have improved but export sales have declined. The decline in export sales have had an adverse impact on volume and price injury of the Petitioners.
- i. The Petitioners' export sales are made at prices lower than NIP as well as the domestic selling price, evidencing that injury is on account of intrinsic factors including decline in export sales volume and export sales price.
- j. The increase in the Petitioners' sales volume and data concerning sales realization per units demonstrates that the price of domestic industry has decreased only to the extent of decline in the cost of sales. Needless to add, in a market where there is fair competition, the domestic seller is required to match import price, however, domestic sales volume and selling price of subject goods has displayed an absence of co-relation with import price.
- k. The profits of Applicants have declined to the extent of decline in the cost of sales. Therefore, the decline in profit is on account of decline in the cost of sales. Accordingly, there is no decline in profits in percentage terms. The decline in profits is also attributable to the decline in export performance and export sales below cost.
- l. Since the Petitioners' production volume has increased, the employment and productivity per employee has not displayed any adverse impact. Therefore, there is no causal link between the performance of the domestic industry and the import volumes from the subject country.
- m. With respect to the return on capital employed, the data of the petitioners shows abnormal trends and does not correlate with the injury to the domestic industry. The accuracy of the data provided by the petitioners is doubtful and merits critical examination by the Investigating Authority.
- n. The law requires the return should be "reasonable" but 22% return on all types of industry is not reasonable. Considering 22% return inflates the NIP calculated by the Authority. Consistent practice of the Authority in this regard is no reason to grant 22% return. Providing 22% return on capital employed is incorrect because the debt portion of Capital Employed which attracts about 10 to 12% interest rate is provided 22% which in turn results in providing more than 22% return on Net Worth portion of Capital Employed. Moreover, in an era of global recession allowing such a high return to Domestic Industry is totally incorrect and is never heard of in any sector.
- o. Any injury allegedly suffered by the Domestic Industry is due to factors other than imports from the country concerned. If the Domestic industry has suffered injury at all, then it is mandatory in terms of paragraph (v) of Annexure II of the AD Rules that the Authority must examine known factors other than imports, which are causing injury to the Domestic industry.

Examination of the Authority

60. The Authority has taken note of the submissions made by various interested parties and examined the injury to the domestic industry in accordance with the Anti-dumping Rules, considering the submissions made by the domestic industry and the interested parties.
61. The AD Rules require the Authority to examine injury by examining both volume and price effect. A determination of injury involves an objective examination of both (a) the volume of the dumped imports and the effect of the dumped imports on prices in the domestic market for the like article and (b) the consequent impact of these imports on domestic industry. With regard to the volume of dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in the dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India. With regard to the effect of the dumped imports on prices the Authority is required to consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases which otherwise would have occurred to a significant degree.
62. As regards the consequent impact of dumped imports on the domestic industry, Para (iv) of Annexure II of Antidumping rules states as under:

(iv) The examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry concerned, shall include an evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including natural and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices; the magnitude of the

margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments

63. It is not necessary that all parameters of injury show deterioration. Some parameters may show deterioration; while some may show improvement. The Designated Authority has considered all injury parameters and thereafter, concluded whether the domestic industry has suffered injury due to dumping or not.

Volume Effect of Dumped Imports and Impact on Domestic Industry

Assessment of Demand

64. The demand of subject goods has been determined by cumulating the domestic sales of Petitioners and other Indian producers of like product with the imports of the subject goods from all sources. For the purpose of present injury analysis, the Authority has relied on the import data procured from DGCI&S. The Authority notes that demand of subject goods increased over the injury period.

Demand

Particulars	Unit	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17 (POI)
Sales of Petitioners	MT	***	***	***	***
Sales of Supporters	MT	***	***	***	***
Sales of Other Producers	MT	***	***	***	***
Total Domestic Sales	MT	13,81,862	13,89,428	13,64,090	14,13,650
Imports from Subject Country	MT	56,690	1,76,936	3,01,992	1,80,959
Import from Other Countries	MT	76,242	82,788	82,992	75,045
Total Imports	MT	1,32,933	2,59,723	3,84,983	2,56,004
Indian Demand	MT	15,14,795	16,49,152	17,49,073	16,69,653

65. Based on the foregoing, it is evident that Indian demand has increased throughout the period of injury with the exception of a slight decline in the POI. It is noted that Indian demand grew by 1,54,858 MT over the period of injury and almost the entire demand expansion was taken over by the imports from the subject country, which grew by 1,24,269 MT. In this time, sales of the Indian producers including the petitioners only increased by 31,788 MT, which is merely a quarter of the growth in demand. Thus, it is noted that the demand increased, and the increase was taken over by the imports from the subject country.

Import Volumes and Share of Subject country

66. With regard to the volume of the dumped imports, the Authority has considered whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India. The volume of imports of the subject goods from the subject country has been analyzed as under:

Market Share of Imports

Particulars	Unit	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17 (POI)
Imports from China PR	MT	56,690	1,76,936	3,01,992	1,80,959
Imports from China PR in relation to Indian Demand	%	4%	11%	17%	11%
Imports from China PR in relation to Petitioners' production	%	9%	19%	31%	18%

67. The Authority notes as under from the above table:
- Imports of subject goods from China PR have significantly increased in absolute terms before registering decline in POI.
 - Imports from China PR, in relation to Petitioners' production, have increased over the period of injury and have reached a level of 18% during POI.
 - Imports from China PR in relation to Indian Consumption have increased, reaching a level of 11% in the POI as compared to 4% in the base year.

Price Effect of the Dumped Imports on the Domestic Industry

68. With regard to the effect of the dumped imports on prices, Annexure II (ii) of the Rules lays down as follows:

"With regard to the effect of the dumped imports on prices as referred to in sub-rule (2) of rule 18 the Designated Authority shall consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increase which otherwise would have occurred to a significant degree."

69. It has been examined whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports, or whether the effect of such imports has been otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. The impact of dumped imports on the prices of the domestic industry has been examined with reference to the price undercutting, price underselling, price suppression and price depression, if any.

Price Undercutting

70. In order to determine whether the imports are undercutting the prices of the domestic industry in the market, the Authority has compared landed price of imports with net sales realization of the domestic industry. In this regard, a comparison has been made between the landed value of the product and the average selling price of the domestic industry net of all rebates and taxes, at the same level of trade. The prices of the domestic industry were determined at the ex-factory level. The domestic prices and margin of undercutting is shown in the table below:

Particulars	Unit	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17 (POI)
Domestic selling price	Rs. Per MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	103	96	92
Landed Value	Rs. Per MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	73	58	63
Price Undercutting	Rs. Per MT	***	***	***	***
Price Undercutting	% of L.V.	***	***	***	***
Price Undercutting (Range)	% of L.V.	-25 to -15%	10 to 20%	30 to 40%	15 to 25%

71. The Authority notes from the aforesaid table that the price undercutting caused by dumped imports has increased consistently over the injury period before registering some decline in POI. However, the price undercutting during the POI remained significant and in the range of 15% to 25%.

Price Suppression / Depression

72. In order to determine whether the dumped imports are depressing the domestic prices and whether the effect of such imports is to suppress prices to a significant degree or prevent price increases which otherwise would have occurred to a significant degree, the Authority considered the changes in the costs and prices over the injury period. The position is shown as per the table below:

Particulars	Unit	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17 (POI)
Domestic Sales	Rs./MT	***	***	***	***
Realization	Indexed	100	103	96	92
Cost to make and sell	Rs./ MT	***	***	***	***
	Indexed	100	108	96	97
Landed Value	Rs./MT	57,928	42,483	33,510	36,534
Trend	Indexed	100	73	58	63

73. It can be seen from the above table that the Petitioners' cost of sales increased during 2014-15 and then declined over the remaining period and the POI. However, during the same period, the Petitioners' selling price declined much more steeply. In the POI, the cost of sales increased but the selling price of the Petitioners continued to decline. It is noted that the selling price of the Petitioners was lower than its cost to make and sell in the POI. It is also noted that the landed value from China PR was much lower than both selling price and cost to make and sell. The Authority also notes that, at the same time, the decline in the Landed Value of the subject imports is much more significant. Thus, the Petitioners are facing price suppression/ depression owing to the pricing trend of landed value.

Price Underselling

74. The Authority has also examined price underselling, if any, on account of dumped imports from subject country. For this purpose, the NIP determined for the domestic industry has been compared with the landed price of imports. Comparison of weighted average NIP of the domestic industry with weighted average landed price of imports shows as follows:

Particulars	Unit	POI (2016-17)
Landed Value	Rs./MT	36,534
Non-Injurious Price (NIP)	Rs./MT	***
Injury Margin	Rs./MT	***
	USD/ MT	***
	%	***
	Range	20-30

75. The Authority notes that the landed price of the subject goods from subject country were lower than the NIP determined for the domestic industry.

Economic parameters of the domestic industry

76. Annexure II to the Anti-dumping Rules requires that a determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of these imports on domestic producers of like product. The Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments. The various injury parameters relating to the domestic industry are discussed below.

Production, Capacity, Capacity Utilization and Sales

77. The performance of the domestic industry with regard to capacity, production, domestic sales and capacity utilization is shown in the table below:

Particulars	Unit	2013-14	2014-15	2015-16	POI
Installed Capacity (PUC+NPUC)	MT	***	***	***	***
	Indexed	100	116	116	136
Production (PUC+NPUC)	MT	***	***	***	***
	Indexed	100	128	129	139
Capacity Utilization	%	62%	68%	69%	63%
Production (PUC)	MT	***	***	***	***
	Indexed	100	145	152	154
Sales (PUC)	MT	***	***	***	***
	Indexed	100	140	148	150

78. It can be observed that the Petitioners' production and sales increased over the period of injury.
79. However, it is noted that the capacity utilization has not undergone much change over the entire period of injury and the POI, and has in fact, declined in the POI compared to 2014-15 and 2015-16. The domestic industry's capacity utilization has remained low despite significant increase in demand of the subject goods during the period of injury.

Market Share

80. The Authority notes that the Petitioners have maintained their market share over the period of injury. The relevant data in this regard is as follows:

Particulars	Unit	2013-14	2014-15	2015-16	POI
Market Share of Petitioners	%	40%	52%	51%	54%
Market Share of Supporters	%	17%	17%	16%	20%
Market Share of Other Producers	%	34%	15%	10%	11%
Total Indian Producers' Market Share	%	91%	84%	77%	85%
Imports from Subject Country	%	4%	11%	17%	11%
Imports from Other Countries	%	5%	5%	5%	4%
Total Demand	%	100%	100%	100%	100%

81. The Authority notes that an assessment of the demand and its distribution indicates that the share of the Indian producers, including the Petitioners, declined from 91% in the base year to 85% in the POI. At the same time, share of imports from other countries also declined from 5% in the base year to 4% in the POI. However, only the

imports from the subject country managed to expand their market from merely 4% in the base year to 11% in the POI.

Profitability and Cash profits

82. The Authority has assessed the data pertaining to the profitability of the Petitioners and the following data may be seen in this regard:

Particulars	Unit	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17 (POI)
Profits /Loss (Total)	Rs. (in Lacs)	***	***	***	***
	Indexed	100	(25)	155	(33)
Profit/Loss (Per Unit)	Rs./MT	***	***	***	***
	Indexed	100	(18)	105	(22)
Cash Profit (Total)	Rs. (in Lacs)	***	***	***	***
	Indexed	100	29	147	31
Cash Profit (per Unit)	Rs./MT	***	***	***	***
	Indexed	100	21	100	21

83. The Authority notes that:

- the Petitioners' profits in total declined from positive in the base year to negative during the POI.
- the Petitioners' cash profit in total has declined to insignificant level.
- The profit per unit has reduced from 100 indexed points during 2013-14 to losses at (22) indexed points during the POI.
- The cash profit per unit has reduced from 100 indexed points during the base year to 21 indexed points in the POI.

Return on capital employed

Particulars	Unit	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17 (POI)
Capital employed	Rs. in Lacs	***	***	***	***
	Indexed	100	113	120	136
ROCE	%	***	***	***	***
	Indexed	100	69	150	80

84. The Authority notes that the Petitioners' ROCE has been low throughout the period of injury. The ROCE during the POI is lower as compared to the base year as well as the year prior thereto.

Inventories

Particulars	Unit	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17 (POI)
Inventory	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	171	251	329

85. The Authority notes that the Domestic Industry is facing accumulated inventories. The level of inventories has been increasing as compared to the base year and has reached the level which is equivalent to approx. 2.5 months' production.

Productivity of the domestic industry

86. The Authority notes that employment level of the domestic industry has increased initially till 2014-15 and has then declined thereafter. Further, productivity per employee has improved. Wages have shown fluctuation but remained unaffected over the entire period of injury and in the POI.

Particulars	Unit	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17 (POI)
Production	MT	***	***	***	***
No. of Employees	Nos.	***	***	***	***
Wages	Per MT	***	***	***	***

	Indexed	100	81	86	100
Productivity	MT Per employee	***	***	***	***
	Indexed	100	105	115	120

Growth of the Domestic Industry

87. The Authority notes that growth of the domestic industry with regard to domestic sales, capacity utilization, profits, return on investment, cash profits was positive in 2015-16. The growth in these parameters, however, became negative during POI.

Particulars	Unit	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17 (POI)
Capacity utilization	Y/Y		10%	1%	-8%
Domestic sales	Y/Y		40%	5%	1%
Return on investment	Y/Y		-31%	119%	-47%
Profits	Y/Y		-22%	132%	-39%

Ability to raise capital investments

88. The Authority notes that submissions were put forward by one the interested parties that since one of the Petitioners' subsidiaries has been able to acquire another company in another country for a cash consideration which was debt free, the Authority should note that the Petitioners' ability to raise capital investments is unaffected by the subject imports. Such a claim does not have any merit as it does not apply to the domestic industry as a whole.

Level of dumping & dumping margin

89. The Authority has already recorded its observations regarding dumping in the foregoing sections of the present findings. It is noted that imports from the subject country are entering into the country at dumped prices and that the margins of dumping are significant.

Factors Affecting Domestic Prices

90. The examination of the import prices from the subject country, change in the cost structure, competition in the domestic market, factors other than dumped imports that might be affecting the prices of the domestic industry in the domestic market, etc., shows that the landed value of imported goods from the subject country is below the non-injurious price and selling price of the domestic industry, causing price underselling and price undercutting in the Indian market. Thus, the Authority notes that the primary factor affecting the domestic prices appears to be the low landed value of subject goods from the subject country.

Overall Analysis on Injury

91. Having regard to the information on record and after examination of the performance of the Domestic Industry, the Authority notes that the dumped imports of the subject goods from subject country has increased in absolute terms as well as in relation to production and consumption of the subject goods in India. There is price undercutting as well as price suppression and depression experienced by the domestic industry owing to the pricing of the subject imports which has prevented the domestic industry from charging its price to remunerative level. The demand for the product has increased significantly and imports from China PR hold a significant share in the increase in demand. The domestic industry's profits in the base year turned to losses in the POI and its cash profits also suffered significantly.

Causal Link and Other Factors

92. The Authority has examined whether other factors listed under the Anti-dumping Rules could have contributed to injury to the domestic industry. The factors considered are discussed below:

Imports from third country

93. The imports from countries other than subject country show a mixed trend over the period of injury and POI. Moreover, the price at which goods are coming from other countries is much higher than the price at which goods are coming from subject country.

Contraction in demand

94. The demand for the subject goods has shown an increasing trend. Accordingly, fall in demand cannot be the reason for injury to the domestic industry.

Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers

95. The Authority notes that there is no trade restrictive practice which could have contributed to the injury to the domestic industry.

Developments in technology

96. The technology for production of the product concerned has not undergone any change. Thus, developments in technology cannot be regarded as a factor of causing injury to the domestic injury.

Changes in pattern of consumption

97. The domestic industry is producing the type of goods that have been imported into India. Possible changes in pattern of consumption are not a factor that have caused claimed injury to the domestic industry.

Export performance

98. The Authority notes that the performance of the Petitioners in the export markets has not affected the assessment made by the Authority of the domestic industry's performance. The Authority conducted its assessment based solely on information pertaining to the domestic sales. Injury on account of domestic sales has been isolated and examined, to the extent possible.

Performance of the domestic industry with respect to other products

99. The Authority notes that the performance of other products being produced and sold by the domestic industry has not affected the assessment made by the Authority of the domestic industry's performance. The information considered by the Authority is with respect to the product under consideration only.

Productivity of the domestic industry

100. The Authority notes that there has not been any deterioration in productivity and accordingly productivity of the domestic industry cannot be the cause of injury.

Magnitude of Injury Margin

101. The Authority has determined the non-injurious price for the domestic industry and compared with the landed values of the subject imports from the subject country to determine the injury margin. The injury margins have been determined as follows:

Injury Margin

S.No	Country	Producer	Exporter	NIP [USD/MT]	Landed Value [USD/MT]	Injury Margin [USD/MT]	Injury Margin %	Injury Margin Range %
1.	China PR	M/s Bengang Steel Plates Co., Ltd	a)M/s Benxi Iron and Steel Hong Kong	***	***	***	***	30-40

S.No	Country	Producer	Exporter	NIP [USD/MT]	Landed Value [USD/MT]	Injury Margin [USD/MT]	Injury Margin %	Injury Margin Range %
			Limited b) M/s. Hangzhou Cogeneration (Hong Kong) Co. Ltd. c) Burwill Resources Limited					
2.	China PR	a) M/s Daye Special Steel Co., Ltd. b) Jiangsu CP Xingcheng Special Steel Co., Ltd. c) Jinagyin Xingcheng Special Steel Works Co., Ltd	a) M/s Daye Special Steel Co., Ltd. b) Jinagyin Xingcheng Special Steel Works Co., Ltd	***	***	***	***	0-10
3.	China PR	Non-Sampled Co-operating Producers*	Non-Sampled Co-operating Exporters*	***	***	***	***	10-20
4.	China PR	All Others	All Others	***	***	***	***	35-45

* Non-Sampled Co-operative Producers/Exporters

S.No	Producers	Exporters
1.	Shandong Iron and Steel Company Limited, Laiwu Company	Shandong Iron and Steel Company Limited, Laiwu Company
2.	Shi Gang Jing Cheng Equipment Development and Manufacturing Company Limited	Shi Gang Jing Cheng Equipment Development and Manufacturing Company Limited
3.	Shijiazhuang Iron and Steel Company Limited	a) Shijiazhuang Iron and Steel Company Limited b) LG International Corp.
4.	Shandong Shouguang Juneng Special Steel Co., Ltd.	a) Shandong Shouguang Juneng Special Steel Co., Ltd. b) Burwill Resources Limited
5.	Jiangsu Lianfeng Energy Equipment Co., Ltd.	a) Jiangsu Lianfeng Energy Equipment Co., Ltd. b) Burwill Resources Limited
6.	Zenith Steel Group Co., Ltd.	a) Genesis Resources Ltd b) Toptip Holding Pte Ltd c) Sinomaterial International Co., Ltd
7.	Jiangsu Lihuai Iron and Steel Co., Ltd.	a) Adler Steel Limited b) B&L International Co., Ltd c) GS Global Corp & Jindal Saw

102. The Authority notes that the level of dumping margins and injury margins as determined are significant.

I. Factors establishing Causal Link

103. Analysis of the dumped imports and the performance of the domestic industry over the injury period reveals facts stated hereunder:

- a) Dumped Imports of the subject goods from China PR increased in absolute terms in the POI as compared to base year.

- b) Dumped Imports of the subject goods from the subject country increased relative to petitioners' production and consumption in India POI as compared to base year.
- c) Dumped Imports are undercutting the prices of the domestic industry.
- d) The price undercutting caused by the dumped imports prevented the increase in prices of the domestic industry which would otherwise have happened.
- e) The domestic industry's profits, return on capital employed and cash profits declined during the POI as compared to base year.
- f) The primary factor affecting the domestic prices is the low landed value of subject goods from China PR.

J. Post-Disclosure Comments by Domestic Industry and Other Interested Parties

104. The post disclosure submissions have been received from a large number of parties, including interested parties and the domestic industry. The issues raised therein have, for the most part, already been raised earlier during the investigation and addressed appropriately in relevant parts of this Finding. However, for the sake of clarity the post-disclosure submissions by the various parties are being examined as below:

Submissions made by the Other Interested Parties

105. Submissions were received from a large number of parties, many of whom had not filed interested party letters or participated in the investigation till the stage of issuance of disclosure. These parties are:
- a. Jyoti Steel Industries
 - b. Dharam International
 - c. Pragati Ispat Udyog
 - d. Suman Metalloys
 - e. Mehta Enterprises
 - f. SSB Alloys & Steels Pvt. Ltd.
 - g. Oswal Steel Industries
 - h. Usha Steel Centre
 - i. Almas Steel and Alloys Pvt. Ltd.
 - j. Marvel Technology & Tools Pvt. Ltd.
 - k. Aakash Press Parts Pvt. Ltd.
 - l. D V Steels
 - m. Sakshi Steel-N-Alloys
 - n. Aar Kay Steels & Forgings
 - o. Continental Steels
106. Submissions made by these parties, mostly pertaining to requests for the exclusion of tool and die steel only and imposition of reference-price based duties, have also been recorded hereunder, along with submissions received from interested parties. Submissions made by parties other than the domestic industry are as follows:
- a. Several parties have requested for the exclusion of "forged bars" from the scope of the PUC. It is claimed that the Petitioners are not producers of forged bars and amongst the producers of forged bars, 6 producers have expressed their opposition to the petition. It is also claimed that such an exemption would be practicable since "Forged Bars" fall under HSN Code 72284000 which is totally different from HSN code for other Alloy Steel bars.
 - b. One party (Forge Cast Alloy Pvt. Ltd.) filed letters of opposition from 6 of the Forged Bars producers. Also, claims were raised that forged bars are not substitutable with hot-rolled bars and rods. The party also raised question that even though Grade SAE52100 and 8720 have been discussed by petitioners, there are at least 75 grades of carbon and alloy steel which are frequently used by end users and the sizes range from 160 dia. to 1000 dia. and that the Authority should address the same as well.
 - c. Several parties claimed exclusion of "further processed Bars" on the grounds that the petitioners produce very small quantities of further processed bars and the major production of the same is by SME / MSME sector.
 - d. It is also claimed that such an exemption would be practicable since "further processed bars" fall under HSN code 7228 and therefore, can be exempted through HSN code No. 7228 1010 and 7228 30.

- e. Several parties have raised claims for exemption of “Hot Rolled Bars of diameter above 140mm” on the grounds that that only 7 Indian mills including some of the petitioners and supporters to the subject petition have capability to produce bars & rods of diameter above 140 mm. It is further claimed that the reduction ratio of the products of all of these producers is less than 6, with the exception of M/s. Jayaswal Neco. It is claimed that since the domestic mills are not capable of producing the requisite quality and their reduction ratio is less than 6, they get insufficient orders and produce very small quantity of these diameters. Further, quality issues have also been raised.
- f. Several parties have claimed exclusion of “Hot Rolled Round bars of length >10 meters” on the grounds that none of the domestic producers has the capability to produce hot rolled round bars exceeding 10 meters.
- g. Several parties requested for exclusion of “Carbon Steel Grades with Chromium upto 0.40% or Titanium upto 0.09%” on the ground that there are major price differences between alloy steel grades and carbon steel grades and the import data under consideration shows overall suppressed average import price owing to presence of large quantity of imports of carbon steel grade. It is also claimed that segregation of import transactions based on Carbon Steel Grades and Alloy Steel grades would show that the assessment of just alloy steel grades would be significantly impacted in so far as the volume would substantially decline and the CIF price of the product would substantially increase. Claims have been made that Chinese mills add limited parts of Chromium, Titanium or Boron in the product such that properties of the product remain unchanged and that such limited addition of stated elements does not qualify the product as any of the alloy steel grades under any specification in the world. Request has been made to exclude straight length bars of alloy steel having Cr.<0.40% and Ti<0.09% and Mo<0.08% and Ni.<0.30%.
- h. Some parties have raised claims for exclusion of “tool and die steel” from the scope of the PUC on the grounds that the petition itself exempted all straight length bars which are of tool & die steel grades and therefore, the exclusion mentioned by the Authority merits to be modified to include certain other chemical compositions. Based on the submissions of these parties, these exemptions claimed pertain to the following chemical compositions, some of which are overlapping:

S.No.	Chemical Composition	
1.	Carbon $\geq 0.30\%$ along with Chromium $\geq 3.0\%$ in combination of any of the following elements	
	(a) Nickel $\geq 1.0\%$	
	(b) Molybdenum $\geq 0.2\%$	
	(c) Vanadium $\geq 0.2\%$	
	(d) Manganese $\geq 0.2\%$	
2.	Carbon $\geq 0.250\%$ in combination with Tungsten $\geq 0.40\%$	
3.	Carbon $\geq 0.30\%$ along with Manganese $\geq 1\%$ and Chromium $\geq 1\%$ in combination of any of the following elements:	
	(a) Nickel $\geq 1.0\%$	
	(b) Molybdenum $\geq 0.15\%$	
	(c) Vanadium $\geq 0.2\%$	
4.	Carbon $\geq 0.50\%$ along with Chromium $\geq 1.0\%$ in combination of any of the following elements:	
	(a) Nickel $\geq 1.0\%$	
	(b) Molybdenum $\geq 0.2\%$	
	(c) Vanadium $\geq 0.2\%$	
5.	Carbon $\geq 0.30\%$ in combination with any of the following elements:	
	(a) Tungsten $\geq 0.40\%$	
	(b) Chromium $\geq 4.5\%$	
6.	2.00% \geq Carbon $\leq 2.35\%$ 0.24% \geq Manganese $\leq 0.45\%$ 0.25% \geq Silicon $\leq 0.45\%$ 11.00% \geq Chromium $\leq 13.00\%$ Molybdenum –	Vanadium $\leq 0.80\%$ Tungsten $\leq 0.75\%$ Sulfur ≤ 0.015 Phosphorous $\leq 0.020\%$ Cobalt –

7.	Carbon - 0.40% Manganese - 1.42% Silicon - 0.32% Chromium – 1.86%	Molybdenum – 0.169% Sulfur - 0.003% Phosphorous - 0.016% Nickel – 0.02%
----	--	--

- i. With respect to tool and die steel, certain parties have submitted that though there is production of the same by the domestic industry, they are still constrained to import the product owing to certain other conditions. These constraints include: minimum order quantity requirement by the domestic producers, lack of availability due to stocks not being maintained to meet urgent requirement, size range for rolled and forge quality as well as inconvenient price and payment terms sought by domestic industry.
- j. Certain other parties raised claims regarding exclusion of tool and die steel, in its entirety.
- k. Claims were also made that inability of the domestic industry to produce and supply tool and die steel of good quality affects the entire product line, as it is the base for all kinds of industry.
- l. Submissions were received from the representative of M/s Daye Special Steel Co., Ltd, M/s Jinagyin Xingcheng Special Steel Works Co., Ltd and M/s Jiangsu CP Xingcheng Special Steel Co., Ltd clarifying that responses to deficiency letter issued by the Authority had been duly provided vide response dated 6th July 2018 along with sample invoices. It was requested that the complete response filed by the sampled producer in response to the deficiency letter may be examined to assess individual dumping margin and injury margin with respect to the parties.
- m. An interested party raised claims pertaining to the nature of investigation, in so far as the Disclosure Statement does not undertake any PCN wise comparison and analysis for the purpose of dumping or injury. It has requested that the Disclosure Statement must be reissued including injury analysis on PCN basis.
- n. Claims were reiterated that the domestic industry is not engaged in production and sales of SAE 52100 and SAE 8720 Grades of the subject goods falling under CTH 7227 9040 and CTH 7227 9090. It has been stated that the inclusion of SAE 52100 and SAE 8720 based on Findings in the Wire Rods investigation is misplaced, since the PUC in both the investigations are different, the domestic industry under consideration was constituted of different producers and the periods of investigation in both the investigations are different.
- o. There is no price injury to the domestic industry by virtue of NEIL's import prices of SAE52100 and SAE8720 grades which is above the NIP estimated by domestic industry. Therefore, there cannot be any injury on account of grades imported by NEIL.
- p. An interested party raised claims pertaining to the lack of any injury to the domestic industry. In this regard, certain claims have been reiterated pertaining to production and capacity utilization of the domestic industry, sales of the domestic industry, which reflects that volume parameters are reflecting a positive trend. It is also claimed that there has been a decline in export sales which had an adverse impact on both volume and price parameters. Decline in export sales resulted into a reduction in capacity utilization and resultantly, increased cost of production. Thus, any injury to the petitioners is caused by various intrinsic factors, including decline in export sales volume and export sales price.
- q. There is no price suppression as the domestic selling price of applicants remained uninfluenced with the import price.
- r. The domestic sales volume and selling price of subject goods has displayed an absence of co-relation with import price and remained unaffected by the declining prices of goods from China PR.
- s. The overall examination of economic parameters displays that profits of petitioners have declined to the extent of decline in the cost of sales. Therefore, the decline in profit is on account of decline in the cost of sales. Accordingly, there is no decline in profits in percentage terms.
- t. The petitioners' production volume has increased, and the employment and productivity per employee have not displayed any adverse impact. Therefore, there is no causal link between the performance of the domestic industry and the dumped imports from China PR.
- u. An interested party has also raised claims, again, that JSW Steel Italy S.r.l. (a subsidiary of JSW Steel Limited) which has entered into a Sale and Purchase Agreement for acquisition of 100% shares of Aferpi S.p.A, Piombino Logistics S.p.A ("PL") and 69.27% of the share capital of GSI Lucchini S.p.A for a cash consideration of Euro 55 Million on a cash free, debt free basis. This ongoing acquisition of the steel facility

for a cash consideration invariably reflected that the import of subject goods has not adversely impacted applicant's ability to raise investments. There is no examination/finding by the Designated Authority to conclude that the ability of domestic Industry to raise investment has deteriorated.

- v. The interested parties and some other parties submitted that, in case the imports are found to be causing injury to the domestic industry, then the Authority should impose duties on Reference Price basis. In this regard, the following submissions were also put forward:
 - i. Since the initiation of the anti-dumping investigation by the Authority in November, 2017, the imports from China PR have reduced considerably owing to fear among importers for possibility of provisional duties.
 - ii. Prices of the subject goods have increased by 15 to 25% by the domestic mills forcing the user industry to digest the increased prices.
 - iii. The situation of shortage is expected to continue since the auto and engineering sector is expected to grow.
 - iv. Reference Price based duty would ensure that there is no dumping at any point of time and will protect the domestic steel industry as well.
 - v. In the past, with respect to certain other steel products, viz. Hot Rolled Coils, Hot rolled Plates/Sheets, Cold Rolled Coils/Sheets, Pre-painted sheets and coils and alloy/non-alloy steel wire rods / bars in coils, etc., the Authority has announced reference price based anti-dumping duty even where multiple grades of alloy / non-alloy were investigated together.
- w. Representation was also received from the representatives of certain producers / exporters from China PR, seeking that in case any duty recommendation is made by the Authority, then the name of producers along with the name of the exporters should be mentioned in the Final Findings as exporters are the ones who are dealing with exports to India directly and all the commercial invoices, bill of entry, letter of credit, etc. are made in the name of exporters only. It is submitted that in the absence of the same, complications may arise while getting the goods cleared at customs ports in India. In view of the same, it has been requested that the name of producers as well as exporters must be included in the table indicating dumping margin and injury margin in the Final Findings.

Submissions made by the Domestic Industry

107. The following submissions were made by the domestic industry:

- a. The Domestic Industry agreed with the Authority's assessment contained in the Disclosure Statement and expressed gratitude regarding the same and submitted that based on the observations contained in the Disclosure Statement, the Authority must necessarily conclude that there is injury being caused due to the dumped imports of the subject goods from China PR and that the said injury cannot be attributed to any other factor.
- b. The Domestic Industry requested that in case the essential facts and observations contained in the Disclosure Statement were revised, then due opportunity should be provided to them to address such revisions prior to conclusion of the investigation.
- c. The Domestic Industry submitted that the only appropriate form of duty in the present case would be fixed duty. In this regard, the Domestic Industry cited the following reasons:
 - i. Duties based on 'reference price' are appropriate only in those cases where prices of the subject goods and its key raw materials are stable. In the present case, the prices of the raw materials have increased substantially during the period of injury and since the POI. The cost-index based price of key raw materials of the subject goods has already increased in 2017-18 by 14-23% (depending on whether company is using Coking Coal or Met Coke in production process) when compared to prices in the period 2016-17 and by 88% (irrespective of the fact whether company is using Coking Coal or Met Coke in production process) when compared to prices in the period 2015-16.
 - ii. Any construction of a "reference price" based on the outdated data pertaining to raw material prices as per the POI information would not be practical or appropriate and would grossly fail to avert the injury being suffered by the domestic industry.

- iii. The PUC in the present case includes various grades of alloy steel bars and rods having significant price variations. Therefore, the construction of a single reference-price based duty would not address the significant price differences between the high-end grades and the low-end grades of the PUC. In case an average based reference price is adopted, the higher end grades of the PUC would continue to be dumped with impunity and the injury being suffered by the domestic industry would not be remedied. Thus, a reference-price based duty would not only be impractical, it would become redundant.
- iv. More so, the prayers of the importers/users and their insistence for imposition of measures by way of a reference price, based on the raw material pricing of the POI and the NIP pertaining to the POI, lends strength to the domestic industry's claims regarding non-utility of reference price based duty.
- v. Finally, they also submitted that only the application of a fixed form of duty would ensure the effectiveness of measures as it would prevent price manipulation and circumvention.

Examination by the Authority

108. The Authority notes that most of the submissions by parties are repetitive in nature and have been examined and addressed in the foregoing parts of the present findings and at the time of issue of the disclosure statement. The findings above deal with all such arguments of the domestic industry and other interested parties. However, the Authority has examined these submissions herein below to the extent relevant and not addressed elsewhere:
- a. The Authority notes that many parties have made submissions before the Authority for the first time after the issue of the Disclosure Statement. However, even those arguments have been taken on record and wherever necessary, the data on record has been re-verified to ensure that concerns raised get duly addressed. The Authority however notes that such an approach on the part of parties to raise fresh set of issues at the fag end of the investigation, that too without having participated at any stage of the investigation is not at all appreciated.
 - b. The Authority also notes that certain submissions made by such parties have inherent contradictions. While certain parties requested exclusion of certain grades / chemical compositions of the subject goods claiming that the domestic industry did not produce the same, others requested exclusion of the same products claiming insufficiency of production volume, quality issues and other constraints such as minimum order quantity, unfavourable payment terms, availability of stock, size range of rolled and forge quality goods, etc.
 - c. With respect to submissions made for the exclusion of "forged bars" from the scope of the PUC, the Authority notes that the claim is reiteration of claims made earlier and addressed in the Disclosure Statement issued by the Authority. In any case, the data on record establishes that the domestic producers have supplied forged bars during the POI. Therefore, such an exclusion cannot be granted.
 - d. One party, namely, M/s. Forged Cast Alloy Pvt. Ltd, along with its submissions has enclosed copies of letters of opposition from 6 producers of "forged bars" stating that they were not aware of the investigation earlier and that they do not support the petition. In this regard, the Authority notes that in view of the production and supply of the subject goods by domestic producers, the claims for exclusion of "forged bars" cannot be sustained. Further, the Authority finds that the standing of the domestic industry is assessed with respect to the PUC as a whole and not for each specific grade of the PUC individually. Moreover, the opposition letters have not been filed by the concerned parties allegedly producing forged bars, but rather by other interested parties. The parties on whose behalf the opposition has been filed have made no submissions themselves, nor have they become interested parties in the present investigation. As such, no data was made available regarding their production, plant capacity, plant location, etc. Such letters of opposition not even filed by the concerned parties themselves do not deserve any consideration.
 - e. With respect to the claim by some of the parties that there are 75 grades of carbon and alloy steel which are frequently used by end users in various dimensions- from 160mm dia. to 1000mm dia, apart from SAE 52100 and SAE 8720 and that the Authority should examine that these are being produced by the petitioners before including the same as part of the PUC, the Authority notes that it has examined requests for exclusion as raised by various parties over the course of investigation. Where no claim has been made regarding the production or supply of certain grades/varieties of the products, the Authority has concluded that the petitioners and other interested parties have without any dispute accepted the same as part of the PUC. The claims pertaining to SAE 52100 and SAE 8720 were specifically

examined because the same were expressly raised by interested parties over the course of the investigation.

- f. With respect to claims regarding inapplicability of Final Findings of Wire Rods in the present investigation, owing to various factors including the difference in PUC, POI and the petitioners in both the investigations, the Authority notes that some of the petitioners are common in the two investigations and these petitioners are undertaking the manufacture of grades SAE52100 and SAE8720. Moreover, the classification of grades SAE 52100 and SAE 8720 depends on the chemical composition of the metal which is used to make either wire rods or bars. Therefore, the petitioners are capable of producing said products. Finally, the petitioners had supplied evidence namely invoices of sales of the relevant grades.
- g. With respect to claims regarding exclusion of “further processed bars”, the Authority notes that while previously it was being argued that such products are not being imported, now it is being argued that the petitioners produce very small quantities. In any case, the request for exclusion of a product from the scope of PUC which is admittedly being manufactured by the domestic industry cannot be accepted.
- h. With respect to claims regarding exclusion of “Hot-Rolled Bars above 140mm diameter with reduction ratio more than 1:6”, the Authority notes once again that it is an admitted position by such parties themselves that the product is being supplied by the domestic industry. The Authority has also verified the same from the copies of invoices furnished by the petitioners. Thus, the question of exclusion of certain category of product from the scope of PUC which is admittedly being manufactured by the domestic industry does not arise.
- i. With respect to claims regarding the exclusion of “Hot-Rolled bars > 10m length”, the Authority notes that the claim has been raised for the first time at such belated stage of the investigation and that too unsubstantiated by any evidence. There is no evidence on record either for or against this claim.
- j. With respect to claims pertaining to the exclusion of certain carbon steel grades having microalloying elements, the Authority notes that the claim has been recorded and addressed at the time of issue of Disclosure Statement. The parties have, at different parts of the claim, sought exclusion of:
 - i. Carbon Steel Grades with Chromium upto 0.40% or Titanium upto 0.09%;
 - ii. Carbon Steel Grades including those with restricted addition of Cr/Ti/B;
 - iii. Carbon Steel Grades having Cr.<0.40% and Ti<0.09% and Mo<0.08% and Ni.<0.30%.

The Authority notes that when the Chinese producers claim VAT benefits citing the goods in question as “alloy steel”, i.e., they themselves categorize these products as alloy steel and even the Indian Customs Tariff Schedule identifies such products as alloy steel, there is no reason to deviate from the express and determined classification in this regard. Accordingly, the Authority rejects this request.

- k. With regard to the claims for exclusion of “tool & die steel”, the Authority notes that the parties are claiming that they were under the misconception that the entire category of tool & die steel grades was excluded. Such a claim is without any merit, since both the petition and the Authority’s initiation notice clearly mark out the chemical compositions which were excluded from the scope of the PUC. Regarding the claims for exclusion of tool and die steel in entirety, it is noted that the Authority re-verified the sales invoices of the petitioners and found that a large number of chemical compositions under IS 3748 and many others as well were supplied by the petitioners. Thus, the claim for a blanket exclusion of tool and die steel cannot be accepted.
- l. As for the quality issues cited, the Authority finds that the importers would continue to be able to import the subject goods at fair prices and therefore, such claims are not reasonable.
- m. The Authority notes that the response to the deficiency letter filed on behalf of M/s Daye Special Steel Co., Ltd (“Daye”), M/s Jinagyin Xingcheng Special Steel Works Co., Ltd (“Jinagyin Steel”) and M/s Jiangsu CP Xingcheng Special Steel Co., Ltd (“Jiangsu CP”) has been examined and duly considered for assessing individual dumping margin and injury margin.
- n. One party has claimed that PCN wise examination of dumping margin and injury margin has not been carried out by the Authority at the time of issuance of Disclosure Statement. However, such a claim is

incorrect. The Authority has received the PCN wise data, in the present case, and has assessed, the normal value and NIP with respect to each PCN exported by the sampled producer / exporter. Thereafter, having assessed the PCN-wise dumping margin and injury margin, the weighted average Dumping Margin and Injury Margin were determined for each sampled producer/exporter.

- o. The Authority further notes that the claims for exclusion of certain grades of the PUC by some parties are neither supported by any documentary evidence nor have such parties at any stage filled in any questionnaire response to prove the veracity of their claims. It is further noted that neither the domestic industry nor other interested parties have furnished the production and demand data in respect of grades and types of product sought to be excluded from the scope of PUC.
- p. With regard to the form of measure to be applied; considering all issues involved, contentions raised by interested parties and information provided, it is deemed appropriate to recommend fixed form of anti-dumping duty for the PUC except for Forged Bars and Tool & Die Steel (other than grades of tool & die steel excluded from the scope of PUC) wherein reference price based duty is considered more suitable.
- q. The Authority notes the submission raised by the producers/exporters pertaining to the issue of duty table mentioning the supply chain, i.e., the producer as well as the exporter. Accordingly, the Authority has mentioned the name of the foreign producer(s) as well as exporter(s) in the duty table as per the consistent practice.

K. Indian Industry's Interest

109. The Authority recognizes that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the product in India. However, fair competition in the Indian market would not be impacted by the imposition of anti-dumping measures. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of the subject goods. The purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of anti-dumping duties, therefore, would not affect the availability of the product to the consumers. The Authority notes that the imposition of the anti-dumping measures would not restrict imports from the subject country in any way, and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.

L. Recommendation

110. The Authority notes that the investigation was initiated, and it was notified to all the interested parties. Adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide information on the aspects of dumping, injury and causal link. Having initiated and conducted an investigation into dumping, injury and the causal link thereof in terms of the anti-dumping Rules and having established positive dumping margin as well as material injury to the domestic industry caused by such dumped imports, the Authority is of the view that imposition of anti-dumping duty is necessary to offset dumping and injury.
111. Having regard to the lesser duty rule, the Authority recommends imposition of definitive antidumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, the Authority recommends imposition of anti-dumping duty equal to the amount indicated in Col 8 of the table below on the imports of the subject goods, originating in or exported from China PR from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government for period of 5 years. However, no anti-dumping duty shall be payable on imports of forged bars and tool & die steel (other than grades of tool & die steel excluded from the scope of PUC) if their landed value is above USD 659.91/MT. If the landed value of forged bars and tool & die steel (other than grades of tool & die steel excluded from the scope of PUC) is lower than USD 659.91/MT, then the difference between such landed value and USD 659.91/MT shall be payable as anti-dumping duty.

Duty Table

S.No	Sub-Heading	Product Description	Country of Origin	Country of Export	Producer	Exporter	Duty Amount	Unit	Currency
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1.	7228	See Note 1	China	China	M/s	a)M/s Benxi	155.82	MT	USD

S.No	Sub-Heading	Product Description	Country of Origin	Country of Export	Producer	Exporter	Duty Amount	Unit	Currency
		and Note 2	PR	PR	Bengang Steel Plates Co., Ltd	Iron and Steel Hong Kong Limited b) M/s. Hangzhou Cogeneration (Hong Kong) Co. Ltd. c) Burwill Resources Limited			
2.	7228	See Note 1 and Note 2	China PR	China PR	a) M/s Daye Special Steel Co., Ltd. b) Jiangsu CP Xingcheng Special Steel Co., Ltd. c) Jinagyin Xingcheng Special Steel Works Co., Ltd	a) M/s Daye Special Steel Co., Ltd. b) Jinagyin Xingcheng Special Steel Works Co., Ltd	44.89	MT	USD
3.	7228	See Note 1 and Note 2	China PR	China PR	Non-Sampled Co-operating Producers*	Non-Sampled Co-operating Exporters*	98.62	MT	USD
4.	7228	See Note 1 and Note 2	China PR	China PR	All Others	All Others	185.51	MT	USD

NOTE 1: Alloy bars and rods in straight length, whether or not hot rolled, hot drawn, cold drawn, cold extruded, peeled bar, surface machined, polished, bright bar, forged. However, the PUC excludes the following:

- i. Bars and rods in irregularly wound coils;
- ii. High Speed Steel i.e. alloy steels containing, with or without other elements, at least two of the three elements namely Molybdenum (Mo), Tungsten (W) and Vanadium (V) with a combined content by weight of 7% or more, 0.6% of more of Carbon and 3% to 6% of Chromium;
- iii. Tool and Die Steel: This category covers steel having either of the following three combinations:

i. Carbon $\geq 0.50\%$ along with Chromium $\geq 1.0\%$ in combination of any of the following elements: <ol style="list-style-type: none"> (a) Nickel $\geq 1.0\%$ (b) Molybdenum $\geq 0.2\%$ (c) Vanadium $\geq 0.2\%$
ii. Carbon $\geq 0.30\%$ in combination with Tungsten $\geq 0.40\%$
iii. Carbon $\geq 0.30\%$ along with Manganese $\geq 1.0\%$ and Chromium $\geq 1.0\%$ in combination of any of the following elements: <ol style="list-style-type: none"> (a) Nickel $\geq 1.0\%$ (b) Molybdenum $\geq 0.2\%$ (c) Vanadium $\geq 0.2\%$
- iv. Hollow drill bars and rods;
- v. Bars and rods electroplated with chrome;
- vi. Reinforcement Bars having ribs / grooves / indentations, used for concrete reinforcement;
- vii. Stainless Steel bars;
- viii. Hot-rolled round bars exceeding diameter 210mm.

NOTE 2: No anti-dumping duty shall be payable on imports of forged bars and tool & die steel (other than grades of tool & die steel excluded from the scope of PUC in Note 1) if their landed value is above USD 659.91/MT. If the landed value of forged bars and tool & die steel (other than grades of tool & die steel excluded from the scope of PUC in Note 1) is lower than USD 659.91/MT, then the difference between such landed value and USD 659.91/MT shall be payable as anti-dumping duty.

Landed Value is the assessable value as determined under the Customs Act, 1962 and includes all duties of customs except duties levied under sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the Customs Tariff Act.

*Non-Sampled Co-operating Producers/Exporters

S.No	Producers	Exporters
1.	Shandong Iron and Steel Company Limited, Laiwu Company	Shandong Iron and Steel Company Limited, Laiwu Company
2.	Shi Gang Jing Cheng Equipment Development and Manufacturing Company Limited	Shi Gang Jing Cheng Equipment Development and Manufacturing Company Limited
3.	Shijiazhuang Iron and Steel Company Limited	a) Shijiazhuang Iron and Steel Company Limited b) LG International Corp.
4.	Shandong Shouguang Juneng Special Steel Co., Ltd.	a) Shandong Shouguang Juneng Special Steel Co., Ltd. b) Burwill Resources Limited
5.	Jiangsu Lianfeng Energy Equipment Co., Ltd.	a) Jiangsu Lianfeng Energy Equipment Co., Ltd. b) Burwill Resources Limited
6.	Zenith Steel Group Co., Ltd.	a) Genesis Resources Ltd b) Tiptip Holding Pte Ltd c) Sinomaterial International Co., Ltd
7.	Jiangsu Lihuai Iron and Steel Co., Ltd.	a) Adler Steel Limited b) B&L International Co., Ltd c) GS Global Corp & Jindal Saw

M. Further Procedure

112. An appeal against the order of the Central Government that may arise out of this Final Findings Notification shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act.

SUNIL KUMAR, Add. Secy. & Director General